बुधवार, 16 जुलाई 2025

मौसम

तापमान 26 – 32
आर्द्रता 80%
सूर्योदय: 5:01 सूर्यास्त: 18:24

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, श्रावण कृष्णपक्ष षष्ठी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : गलत इंसान की आवाज ऊंची होती है और सच्चे इंसान व्यक्तित्व ऊंचा होता है।

'एक धर्म के लोगों के हमले' से असम में जनसांख्यिकी बदल रही है: हिमंत पृष्ठ 7

18 दिन अंतरिक्ष में बिताकर लौटे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, रचा इतिहास

अंतरिक्ष में लहराया भारत का परचम

अंतरिक्ष से लौटने पर बधाइयों का तांता, देश में जश्न

नयी दिल्ली : शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन के प्रवास के बाद मंगलवार को खुशी और मुस्कुराहट के साथ पृथ्वी पर लौट आए। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान की महत्वाकांक्षाओं को साकार करने का वादा करती है। लखनऊ में जन्मे शुक्ला और निजी 'एक्सिओम-4' मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री प्रशांत समयानुसार रात 2:31 बजे (भारतीय समयानुसार अपराह्न 3:01 बजे) कैलिफोर्निया के सैन डिएगो के निकट प्रशांत महासागर में उतरे। इस दौरान पूरे भारत में खुशी की लहर दौड़ गई। भारतीय वायु सेना में ग्रुप कैप्टन शुक्ला अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत रूस मिशन के तहत अंतरिक्ष की यात्रा की थी। वह ऐसे पहले भारतीय भी बन गए हैं, जिन्होंने पृथ्वी की कक्षा में सबसे लंबे समय (20 दिन) तक

रहकर अंतरिक्ष की यात्रा की। भारत, हंगरी और पोलैंड के लिए इस मिशन ने मानव अंतरिक्ष उड़ान की वापसी को साकार किया है, क्योंकि इन देशों के अंतरिक्ष यात्रियों ने 40 वर्षों से अधिक समय बाद पहली बार अंतरिक्ष की यात्रा की है। ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्ष यान 25 जून को फ्लोरिडा से उड़ा था और 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को आईएसएस पहुंचा था। कक्षीय प्रयोगशाला में शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिटसन तथा पोलैंड के मिशन विशेषज्ञ स्लावोज़ उज़्नान्स्की-विस्नीवस्की और हंगरी के टिबोर कापू सहित एक्सिओम-4 मिशन दल ने अगले 18 दिन 60 प्रयोगों और 20 संपर्क सत्रों में बिताए। ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने 28 हजार किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से यात्रा करते हुए एक्सिओम-4 चालक दल के सदस्यों को लेकर धीरे-धीरे गति कम करने और पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के लिए कई प्रक्रियाएँ पूरी कीं तथा प्रशांत महासागर में उतरने से पहले तीव्र गर्मी का सामना किया। कुछ ही मिनटों बाद ड्रैगन अंतरिक्ष यान को स्पेसएक्स के 'रिकवरी शिप शैनन' के ऊपर ले जाया गया, जहां शुक्ला और अन्य अंतरिक्ष यात्री मुस्कुराते हुए और कैमरों की ओर हाथ हिलाते हुए अंतरिक्ष यान से बाहर निकले। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर तीन सप्ताह तक भारहीनता की स्थिति में रहने के बाद पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण के साथ तालमेल बिठाने के लिए पैरों के सहारे चलवाने में शुक्ला और तीनों अंतरिक्ष यात्रियों की 'ग्राउंड स्टाफ' ने मदद की।

शुभांशु शुक्ला के 17 अगस्त तक भारत आने की संभावना : जितेंद्र सिंह

शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि ने अरबों सपनों को प्रेरित किया है: प्रधानमंत्री मोदी

मैं राष्ट्र के साथ मिलकर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट आए हैं। उन्होंने शुक्ला की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले पहले भारतीय हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारत के अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन – गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है।

मुख्यमंत्री ममता ने दी बधाई

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को अंतरिक्ष से लौटे शुभांशु शुक्ला को बधाई दी। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर यह शुभकामना संदेश पोस्ट किया। इस दिन, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लिखा कि शुभांशु शुक्ला, आपका घर में स्वागत है। हमें वाकई खुशी है कि आप घर लौट आए हैं। आपने जो किया है, वह हमारे लिए गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने शुभांशु शुक्ला और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

राज्य में बाढ़ की स्थिति को लेकर ममता ने की उच्च स्तरीय बैठक, डीवीसी पर जताई नाराजगी

मुख्यमंत्री ने बंगाल को आर्थिक रूप से वंचित होने का लगाया आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : बाढ़ की स्थिति को लेकर नवान्न में मंगलवार को एक बैठक में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने डीवीसी पर अपना गुस्सा जाहिर किया। ममता ने दावा किया कि यह स्थिति उन्हें सूचित किए बिना बार-बार पानी छोड़े जाने के कारण है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मामले में बार-बार सूचित किया है, फिर भी कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने बंगाल को आर्थिक रूप से वंचित रखने का भी आरोप लगाया। इस दिन, बैठक में उन्होंने कहा कि डीवीसी 18 जून से लगातार पानी छोड़ रहा है। अब तक 27 लाख हजार क्यूसेक मीटर पानी छोड़ा जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीवीसी किसी की नहीं सुन रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि मैंने प्रधानमंत्री को बार-बार पत्र लिखे हैं। फिर भी कोई काम नहीं हो रहा है। डीवीसी उन्हें सूचित किए बिना पानी छोड़ रहा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि असम बाढ़ से निपटने के लिए केंद्रीय सहायता मिलने के बावजूद बंगाल को वंचित रखा गया है। मुख्यमंत्री ने राज्य प्रशासन को बाढ़ की स्थिति के बारे में आगाह किया है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन के उच्च पदस्थ अधिकारियों को इस पर नजर रखने को कहा है। उन्होंने कहा कि जहां स्थिति खराब है, वहां तीन सचिव, स्थानीय डीएम और एसपी नजर रखेंगे। स्थिति से निपटने के लिए एक नियंत्रण कक्ष खोला जा रहा है। मुख्यमंत्री स्वयं इसकी निगरानी करेंगी। ममता ने यह भी कहा कि बाढ़ के दौरान कई बीमारियां देखने को मिलती हैं। स्वास्थ्य विभाग इससे निपटने के लिए प्रभावित इलाकों में दवाइयां भेजेगा। राहत शिविर खोले गए हैं। स्थानीय एसपी और डीएम इस पर नजर रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि घाटाल, खानाकुल और झाड़ग्राम पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। घाटाल मास्टर प्लान के बारे में उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि घाटल मास्टर प्लान का काम अगले 2 सालों में पूरा हो जाएगा। आपको अब और परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कठिन परिस्थिति में विपक्षी दलों को अपना समर्थन देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि किसी भी दल से जुड़े हों, लोगों के साथ खड़े रहें, प्रशासन के काम में बाधा न डालें। ममता ने मीडिया से भी सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की, सकारात्मक खबरें दें, अफवाहें न फैलाएं।

देश भर में बंगाली प्रवासी मजदूरों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में आज मुख्यमंत्री की रैली

तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मिलाएंगे ममता के कदम से कदम

2026 के विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में बंगाली अस्मिता (बंगाली पहचान) एक बार फिर सियासत के केंद्र में है। तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा पर गैर-बंगाली और बंगाल विरोधी मानसिकता फैलाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कोलकाता में विशाल विरोध रैली की घोषणा की है। इस रैली का नेतृत्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी करेंगे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली, महाराष्ट्र, ओडिशा, असम और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में बंगाली बोलने वाले नागरिकों को बांग्लादेशी घुसपैठिया कहकर प्रताड़ित किए जाने के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। असम में कूचबिहार की निवासी आरती घोष और उत्तम ब्रजवासी जैसे बंगाली नागरिकों को एनआरसी नोटिस भेजे गए हैं।

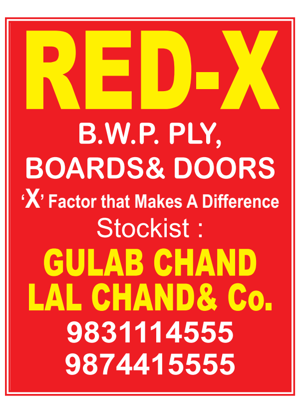

पुराने वोटरों की दोबारा न पहचान कराएं : टीडीपी

नयी दिल्ली : तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने मंगलवार को चुनाव आयोग (ईसी) से अपील की कि आंध्र प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के लिए पर्याप्त समय दिया जाए और यह प्रक्रिया किसी बड़े चुनाव से छह महीने पहले तक न कराई जाए। टीडीपी ने कहा कि जो लोग पहले से ही ताजा वोटर लिस्ट में शामिल हैं, उन्हें दोबारा अपनी पहचान या पात्रता साबित करने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। यह मांग ऐसे समय में आई है जब बिहार में इसी तरह की मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर विवाद चल रहा है। वहां विपक्षी दलों ने आरोप लगाए हैं कि चुनाव से ठीक पहले की जा रही इस प्रक्रिया में नए वोटरों पर सबूत देने की जिम्मेदारी डाल दी गई है, जिससे भ्रम और असंतोष फैल रहा है।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी की सजा टली

तिरुवनंतपुरम : यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी यमनी अधिकारियों ने टाल दी है जिससे उसके परिवार समेत अन्य लोगों को राहत मिली है और अब ये लोग उम्मीद कर रहे हैं कि संयुक्त प्रयासों से उसे फांसी से पूरी तरह बचाया जा सकता है। सरकार के सूत्रों ने फांसी के टलने की जानकारी मंगलवार को दी। भारतीय नर्स को 16 जुलाई यानी कल फांसी दी जानी थी। सूत्रों ने बताया कि भारत सरकार ने हाल के दिनों में प्रिया के परिवार को दूसरे पक्ष के साथ ''पारस्परिक रूप से स्वीकार्य'' समाधान तक पहुंचने के वास्ते अधिक समय देने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। प्रिया के पति टॉमी थॉमस ने सरकार और अन्य संगठनों के सामूहिक प्रयास पर संतोष व्यक्त किया है। टॉमी थॉमस ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, फांसी टाल दी गई है। यह अच्छी खबर है। हम खुश और राहत महसूस कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि उसकी फांसी रुकवाने और उसे सुरक्षित वापस लाने के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने इस मुहिम में समर्थन के लिए सभी लोगों का धन्यवाद किया। थॉमस ने बताया कि उनकी एक बेटी है जो बारहवीं कक्षा में पढ़ती है और उसे इन सब चीजों से दूर रखा गया है।

टेस्ला ने मुंबई में अपना पहला 'एक्सपीरियंस सेंटर' खोला, भारत में आधिकारिक शुरुआत

59.89 लाख रुपये की शुरुआती कीमत वाला मॉडल 'वाई' पेश

मुंबई : इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में अपना पहला 'एक्सपीरियंस सेंटर' मंगलवार को खोलने के साथ ही आधिकारिक तौर पर भारत में प्रवेश किया। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया। फडणवीस ने इस मौके पर कहा कि राज्य सरकार चाहती है कि टेस्ला भारत में अपने अनुसंधान एवं विकास और विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करे। मुख्यमंत्री ने कहा, '' हम चाहते हैं कि अनुसंधान, विकास और विनिर्माण भारत में ही हो। मुझे यकीन है कि टेस्ला उचित समय पर इस बारे में विचार करेगी।'' उन्होंने कहा, '' अपनी इस यात्रा में महाराष्ट्र को एक भागीदार मानें।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में अपना पहला केंद्र खोलने का टेस्ला का फैसला शहर और राज्य में उसके विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा, '' टेस्ला एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन इस बात का प्रमाण है कि टेस्ला सही शहर और सही राज्य (यानी मुंबई और महाराष्ट्र) में आ गई है।'' फडणवीस ने कहा कि मुंबई न केवल भारत की वित्तीय, वाणिज्यिक और मनोरंजन राजधानी है, बल्कि एक उद्यमशीलता केंद्र भी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने 2015 में अमेरिका में पहली बार टेस्ला गाड़ी चलाई थी। उन्होंने कहा, '' तब मैंने सोचा था कि भारत में भी ऐसी गाड़ी होनी चाहिए। इसमें करीब 10 साल लग गए, लेकिन हमें बहुत खुशी है कि आप आखिरकार यहां आ गए हैं। भारत में लोग टेस्ला का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि आपूर्ति शुरू होने पर आपको यहां अपने सबसे अच्छे बाजारों में से एक मिलेगा।''

भारत का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली क्षमता हासिल करना उसकी प्रतिबद्धता: मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने लक्ष्य से पांच साल पहले ही 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता हासिल कर ली है, जो हरित और टिकाऊ भविष्य के निर्माण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता एवं प्रयासों को दर्शाता है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को कहा कि भारत ने कुल 484.8 गीगावाट स्थापित क्षमता में से 242.8 गीगावाट यानी गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत हासिल कर लिया है, जो 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले है। देश में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित विद्युत उत्पादन बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की प्रतिबद्धता को देखते हुए यह महत्वपूर्ण है। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, ''यह हरित और टिकाऊ भविष्य के निर्माण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता एवं प्रयासों को दर्शाता है।''

बेरोजगारी दर जून में 5.6 प्रतिशत पर स्थिर रही: सरकारी आंकड़ा

नयी दिल्ली : इस साल जून के महीने में देश में बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत पर स्थिर रही है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने इस साल मई में पहली बार मासिक आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) जारी किया था। इसके जरिये देश में नौकरियों के लिए पात्र लोगों में बेरोजगार लोगों के अनुपात की वास्तविक समय में निगरानी की कोशिश की गई है।

समोसे, जलेबी पर चेतावनी प्रदर्शित करने के संबंध में दावे 'भ्रामक और गलत' : स्वास्थ्य मंत्रालय

नयी दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को उन खबरों को ''भ्रामक, गलत और निराधार'' करार दिया जिनमें दावा किया गया है कि उसने विक्रेताओं को समोसे, जलेबी और लड्डू जैसे खाद्य पदार्थों के बारे में चेतावनी प्रदर्शित करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि विभिन्न खाद्य पदार्थों में वसा और ज्यादा चीनी के बारे में स्वास्थ्य संदेश पर उसकी सलाह विक्रेताओं को उनके उत्पादों पर चेतावनी प्रदर्शित करने का निर्देश नहीं है, और रेखांकित किया कि यह भारत की समृद्ध 'स्ट्रीट फूड' संस्कृति को लक्षित नहीं करता है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह सामान्य परामर्श लोगों को सभी खाद्य उत्पादों में वसा और अतिरिक्त चीनी के बारे में जागरूक करने के लिए एक व्यवहारिक निर्देश है, न कि किसी विशेष खाद्य उत्पाद के बारे में। परामर्श में अन्य संदेशों का भी उल्लेख किया गया है, जिनमें फल, सब्जियां और कम वसा वाले विकल्पों जैसे स्वस्थ भोजन को बढ़ावा दिया गया है तथा लोगों को शारीरिक गतिविधियां अपनाने के लिए सुझाव दिए गए हैं, जैसे सीढ़ियों का उपयोग और अल्प अवधि का व्यायाम। मंत्रालय ने अलग से एक परामर्श जारी किया है, जो कार्यस्थलों पर स्वास्थ्यवर्धक विकल्प चुनने की दिशा में एक पहल है।

जातीय आधार पर निर्भर राजनीतिक दल देश के लिए खतरनाक: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि जातीय आधार पर निर्भर राजनीतिक दल देश के लिए समान रूप से खतरनाक हैं। इसी के साथ उसने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का पंजीकरण रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि एआईएमआईएम के संविधान के अनुसार, इसका उद्देश्य अल्पसंख्यकों सहित समाज के हर पिछड़े वर्ग के लिए काम करना है, जिसका संविधान में भी उल्लेख है। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील विष्णु शंकर जैन से कहा, पार्टी का कहना है कि वह समाज के हर पिछड़े वर्ग के लिए काम करेगी, जिनमें अल्पसंख्यक समुदाय के लोग और मुस्लिम भी शामिल हैं, जो आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हैं। हमारा संविधान भी यही कहता है। संविधान के तहत अल्पसंख्यकों को कुछ अधिकारों की गारंटी दी गई है और पार्टी के राजनीतिक घोषणापत्र या संविधान में कहा गया है कि वह संविधान के तहत दिए गए उन अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम करेगी। पीठ ने जैन से दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर याचिका वापस लेने को कहा, जिसमें एआईएमआईएम को निर्वाचन आयोग से मिले पंजीकरण और मान्यता को चुनौती देने वाली रिट याचिका को खारिज कर दिया गया था। उसने याचिकाकर्ता को रिट याचिका दायर करने की स्वतंत्रता दी, जिसमें वह विभिन्न मुद्दों पर राजनीतिक दलों के संबंध में सुधारों के लिए व्यापक प्रार्थना कर सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा, आपकी यह बात सही हो सकती है कि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां शपथपत्र देने के बाद भी कोई पार्टी या पार्टी उम्मीदवार ऐसे अभियान में शामिल हो सकता है, जिससे धार्मिक भावनाएं भड़क सकती हैं, लेकिन इसके लिए घटना को उचित मंच के संज्ञान में लाया जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी: 2024 में 1.4 करोड़ बच्चों को नहीं मिला कोई टीका, भारत सहित 9 देशों में स्थिति गंभीर

लंदन : दुनियाभर में पिछले साल 1.4 करोड़ से अधिक बच्चों को एक भी टीका नहीं लगा जो 2023 की संख्या के लगभग बराबर है। इन बच्चों में से आधे से ज्यादा भारत समेत नौ देशों से हैं। संयुक्त राष्ट्र के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वैश्विक टीकाकरण के संबंध में मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ ने बताया कि 2024 में एक वर्ष से कम उम्र के लगभग 89 प्रतिशत बच्चों को डिप्थीरिया, टेटनस और काली खांसी के टीके की पहली खुराक मिली जो 2023 के बराबर है। इसने कहा कि लगभग 85 प्रतिशत बच्चों ने ही इन टीकों की तीनों खुराक लीं, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 84 प्रतिशत था। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा कि टीकाकरण अब भी आसान नहीं है और संघर्ष व मानवीय संकटों के कारण टीकाकरण में हुई प्रगति तुरंत ही कमजोर पड़ने लग जाती है। उन्होंने बताया कि डिप्थीरिया, टेटनस और काली खांसी के खिलाफ सबसे कम टीकाकरण सूडान में हुआ। आंकड़ों के अनुसार टीकाकरण से वंचित बच्चों में से 52 प्रतिशत केवल नौ देशों- नाइजीरिया, भारत, सूडान, कांगो, इथियोपिया, इंडोनेशिया, यमन, अफगानिस्तान और अंगोला से थे। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ ने कहा कि खसरे के खिलाफ टीककारण में थोड़ी वृद्धि हुई है, दुनियाभर में 76 प्रतिशत बच्चों को दोनों टीके लग चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के अनुसार टीकाकरण से हर साल 35 लाख से 50 लाख मौतें रोकने में मदद मिलती है। हालांकि, अधिकारियों ने इस बात को स्वीकार किया कि अंतरराष्ट्रीय सहायता मिलना बंद होने से बच्चों का टीकाकरण और मुश्किल हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जनवरी में अपने देश को डब्ल्यूएचओ से बाहर कर लिया, लगभग सभी मानवीय सहायता को रोक दिया और बाद में अमेरिकी सहायता एजेंसी (यूएसएड) को बंद करने की दिशा में कदम उठाए।

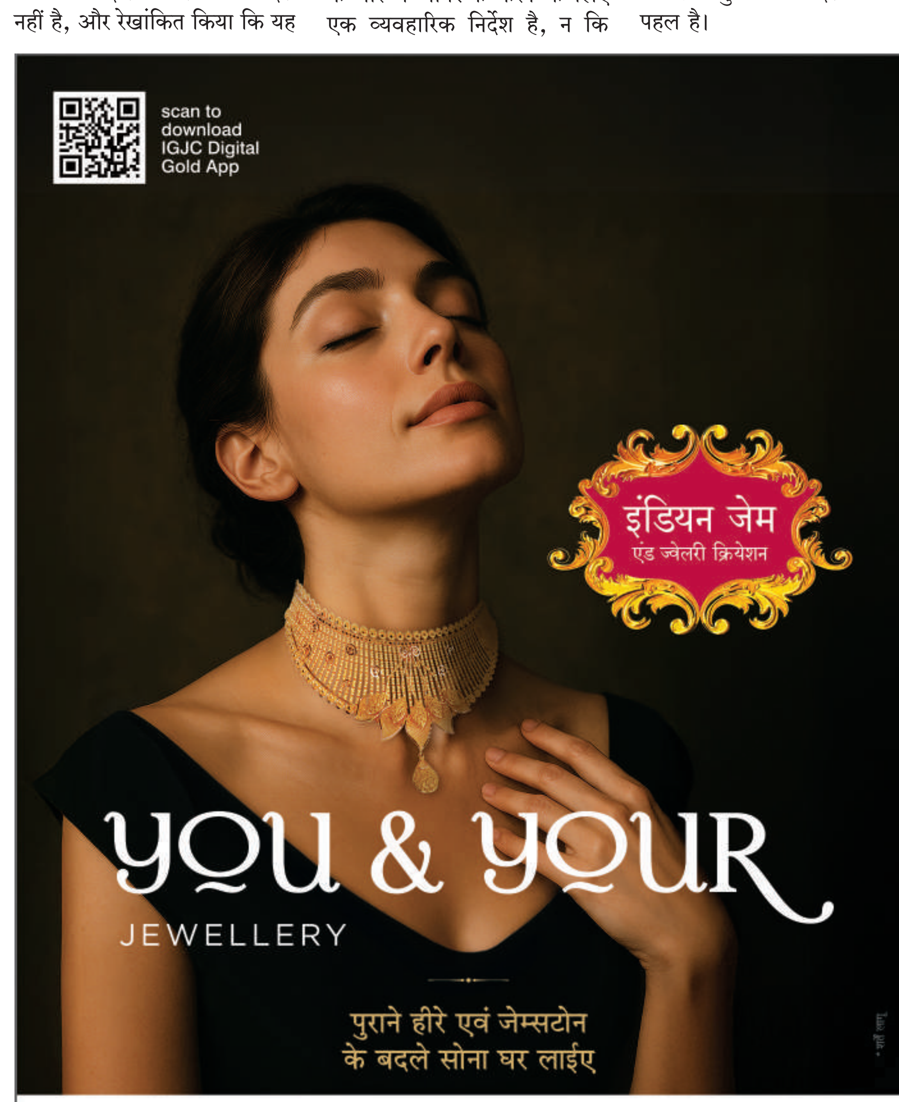

इंडियन जेम एंड ज्वेलरी क्रियेशन टोल फ्री नंबर 1800 8891704

9B, वुड स्ट्रीट : ग्राउंड फ्लोर, कोलकाता 700 016 M +91 89810 89018 साउथ सिटी मॉल : ग्राउंड फ्लोर, 375, प्रिंस अनवर शाह रोड, कोलकाता 700 068 M +91 89810 89029 सिटी सेंटर II, राजारहाट : ब्लॉक - B', दूसरी मंजिल, शॉप नंबर 201, न्यू टाउन, कोलकाता 700 157 M +91 89810 89066 हावड़ा : जेपी'स एसी मार्केट (श्री विंध्याचल बिल्डिंग), 35, डॉ. अबनी दत्ता रोड (हावड़ा एसी मार्केट के पास) M +91 89810 89027 वरदान मार्केट : 106, वरदान मार्केट, पहली मंजिल, 25A, कैमक स्ट्रीट, कोलकाता 700 016 M +91 89810 89003 बागनान : ग्लोरियस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सीटीसी बस स्टैंड के पास, शॉप नंबर 4, पहली मंजिल, बागनान, हावड़ा 711 303 M +91 89810 89024 दुर्गापुर : शॉप नंबर 205, ड्रीमप्लेक्स मॉल, पहली मंजिल, सिटी सेंटर, दुर्गापुर 713 216 M +91 89810 89017 श्रीरामपुर : अग्निशा - II, ग्राउंड फ्लोर, 30, के एम शाह स्ट्रीट, श्रीरामपुर, हुगली 712 201 M +91 89810 89014

हीरे के आभूषण, सॉलिटेयर, हॉलमार्क वाले सोने के आभूषण, पोल्की, कुंदन जड़ाऊ और सार्टिफाइड रत्न, बाय-बैंक सुविधा के साथ www.indiangem.com

अधिकृत रिटेलर : प्लैटिनम, एमएमटीसी गोल्ड और सिल्वर बार्स

आसानी से सीखा और बढ़ी साक्षरता

भले ही जनाधार खोते राजनेता नई शिक्षा नीति के तीन भाषा फॉर्मूले का विरोध अपनी राजनीति चमकाने के लिये कर रहे हों, लेकिन इस दिशा में किए गए नये प्रयोग आशा की नई किरण भी जगा रहे हैं। यह निर्विवाद सत्य है कि बच्चा अपनी मातृभाषा में जितनी आसानी और सहजता से सीख सकता है, उतना किसी थोपी गई भाषा में नहीं। तमाम शिक्षाविद् और भाषाविज्ञानी मानते रहे हैं कि दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले शब्दों व परिवेशगत ज्ञान विद्यार्थियों को जल्दी सीखने में मददगार हो सकता है। देश में 121 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। वहीं मातृभाषाओं की संख्या सोलह से अधिक है। इतनी अधिक भाषायी विविधता वाले देश में, जब बच्चे अपने आसपास जो देखते और महसूस करते हैं, वो उनकी स्मृतियों में स्थायी बस जाते हैं। जब ये बातें उनके शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनती हैं, तो वे इसका आसानी से अंगीकार कर लेते हैं। कई शिक्षा आयोगों ने भी इसी बात की वकालत की है। इसी सोच के चलते देश के विभिन्न भागों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर कई प्रयोग हो रहे हैं। इस रचनात्मक पहल के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। जिसके निष्कर्ष बताते हैं कि मातृभाषा में पढ़ाई करने से बच्चों की सीखने की गति तेज हुई है। इससे साक्षरता की दर में सकारात्मक बदलाव आया है। इतना ही नहीं इससे जहां छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ा है, वहीं उनकी कक्षा में सहभागिता भी बढ़ी है। सही मायनों में नई शिक्षा नीति में तीन भाषा फॉर्मूले का मकसद भी यही रहा है। विगत के अनुभव बताते हैं कि जब छात्र-छात्राओं को उनकी मातृभाषा से इतर अन्य भाषा में पढ़ाया जाता रहा है तो इसका असर उनकी सीखने की प्रक्रिया पर पड़ता है। ऐसे में दूर-दराज के गांव-देहात या आदिवासी इलाकों से आने वाले विद्यार्थी अन्य शहरी बच्चों का मुकाबले करने में असफल हो जाते हैं। जिससे उनके स्कूल छोड़ने के प्रतिशत में भी वृद्धि होती है।

मौजूदा स्थितियों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर किए जा रहे नये प्रयोग नई उम्मीद जगा रहे हैं। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन ने छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान और ओडिशा के 13 जिलों में बच्चों को उनकी राज्यभाषा और अंग्रेजी के साथ-साथ मातृभाषा में पढ़ाने के लिये राज्य सरकारों के साथ मिलकर बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया। इससे न केवल चयनित जिलों में बच्चों की साक्षरता दर में सुधार हुआ, बल्कि उनमें अन्य भाषा को सीखने की अभिरुचि भी बढ़ी है। एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में प्रारंभिक कक्षाओं में स्थानीय भाषा, सांस्कृतिक परंपराओं व परंपरागता ज्ञान को शामिल करने के लिये स्थानीय समुदायों की मदद भी ली गई। जिसमें स्थानीय परिवेश में उपजी लोककथाओं, स्थानीय संस्कृति आधारित कहानियां तथा कई पीढ़ियों से हासिल पारंपरिक ज्ञान को भी शामिल किया गया। बच्चों की पढ़ाई में रुचि बनी रहे, इसके लिये रचनाधर्मिता का सहारा भी लिया गया। जिसमें मौखिक शिक्षा प्रणाली का भी उपयोग किया गया। ऐसी शिक्षण सामग्री तैयार की गई जिससे बच्चे आसानी व रुचि के साथ आसानी से सीख सकें। मसलन कविता पोस्टर, कहानी के पात्रों के चित्र, वार्तालाप दर्शाने वाले चार्ट, शब्द कार्ड, वर्ण मात्रा कार्ड तथा चित्रों के जरिये कहानी बताने वाली किताबें इसमें शामिल की गईं। जिसने छात्रों में शिक्षा के प्रति रुचि जगायी और वे आसानी से सीखने लगे। उदाहरण के लिये छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में जहां पचास फीसदी बच्चे हल्बी बोलते थे, वहां हिंदी में पढ़ाई करने से शिक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ रहे थे। इस क्षेत्र में प्रारंभिक कक्षाओं में हल्बी को हिंदी के साथ जोड़कर पढ़ाया गया। इस शैक्षिक कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के बाद सर्वे में यह सामने आया कि बस्तर में औसतन साक्षरता की दर में इकतीस फीसदी की, संख्या ज्ञान में पच्चीस फीसदी और वर्ण-अक्षर पहचान में छब्बीस फीसदी का सुधार हुआ। इसके अलावा मौखिक पाठन में चौदह फीसदी का सुधार आया। निश्चित रूप से इस अभिनव पहल ने देश को संदेश दिया कि मातृभाषा में शिक्षण से साक्षरता व शिक्षा की गुणवत्ता में आशातीत बदलाव लाया जा सकता है।

नीति आयोग की मानव पूँजी से संबंधित क्रांति

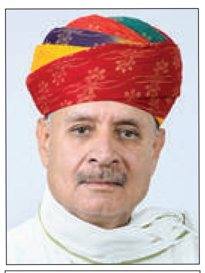

राव इंद्रजीत सिंह

भारत जैसे विशाल और वैविध्यपूर्ण देश में प्रगति का वास्तविक पैमाना केवल जीडीपी के आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे की उपलब्धियों में नहीं, बल्कि इस बात में निहित है कि वह देश अपनी जनता का कितने बेहतर ढंग से पोषण करता है। मानव पूँजी-हमारी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और उत्पादकता-केवल एक आर्थिक संपत्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक अनिवार्यता भी है। पिछले दस वर्षों में, भारत के प्रमुख नीतिगत थिंक टैंक-नीति आयोग के नेतृत्व में एक शांत लेकिन प्रभावशाली क्रांति ने आकार लिया है, जिसने देश द्वारा अपने सबसे महत्वपूर्ण संसाधन, यानी अपने नागरिकों, में निवेश करने के तरीके को नए आकार में ढाला है।

एक ऐसे देश में जहाँ 65 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र वाले लोगों की है, तो वह जनसांख्यिकीय लाभांश बेहद दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करता है। लेकिन इस युवा आबादी का विशाल आकार अपने साथ एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी लेकर आता है। प्रमुख चुनौती इस युवा ऊर्जा को आर्थिक विकास और राष्ट्रीय विकास की शक्ति में रूपांतरित करना है। यहीं पर नीति आयोग एक दूरदर्शी उत्प्रेरक के रूप में उभरा है - जो न केवल आज की प्रगति, बल्कि भविष्य की समृद्धि का भी रोडमैप तैयार कर रहा है।

पिछले एक दशक में, नीति आयोग एक थिंक टैंक से एक सुधारवादी साधन और कार्यान्वयन भागीदार के रूप में विकसित हुआ है, जो आँकड़ों, सहयोग और मानव-केंद्रित डिज़ाइन द्वारा समर्थित साहसिक विचारों के लिए जाना जाता है। इसने नीति-निर्माण को एक शीर्ष-स्तरीय प्रक्रिया से राज्यों, निजी क्षेत्र, वैश्विक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के साथ सह-निर्माण की गतिशील प्रक्रिया में बदल दिया है। इसकी ताकत केवल योजना बनाने में ही नहीं, बल्कि संज्ञान लेने और उन अवधारणाओं को अमली जामा पहनाने में भी निहित है।

इसके मार्गदर्शन में मानव पूँजी की आधारशिला-शिक्षा की पूर्णतया नए सिरे से परिकल्पना की गई है। नीति आयोग ने इस बात को स्वीकार करते हुए कि केवल पहुँच ही पर्याप्त नहीं होती, गुणवत्ता और न्यायसंगतता पर ज़ोर दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जहाँ नीति आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही, ने -रटंत शिक्षा से आलोचनात्मक चिंतन, लचीलेपन और व्यावसायिक एकीकरण का रुख करते हुए एक नए युग का सूत्रपात किया। इसने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण और विषयों के बीच निर्बाध परिवर्तन पर ज़ोर दिया। इसने देश भर में मौजूद 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स में नवाचार को समाहित करते हुए अटल नवाचार मिशन जैसी पहलों के माध्यम से जवाबदेही और कल्पनाशीलता दोनों को सुनिश्चित किया।

भारत के युवाओं को 21वीं सदी के लिए कुशल बनाना इसके मिशन का एक और आधार रहा है। कौशल भारत मिशन को समर्थन देने से लेकर आकांक्षी जिला कार्यक्रम के माध्यम से वंचित जिलों के महत्वपूर्ण भाग तक व्यावसायिक कार्यक्रमों की पहुँच सुनिश्चित करने तक, नीति आयोग ने कक्षा और करियर के बीच की खाई को पाटने में मदद की है। कौशल भारत मिशन के तहत, 1.5 करोड़ से ज़्यादा युवाओं को तकनीक, उद्योग संबंधों और माँग-आधारित पाठ्यक्रमों के सम्मिश्रण वाली पहलों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। इसने महज प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ही प्रशिक्षण नहीं दिया-अपितु इसने क्षेत्रीय ज़रूरतों का आकलन किया और भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों ही तरह के युवाओं के लिए वास्तविक आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोलने वाले कार्यक्रम तैयार किए।

इसके साथ ही साथ, इसने गतिशील, समावेशी श्रम बाज़ार का समर्थन किया। इसने 44 केंद्रीय श्रम कानूनों को-मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक संबंध और व्यावसायिक सुरक्षा से संबंधित चार सरलीकृत संहिताओं में युक्तिसंगत बनाने में सहायता प्रदान की। इन सुधारों ने नियोक्ता के लचीलेपन को श्रमिक सुरक्षा के साथ संतुलित किया, जिससे विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को लाभ हुआ, जो भारत के कार्यबल का बहुसंख्यक हिस्सा हैं। अनुपालन को सरल बनाकर और औपचारिकता को प्रोत्साहित करके कार्यस्थल केवल अधिक उत्पादक ही नहीं, बल्कि अधिक मानवीय भी बना।

अक्सर लागत के रूप में देखी जाने वाली स्वास्थ्य सेवा को निवेश के रूप में नए सिरे से परिभाषित किया गया। नीति आयोग ने प्रतिक्रियात्मक उपचार से अग्रसक्रिय स्वास्थ्य का रुख किए जाने को मूर्त रूप प्रदान करने में मदद की। नीति आयोग द्वारा समर्थित और निरीक्षित प्रमुख आयुष्मान भारत योजना ने 50 करोड़ से अधिक भारतीयों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया, जबकि 1.5 लाख से अधिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों ने प्राथमिक देखभाल को जमीनी स्तर तक पहुँचाया। कार्यक्रमों ने पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और गैर-संचारी रोगों को लक्षित किया-जिनका उद्देश्य केवल बीमारों का उपचार करना ही नहीं, बल्कि लोगों को स्वस्थ रखना भी था। कोविड-19 महामारी ने भारत की स्वास्थ्य प्रणाली की मजबूती की अभूतपूर्व परीक्षा ली। नीति आयोग ने संकट की इस घड़ी का बड़ी दृढ़ता और विश्वास से सामना करते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय और आईसीएमआर के साथ मिलकर संक्रमण के पैटर्न का मॉडल तैयार किया, न्यायसंगत चिकित्सा संसाधनों का आवंटन सुनिश्चित किया और टेलीमेडिसिन के लिए ई-संजीवनी जैसे प्लेटफॉर्म शुरू किए। महामारी के बाद के इसके विजन ने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन संवर्गों और आधुनिक डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे पर ज़ोर देते हुए केवल रिकवरी पर ही पहीं, बल्कि तत्परता पर भी ज़ोर दिया।

इन क्षेत्रों से परे, नीति आयोग उद्यमिता और नवाचार के लिए प्रकाश स्तंभ रहा है। स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसे कार्यक्रमों ने विचारों के फलने-फूलने के लिए उपजाऊ इकोसिस्टम तैयार किया है। महत्वपूर्ण चरणों में नीतिगत समर्थन, इनक्यूबेशन और मार्गदर्शन मिलने की वजह से फिनटेक, एडटेक, एग्रोटेक, हेल्थटेक और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में हजारों स्टार्ट-अप आज फल-फूल रहे हैं। ये व्यवसाय मात्र ही नहीं हैं; बल्कि ये रोजगार सृजनकर्ता और समस्या का समाधान करने वाले भी हैं, जो एक सुदृढ़ और आत्मनिर्भर भारत में योगदान दे रहे हैं।

लेकिन संभवत: इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि इसके द्वारा साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण की संस्कृति को संस्थागत रूप दिया जाना रही है। इसने विशाल आँकड़ों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रीयल-टाइम डैशबोर्ड और कठोर निगरानी ढाँचों का लाभ उठाकर नीतियों का अनुकूल, जवाबदेह और ज़मीनी हक़ीक़तों के अनुरूप बना रहना सुनिश्चित किया है। चाहे भारत का पहला एसडीजी सूचकांक जारी करना हो, कार्य निष्पादन के मानकों पर राज्यों को मार्गदर्शन देना हो, या नीति निर्माण के लिए व्यवहारिक अंतर्दृष्टि का उपयोग करना हो, नीति आयोग ने वैज्ञानिक चिंतन को शासन के केंद्र में ला दिया है। विभिन्न मंत्रालयों और क्षेत्रों में संयोजन और समन्वय स्थापित करने की इसकी क्षमता ने इसे एक परामर्शदायी निकाय से कहीं अधिक बना दिया है-यह विकास के अंत:करण का रक्षक बन गया है। इसने कार्य निष्पादन -आधारित रैंकिंग के माध्यम से राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित किया, हाशिये पर पड़े लोगों की आवाज़ बुलंद करने के लिए सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर काम किया और सर्वोत्तम प्रथाओं को देश में लाने के लिए वैश्विक साझेदारों के साथ सहभागिता की। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत का बढ़ता कद और संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से मिली प्रशंसा इस प्रयास के प्रति दुनिया के सम्मान को दर्शाती है।

नीति आयोग ने केवल लक्ष्य हासिल करने से कहीं बढ़कर, टिकाऊ, समावेशी और भविष्य के अनुरूप प्रणालियाँ बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। सतत विकास लक्ष्यों के प्रति इसकी प्रतिबद्धता -स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन से लेकर हरित गतिशीलता तक, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से लेकर कार्यस्थलों में महिला-पुरुष समानता तक- हर पहल में स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है।

ज्ञान अर्थव्यवस्था के रूप में भारत का उदय अब कोई दूर का सपना नहीं रह गया है-यह जनता को राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति मानने वाली नीतियों के जरिए संचालित एक प्रगतिशील कार्य बन चुका है। नीति आयोग ने विकास के इर्द-गिर्द के विमर्श को ऊपर उठाते हुए हमें याद दिलाया है कि सच्ची प्रगति गगनचुम्बी इमारतों या सबसे बड़े कारखानों से नहीं, बल्कि जनता की ताकत, स्वास्थ्य और गरिमा से मापी जाती है। ऐसा करके, यह महज एक थिंक टैंक से कहीं बढ़कर बन गया है। यह युवा, महत्वाकांक्षी भारत-एक ऐसे भारत की धड़कन बन गया है जो सपने देखता है, हिम्मत करता है और कर्म करता है। और इस कहानी के केंद्र में वह शांत विश्वास है कि जब आप लोगों में निवेश करते हैं, तो आप केवल एक बेहतर अर्थव्यवस्था का ही नहीं, बल्कि एक बेहतर राष्ट्र का भी निर्माण करते हैं।

-लेखक सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); योजना और संस्कृति राज्य मंत्री हैं

केशव मौर्य के सहारे भाजपा का ओबीसी दांव, संगठन और सत्ता के संतुलन से 2027 की तैयारी

अजय कुमार

भारतीय जनता पार्टी में उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर पिछले कई महीनों से चल रहा मंथन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता नजर आ रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश में पार्टी को मिले अपेक्षाकृत कमजोर जनादेश के बाद संगठन के पुनर्गठन की जरूरत महसूस की जा रही है। राज्य में अब तक भूपेंद्र चौधरी के बाद किसी नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा नहीं हो सकी है, और इस विलंब को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में सवाल भी उठने लगे हैं। इस बीच उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की बढ़ती सक्रियता, दिल्ली में लगातार शीर्ष नेताओं से मुलाकातें और ओबीसी समीकरण को लेकर उनका नाम चर्चा के केंद्र में आ गया है।उत्तर प्रदेश में भाजपा का प्रदर्शन लोकसभा चुनाव में चिंताजनक रहा। जहां 2019 में भाजपा ने सहयोगियों सहित 64 सीटें जीती थीं, वहीं 2024 में यह संख्या घटकर 36 रह गई। इसमें भी भाजपा अकेले 33 सीटें जीत पाई, जबकि सपा-कांग्रेस गठबंधन ने 43 सीटों पर कब्जा जमाकर स्पष्ट संकेत दे दिया कि विपक्ष की सामाजिक रणनीति ने भाजपा के परंपरागत वोट बैंक में सेंध लगाई है। खासतौर पर ओबीसी और दलित समुदाय के मतदाताओं का झुकाव सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फार्मूले की ओर गया।

ऐसे में भाजपा के रणनीतिकारों को यह समझ में आ गया है कि यदि 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को जीत की हैट्रिक बनानी है, तो संगठन को फिर से सशक्त करना होगा। यही वजह है कि पार्टी अब ऐसा चेहरा तलाश रही है, जो न सिर्फ संगठनात्मक अनुभव रखता हो, बल्कि सामाजिक समीकरणों को साधने में भी सक्षम हो। इस समीकरण में सबसे उपयुक्त नाम एक बार फिर उभर कर आया है केशव प्रसाद मौर्य का।8 जुलाई को केशव प्रसाद मौर्य की दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकातों ने चर्चाओं को हवा दी। यह मुलाकातें केवल शिष्टाचार नहीं मानी जा रही हैं, बल्कि इन्हें संगठन के पुनर्गठन और आगामी चुनावी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। खुद केशव मौर्य ने इस बात की पुष्टि की है कि इन बैठकों में 2027 की जीत की रणनीति पर चर्चा हुई। यह वही केशव मौर्य हैं, जिनके नेतृत्व में 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 403 में से 312 सीटें जीतकर इतिहास रचा था। उस समय वे प्रदेश अध्यक्ष थे और उन्होंने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का काम किया था।

मौर्य की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वे भाजपा के मूल कार्यकर्ता रहे हैं, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद से होते हुए पार्टी की मुख्यधारा में आए। उनका व्यक्तित्व एक साधारण कार्यकर्ता से लेकर उपमुख्यमंत्री तक का सफर तय करने वाले नेता का है, जो पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। यही वजह है कि संगठन को फिर से सक्रिय और ऊर्जावान बनाने के लिए उनके नाम पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।केशव मौर्य का नाम भाजपा के लिए इस समय और भी ज्यादा प्रासंगिक हो जाता है, क्योंकि पार्टी को एक बार फिर ओबीसी समुदाय को अपने साथ मजबूती से जोड़ना है। भाजपा को अच्छी तरह से यह एहसास हो चुका है कि विपक्ष, खासकर सपा, ओबीसी वोट बैंक को खींचने की पूरी कोशिश में है। अखिलेश यादव ने पीडीए फार्मूले को जिस तरीके से पेश किया है, उसमें ओबीसी और दलित वर्ग को प्रमुखता दी गई है। ऐसे में भाजपा को जवाब उसी अंदाज में देना होगा। और यह काम केशव मौर्य जैसे कद्दावर ओबीसी नेता ही कर सकते हैं, जिनकी सामाजिक स्वीकार्यता व्यापक है।

हालांकि, प्रदेश अध्यक्ष पद पर फैसला केवल सामाजिक समीकरणों के आधार पर नहीं लिया जाएगा। इसके पीछे संगठन और सत्ता के बीच संतुलन की भी बड़ी भूमिका है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि योगी आदित्यनाथ को 2027 में मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में दोबारा प्रोजेक्ट किया जाना तय है। लेकिन समय-समय पर पार्टी के अंदर से ऐसी आवाजें उठती रही हैं कि केशव मौर्य को भी सीएम पद का दावेदार घोषित किया जाना चाहिए। ऐसे में पार्टी के लिए यह जरूरी हो जाता है कि मौर्य को संगठन में लाकर उन्हें सत्ता की दौड़ से बाहर रखा जाए, ताकि योगी आदित्यनाथ का रास्ता साफ रहे।इस पूरी रणनीति के पीछे केंद्रीय नेतृत्व की सोच यह है कि पार्टी को एक ऐसा चेहरा चाहिए, जो न सिर्फ सामाजिक समीकरणों को साधे बल्कि संगठन को भी धार दे। और इस पैमाने पर केशव मौर्य खरे उतरते हैं। यही कारण है कि अमित शाह ने हाल ही में एक कार्यक्रम में मौर्य को 'प्रिय मित्र' कहकर संबोधित किया, जबकि योगी आदित्यनाथ को 'लोकप्रिय मुख्यमंत्री' बताया। यह संकेत है कि पार्टी नेतृत्व दोनों नेताओं को संतुलित रूप से आगे बढ़ाना चाहता है।

इस बीच भाजपा के भीतर और भी कई नामों पर विचार किया जा रहा है। ओबीसी वर्ग से स्वतंत्रदेव सिंह, अमर पाल मौर्य, धर्मपाल सिंह लोधी, बीएल मौर्य और बाबूराम निषाद के नाम चर्चा में हैं। वहीं दलित समुदाय से बेबी रानी मौर्य का नाम भी सामने आया है। ब्राह्मण चेहरे के तौर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, लक्ष्मीकांत वाजपेयी और केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के नामों पर विचार हो रहा है। यदि पार्टी पश्चिमी उत्तर प्रदेश को साधना चाहती है, तो जितिन प्रसाद और महेश शर्मा जैसे नेता विकल्प हो सकते हैं।

हालांकि भाजपा की रणनीति यह भी रही है कि पार्टी आमतौर पर उन नेताओं को अहम पद देती है, जिनका नाम सार्वजनिक रूप से ज्यादा चर्चा में नहीं होता। हाल ही में राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली में मुख्यमंत्री पद की नियुक्तियों ने यही साबित किया है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि मौर्य का नाम ही फाइनल है, लेकिन यह जरूर है कि वे इस रेस में सबसे आगे हैं।प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. दिनेश शर्मा ने स्पष्ट किया है कि पार्टी की एक तय प्रक्रिया होती है। पहले सभी प्रदेश इकाइयों के चुनाव कराए जाते हैं, फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होता है और उसके बाद प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति होती है। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि अब प्रदेशों में लगभग चुनाव हो चुके हैं, इसलिए राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति किसी भी समय हो सकती है।

उत्तर प्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर देरी के पीछे चार प्रमुख कारण माने जा रहे हैं पहला, नया अध्यक्ष किस जाति या वर्ग से होगा; दूसरा, क्या वह पूर्वांचल से होगा या पश्चिम यूपी से; तीसरा, क्या वह विपक्ष के पीडीए समीकरण को तोड़ पाएगा; और चौथा, क्या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उस नाम से सहज होंगे। सूत्रों की मानें तो पार्टी इन चारों सवालों पर गहन मंथन कर रही है और जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।अभी तक पार्टी की रणनीति यही रही है कि 2026 के पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए संगठन को पहले से तैयार किया जाए। इसीलिए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर पार्टी जल्दबाजी नहीं दिखा रही है। लेकिन यह भी सच है कि संगठनात्मक स्तर पर खालीपन लंबे समय तक नहीं चल सकता। कार्यकर्ताओं को दिशा देने के लिए प्रदेश अध्यक्ष की भूमिका बेहद अहम होती है। और यही वजह है कि अब पार्टी पर दबाव बढ़ता जा रहा है कि वह जल्द से जल्द इस नियुक्ति को अंतिम रूप दे।

अगर केशव मौर्य को दोबारा प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाता है, तो भाजपा एक साथ कई निशाने साध सकेगी एक, संगठन को अनुभव और जनाधार से लैस नेतृत्व मिलेगा; दो, ओबीसी समाज को संदेश जाएगा कि पार्टी उनके भरोसे पर कायम है; और तीन, सत्ता और संगठन के बीच संतुलन बना रहेगा, जिससे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व को चुनौती नहीं मिलेगी। अब सबकी निगाहें दिल्ली पर हैं, जहां से भाजपा के बड़े फैसले होते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा एक बार फिर केशव मौर्य पर भरोसा जताएगी या किसी नए चेहरे को सामने लाकर चौंकाएगी। लेकिन इतना तय है कि प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति भाजपा की 2027 की रणनीति का पहला बड़ा संकेत होगी। और संभव है कि यह संकेत संगठन में नई ऊर्जा और विपक्ष को सीधी चुनौती देने की दिशा में पहला कदम हो।

आज का पंचांग

कोलकाता : 16 जुलाई, बुधवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, श्रावण कृष्णपक्ष षष्ठी, 20:59 तक, नक्षत्र : पूर्वभाद्रपदा, 05:37 तक, योग : शोभना, 11:53 तक, सूर्योदय: 5:01, सूर्यास्त: 18:24, चन्द्रोदय : 22:14, चन्द्रास्त: 09:58, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : मिथुन, चन्द्र राशि : मीन, राहू काल : 11:42 से 13:21

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप अपने बजट पर ध्यान देकर खर्च करें, क्योंकि आप शौक और मौज की चीजों में अच्छा खासा धन खर्च कर सकते हैं।

वृष : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। विद्यार्थी अपने ज्ञान में वृद्धि करने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे। आपको अपने अनुभवों से फायदा मिल सकता है।

मिथुन : आज का दिन आपको अपने कामों को थोड़ा संभलकर चलने की आवश्यकता है। आप अपनी मेहनत से बिल्कुल जी ना चुराए और आपको अपने आलस्य को दूर भगाने की आवश्यकता है।

कर्क : आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी इनकम बढ़ने से खुशी होगी। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा।

सिंह : आज का दिन आपके लिए खर्चों से भरा रहने वाला है। आपको बेवजह तनाव लेने से बचना होगा। आप किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचें। तरक्की की राह में आगे बढ़ने के लिए रहेगा।

कन्या : आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों में आगे बढ़ाने के लिए रहेगा। आप अपनी मेहनत से कामों को करेंगे। किसी से बेवजह सलाह लेने से आपको बचना होगा।

तुला : आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। सरकारी क्षेत्रों में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा। जमीन-जायदाद की खरीदारी कर सकते हैं।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए प्रभाव और प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अच्छे कामों से सम्मान मिलेगा।

धनु : आज का दिन आपके लिए टेंशनों से भरा रहने वाला है। विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। आप अपने काम से जी बिल्कुल ना चुराएं। आर्थिक स्थिति पर पूरा ध्यान देना होगा।

मकर : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा। अपने काम को लेकर सहयोगियों से बातचीत कर सकते हैं।

कुम्भ : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। दान और धर्म के कार्य में आपकी काफी रुचि रहेगी। आप अपने मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे।

मीन : आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। आप अपने व्यवहार से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने में कामयाब रहेंगे, जिससे आपके मित्रों की संख्या में भी इजाफा होगा।

वर्ग पहेली नं. 3154

1	■	2		3	4	■	5	6	
7	8		■	9					■
10			■	■		■	11		
	■	12		■		■	13		■
■	14		■	15		16	■	17	18
19		■	20		■	21	22	■	
	■	23		■	24			25	
26	27		■	28			■		■
29		■	30			■	31		

➲ *बायें से दायें:-* 2) अनुभव, 5) सफ़ेद होना *(बाल)*, 7) नगर, 9) बलिदानी, 10) शादी, 11) सामने, 12) आत्मविश्वास, 13) एक इंद्रिय, 14) एक फल, 15) बहुत सुंदर, 17) शताब्दि, 19) शागिर्द, 20) रुका हुआ, 21) दूर स्थित व्यक्ति के संकेत का शब्द, 23) जहाज़ों का समूह; मुश्किल *(काम)*, 24) बेकार, 26) अधिवक्ता, 28) सिर्फ़, 29) जल, 30) स्वतंत्र, 31) विपरीत रूप देना *(मित्र को शत्रु)*.

➲ *ऊपर से नीचे:-* 1) सलाह, 2) सजीला, 3) जलीय अंश; स्वाद, 4) सब ऋतुओं में फलने-फूलनेवाला, 5) थाली में खाना लगाना, 6) सोच-विचार; ख़ीचातानी, 8) वायु, 14) समय, 15) मैं का बहुवचन, 16) पारशी नववर्षारंभ, 18) सेवा, 19) आगाही; ख़तरे की पूर्वसूचना, 20) शीतकाल, 22) मक्कायात्रा, 23) बिना तने का पौधा, 24) असीम, 25) दफनाना, 27) तोता, 28) सुख; लुत्फ़.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

अं	■	ब	ल्ल	म	■	स	भा	स	द
धी	र	ज	■	ज़े	व	रा	त	■	ग़
■	■	रं	जी	दा	■	ह	■	ब	ल
प	लं	ग	■	र	च	ना	त्म	क	■
■	बे	■	अ	■	र	■	■	ब	न्रा
ब	द	हा	ल	■	प	री	क्ष	क	■
ह	र	■	म	दि	रा	■	म	■	पि
क्र	■	वा	स्त	व	■	य	ता	या	त
वा	लि	द	■	स	फ़े	द	■	क	र

सुडोकू-पहेली-3111

	3				6	9		4
4								
8		9					1	
			3				7	
	8	5	2					
	2				1			
6			7				4	
7			6			5		1
		1		3				6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3110 का उत्तर

9	3	5	6	8	4	7	1	2
2	4	1	7	5	3	8	9	6
7	6	8	1	2	9	4	5	3
3	7	6	8	9	1	2	4	5
5	9	2	3	4	7	6	8	1
1	8	4	5	6	2	9	3	7
4	1	9	2	7	5	3	6	8
8	5	7	4	3	6	1	2	9
6	2	3	9	1	8	5	7	4

कोलकाता में जलजमाव की समस्या पर मेयर फिरहाद हकीम ने दी सफाई, बोले...

'अब पानी तेजी से निकल रहा है'

कोलकाता : लगातार बारिश के बीच शहर की कई सड़कों पर जलजमाव को लेकर भले ही आल-ोचना हो रही हो, लेकिन कोलकाता के मेयर और राज्य के शहरी विकास मंत्री फिरहाद हकीम का दावा है कि अब शहर की जलनिकासी व्यवस्था पहले से कहीं बेहतर है। उन्होंने कहा, अब बारिश के दौरान पानी जमा नहीं होता और अत्यधिक वर्षा के बावजूद जल तेजी से निकल जाता है।

फाइल फोटो

फिरहाद हकीम ने इसका उदाहरण देते हुए कहा कि पहले बरसात के समय पातीपुकुर अंडरपास में कमर तक पानी भर जाता था, लेकिन इस बार ऐसी कोई स्थिति नहीं बनी। वहां से काफी मात्रा में गाद निकाली गई है। सिर्फ पातीपुकुर ही नहीं, पूरे कोलकाता में डिसिल्टिंग (गाद हटाने का कार्य) किया गया है। इसी वजह से अब प्रति घंटे 20 मिमी बारिश के बावजूद पानी तेजी से निकल रहा है।

हालांकि, बेहाला और ठाकुरपुकुर जैसी विस्तारित नगर क्षेत्रों की आधारभूत संरचना अब तक पूरी तरह विकसित नहीं हुई है, यह स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि इन इलाकों में भी कार्य शुरू हो चुका है और भविष्य में समस्या नहीं होगी।

बारिश के कारण सड़कों के खराब होने पर उन्होंने कहा, कोलकाता की सड़कों की हालत बहुत खराब नहीं है। अगर हमें तीन-चार दिनों का सूखा मौसम मिल जाए, तो हम सभी सड़कों की मरम्मत कर सकते हैं।

फिरहाद हकीम ने सफाई दी कि कोलकाता की सड़कों के नीचे गंगा का माटी (मिट्टी) है जो बरसात में कमजोर हो जाती है, जिससे सड़कें बैठ जाती हैं और गड्ढे बनते हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि सड़कों के नीचे कई यूटिलिटी लाइनों की वजह से हर जगह ठोस ढलाई संभव नहीं होती।

खिदिरपुर मेट्रो टनल बोरिंग को लेकर आशंका पर उन्होंने कहा कि यह हमारा मामला नहीं है। इसकी जिम्मेदारी मेट्रो प्राधिकरण की है और उनके इंजीनियरों को अधिक सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इस क्षेत्र में कई पुराने और विरासती भवन हैं।

बउबाजार में क्षतिग्रस्त मकानों पर उन्होंने कहा, मेट्रो प्रशासन ने पुनर्निर्माण का प्रस्ताव दिया है और हमने उसे मंजूरी दे दी है। साथ ही यह भी बताया कि पाटुली का फ्ल-ोटिंग मार्केट दुर्गा पूजा के बाद एक नए रूप में लौटेगा और इसका काम पहले ही शुरू हो गया है।

बकुलतला में घर में बम बनाने के दौरान हुआ विस्फोट, एक महिला झुलसी

कोलकाता, समाज्ञा

घर में कथित तौर पर बम बनाने के दौरान अचानक विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में एक महिला घायल हो गई। घायल महिला का नाम मंसूरा शेख है। जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार को दक्षिण 24 परगना के बकुलतला थाना अंतर्गत हरनहाटी इलाके में हुई। महिला को लहूलुहान अवस्था में पहले नीमपीठ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां उसकी हालत बिगड़ने पर उसे कोलकाता के एम.आर. बांगुर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। फिलहाल उसका वहीं इलाज चल रहा है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस दिन, इलाके के एक घर से अचानक विस्फोट हुआ। इसके बाद, इलाके के लोग घर की ओर दौड़े। जब वे वहां गए तो उन्होंने मंसूरा शेख को लहूलुहान अवस्था में पड़ा देखा। हालांकि, उसका पति कमाल शेख घर पर नहीं था। पुलिस को तुरंत सूचित किया गया। पुलिस ने घर पहुंचकर महिला को बचाया और उसे इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजने की व्यवस्था की। इस बीच, पुलिस ने उस घर को घेर लिया जहां विस्फोट हुआ था। जांचकर्ताओं का प्रारंभिक अनुमान है कि घर में बम बनाने का काम चल रहा था। सूत्रों के अनुसार, उस घर से बम बनाने का काफी सामान बरामद हुआ है। हालांकि, कोई बम नहीं मिला। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। विस्फोट के कारणों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. : टीआरएस/एचडब्ल्यूएच/10/ओटी/157, दिनांक 10.07.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरएस), बामनगाछी, पूर्व रेलवे, हावड़ा-711106 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदाकारों से ई-निविदा प्रपत्र के माध्यम से निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का विवरण:** इलेक्ट्रिक लोको शेड, हावड़ा में थ्री फेज डब्ल्यूएपी-5 और डब्ल्यूएपी-7 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के ऑक्जिलरी मोटरों की रिवाइंडिंग। **अनुमानित मूल्य:** रु. 32,11,842/-, **बोली प्रतिभूति:** रु. 64,200/- **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य। **समापन अवधि:** 24 माह। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 08.07.2025 को 16.45 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 25.07.2025, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 08.08.2025 को 15.00 बजे। ई-निविदा का विवरण बेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। इच्छुक/योग्य फर्मों से अनुरोध है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। किसी भी संशोधन को यहाँ दी गई वेबसाइट अर्थात **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा। HWH-192/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

खुली निविदा क्रमांक: **WCR-CRWS-SEAT-BERTH-25-14**

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नामः स्ट्रीपिंग, ट्रांसपोर्टेशन, रिपेयर एंड फिटमेंट ऑफ डिफरेंट टाईप ऑफ सीट/बर्थ्स/चेयर्स एंड पीवीसी ऑफ रेल्वे बीजी कोचेस एट सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल। कार्य की लागतः** ₹ 2,37,36,520.89. **निविदा फार्म का मूल्यः** 0.00. **धरोहर राशिः** ₹ 2,68,700/-. **कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 24 माह। **ऑनलाइन बिडिंग प्रारम्भ होने का दिनांक/ऑनलाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समयः** 21.07.2025/04.08.2025 को 15.00 बजे तक। **निविदा खुलने का दिनांक एवं समयः** 04.08.2025, 15.30 बजे। निविदा तथा निविदा प्रारुप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबन्धक, सडिपुका/भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सडिपुका, निशातपुरा, भोपाल.

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

बंगाल में जलेबी, समोसा खाने पर कोई रोक नहीं : ममता

कोलकाता, समाज्ञा : जलेबी, समोसा, वड़ा पाव जैसी स्वादिष्ट चीजें खाने से पहले अब सवाधान रहना पड़ेगा, क्योंकि अब इन पर चेतावनी जारी की जाएगी। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश भर के केंद्रीय संस्थानों को तेल और शक्कर बोर्ड लगाने का आदेश दिया है। जिससे स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दिया जा सके तथा मोटापे और गैर-संचारी रोगों से निपटा जा सके। इधर, केन्द्र सरकार के उपरोक्त सतर्कीकरण पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार तो नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि बंगाल सरकार केंद्र के फतवे का पालन नहीं करेगी। लोगों की खान-पान की आदतों में दखल नहीं दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया है। ऐसी कोई भी अधिसूचना राज्य में प्रभावी नहीं होगी। इस दिन, ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, अब से समोसा /जलेबी नहीं खाई जा सकेगी। राज्य सरकार की ओर से कोई अधिसूचना नहीं है। हम हर मामलों में दखल नहीं देते। हम इस अधिसूचना को बंगाल में लागू नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने आगे लिखा कि मुझे लगता है कि समोसा और जलेबी दूसरे राज्यों में भी लोकप्रिय हैं। उन राज्यों के लोग भी इन व्यंजनों को पसंद करते हैं। लोगों की खान-पान की आदतों में दखलंदाज़ी करना सही नहीं है।

विधानसभा चुनाव से पहले ग्रामीण विकास पर ममता सरकार का जोर

पंचायतों के कामकाज की हो रही कड़ी जांच

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनावों से पहले राज्य सरकार ने पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों का मूल्यांकन शुरू कर दिया है। जुलाई महीने से ही यह प्रक्रिया राज्य सचिवालय नवान्न के निर्देश पर सख्ती के साथ शुरू की गई है। इस बार, न सिर्फ नियमित मूल्यांकन होगा, बल्कि कुछ नए मानदंड भी जोड़े गए हैं, जिससे पंचायतों को और अधिक उत्तरदायी और सक्रिय बनाया जा सके। वित्तीय वर्ष 2024-25 में पंचायतों ने कितनी योजनाएं पूरी कीं, कितनी आमदनी हुई और वह आमदनी जनहित में कितनी खर्च की गई, इन बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि पंचायतों की कुल आमदनी का कम से कम 50 प्रतिशत जनकल्याण पर खर्च होना चाहिए और 2023-24

की तुलना में कम से कम 10 प्रतिशत आमदनी में वृद्धि होनी चाहिए। राज्य सरकार ने समय पर योजनाओं के क्रियान्वयन और आधारभूत संरचनाओं में तेजी लाने के लिए विभिन्न विभागों को निर्देश जारी किए हैं और एक नया पोर्टल भी तैयार किया गया है।

दक्षिण बंगाल के एक जिलाधिकारी ने बताया कि अक्सर पंचायतें राजस्व तो उत्पन्न कर लेती हैं, लेकिन योजनाबद्ध तरीके से उसे खर्च नहीं कर पातीं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार अब नए तरीके से मूल्यांकन कर रही है। पंचायत मंत्री प्रदीप मजूमदार ने कहा कि हर साल प्रशासनिक रूप से इस मूल्यांकन को 'इवैल्यूएशन' कहा जाता है, लेकिन इस बार यह प्रक्रिया और अधिक सुव्यवस्थित की जा रही है। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले राज्य बजट में पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के लिए सबसे अधिक राशि आवंटित की गई थी। राज्य सरकार का तर्क है कि 100 दिन के रोजगार और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कई ग्रामीण योजनाओं के लिए केंद्र सरकार ने फंड जारी नहीं किया है, जिसकी वजह से राज्य को अपने कोष से इन योजनाओं को जारी रखना पड़ रहा है। इस परिस्थिति में राज्य को ग्रामीण क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देना आवश्यक हो गया है।

Name Change

I, Raju Das, son of Dipak Das, residing at Akhanbazar, Chinsurah, Hooghly-712101, do hereby solemnly affirm and declare that in my renewed license, my name has been incorrectly printed as Raja Das, instead of Raju Das via affidavit before the Notary at Kolkata dated 14th July 2025

NOTICE INVITING e-TENDER

Ref NIeT No: 422/15th FC/2025-26 Date: 10.07.2025 (Sl. No. 01 to 20)

E-Tender are invited from bonafied resourceful contractors for development works. For Scheme details, other Terms and Conditions please visit **www.wbtenders.gov.in**

Documents Download Date: From **11.07.2025** to **23.07.2025** up to **15.00 PM.** Bid Submission Date: **11.07.2025** to **23.07.2025** up to **15.30 PM.** Date of Technical Bid Opening: **25.07.2025** at **16:00 PM.**

Sd/-,
Executive Officer
Chinsurah-Mogra Panchayet Samity

हिंदुस्तान मोटर्स का दावा, 'बंगाल सरकार ने बंद पड़े संयंत्र को अवैध रूप से कब्जे में लिया'

कोलकाता, समाज्ञा : हिंदुस्तान मोटर्स लिमिटेड ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने बिना किसी पूर्व सूचना के हुगली जिले में स्थित उसके संयंत्र को अवैध रूप से अपने कब्जे में ले लिया है, जबकि मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है। दूसरी ओर, इस आरोप का जवाब देते हुए, एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार ने 2022 में बीमारू कंपनी से उपयोग नहीं होने के कारण 395 एकड़ जमीन वापस ले ली थी। राज्य भूमि विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी को जमीन का इस्तेमाल करने के पर्याप्त अवसर दिए गए, लेकिन वह ऐसा करने में विफल रही। हिंदुस्तान मोटर्स का उत्तरपाड़ा संयंत्र भूमि

अधिकारों और दोबारा अधिग्रहण से जुड़े मुद्दों के चलते राज्य सरकार के साथ लंबे समय से कानूनी विवाद का विषय रहा है। इस संयंत्र में एक समय प्रतिष्ठित एम्बैसडर कारों का विनिर्माण होता था। हिंदुस्तान मोटर्स ने शेयर बाजार को बताया कि 11 जुलाई को भूमि विभाग के अधिकारियों, पुलिसकर्मियों और अन्य लोगों के साथ सरकारी अधिकारी कंपनी के परिसर में घुस आए और दस्तावेजो, मशीनरी, उपकरणों और लाइसेंसी हथियारों सहित उसकी संपत्ति को 'गलत तरीके से जब्त' कर लिया। कंपनी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में हमारी विशेष अनुमति याचिका लंबित होने के बावजूद, पश्चिम बंगाल सरकार के संबंधित विभाग द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए की गई कार्रवाई ने हमारे प्रयासों की प्रगति को काफी नुकसान पहुचाया है। हिंदुस्तान मोटर्स ने कहा कि उसने राज्य के भूमि एवं भूमि सुधार विभाग के विशेष सचिव को ईमेल भेजकर और प्रत्यक्ष रूप से मिलकर शिकायत की है और विरोध दर्ज कराया है।

नवान्न में मुख्यमंत्री कार्यालय के पास संदिग्ध सिविक वालंटियर गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा

सुरक्षा गार्डों की कड़ी निगरानी के बावजूद एक सिविक वॉलंटियर सबकी नजरों से बचकर नवान्न की 14वीं मंजिल पर पहुंच गया। बता दें कि 14वीं मंजिल पर मुख्यमंत्री का कार्यालय है। सवाल उठ रहे हैं कि युवक सबकी नजरों से बचकर 14वीं मंजिल पर कैसे पहुंच गया? सिविक वालंटियर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार की दोपहर एक युवक 14वीं मंजिल पर संदिग्ध रूप से घूमता हुआ देखा गया था।

पूछताछ में पता चला कि वह सिविक वॉलंटियर है। वह पूर्व मेदिनीपुर के तमलूक का निवासी है। सूत्रों के मुताबिक, युवक नॉर्थ गेट से नवान्न में दाखिल हुआ। पता चला है कि सिविक वॉलंटियर अक्सर पानी लेने के लिए नॉर्थ गेट से दाखिल होते हैं। सुरक्षा गार्डों को लगा कि युवक भी उसी तरह पानी लेने के लिए दाखिल हो रहा है। नवान्न में दाखिल होने के बाद वह लिफ्ट लेकर 13वीं मंजिल पर पहुंचा। फिर, वह सीढ़ियों से 14वीं मंजिल पर गया। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा कर्मियों ने उसे 14वीं मंजिल पर स्थित मुख्यमंत्री आवास के सामने घूमते देख उससे पूछताछ की। युवक ने बताया कि वह मुख्यमंत्री से बात करना चाहता है। उसने सिविक वॉलंटियर की वर्दी पहन रखी थी। उसकी बात बेतुकी लगने पर पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। वह 14वीं मंजिल पर कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है। इस घटना में मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 14.07.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **निविदा सं.: टीएन-82-25-26, कार्य का नाम:** पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल के लिए बीओबीवाईएन टाइप वैगनों एफ.ओ.आर. तिलभीटा/पाकुड़ क्वैरी में 75000 घनमीटर मशीन खंडित हार्ड स्टोन ट्रैक बैलस्ट की आपूर्ति, लीडिंग एवं लोडिंग। **निविदा मूल्य :** रु.13,91,74,500/- **बयाना राशि:** रु. 8,45,900/-, **कार्य की समापन अवधि:** 10 (दस) माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 12.08.2025 को 15.00 बजे। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 12.08.2025 को 15.30 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www. ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। भारतीय रेलवे मानक अनुबंध 2022 की सामान्य शर्तों के अनुसार, ई-निविदा प्रपत्र की लागत शून्य है। SDAH-121/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/25/44, दिनांक: 14.07.2025, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, 17, नेताजी सुभाष रोड, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001, पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित सामानों की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **(क) क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण; बयाना राशि : (1); 16251139;** 40X6 मिमी एमएस फ्लैट के साथ ट्रांसवर्स बॉण्ड (4 मी. लंबा); रु.113340, **निविदा खुलने की तिथि:** 28.07.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(2); 06251653ए;** क्यूआर कोड थर्मल पेपर टिकट रोल के साथ एटीवीएम का क्रय आदि; रु. 430930, **निविदा खुलने की तिथि:** 29.07.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(3); 05251176;** आईएसः 308/2024, चतुर्थ संशोधन के तहत गैस एसिटिलीन डिजॉल्व्ड का क्रय; रु. 2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 30.07.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(4); 21251522;** बीओएक्सएन एचएल/बीसीएनएचएल के लिए ड्राफ्ट गियर आदि; रु.1180000, **निविदा खुलने की तिथि:** 01.08.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(5); 15245028डी;** रोटरी स्क्रू विद्युत चालित एयर-कम्प्रेसर की आपूर्ति, स्थापना एवं आरंभ करना, क्षमता-300 सीएफएम; रु. 126020, **(6); 21251122;** बोल्स्टर स्प्रिंग इनर आदि; रु. 124660, **(7); 21251597;** बीओएक्सएनएचएल वैगनों आदि के लिए अनकपलिंग गियर अरेंजमेंट हेतु कपलर रॉड का क्रय; रु.108720, **निविदा खुलने की तिथि:** 04.08.2025, **समय:** 13.30 बजे (क्रम सं. 5, 6 एवं 7 हेतु), **(8); 21251251;** बीओएक्सएन वैगन के लिए टॉप साइड बेयरर लाइनर आदि; रु. 416690, **(9); 21251393;** नॉन एस्बेस्टस एल टाइप कम्पोजिट ब्रेक ब्लॉक का क्रय; रु. 981700, **निविदा खुलने की तिथि:** 05.08.2025, **समय:** 13.30 बजे (क्रम सं. 8 एवं 9 हेतु), **(10); 06251652ए;** यूटीएस थर्मल पेपर टिकट रोल का क्रय; रु. 2000000, **(11);15235056ई;** कॉइल स्प्रिंग स्क्रैगिंग एवं लोड डिफ्लेक्शन का क्रय, रु. 231520, **निविदा खुलने की तिथि:** 06.08.2025, **समय:** 13.30 बजे (क्रम सं. 10 एवं 11 हेतु), **(12); 14255138;** आरडीएसओ स्पेसि. सं. आरडीएसओ/एसपीएन/177/2012 वर. 3 के अनुसार ड्यूएल सेंसर सिस्टम के साथ हाई अवेलबिलिटी सिंगल सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (एचएएसएसडीएसी) आदि की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और आरंभ करना; रु. 276240, **(13); 21251029;** बगैर हाउसिंग के एनएलबी बोगियों के लिए कॉन्स्टैंट कॉन्टैक्ट पॉलियूरिथेन साइड बेयरर पैड "डिजाइन-बी" आदि; रु.1635700, **(14); 21251370;** कैसनब 22 एचएस बोगी आदि के लिए कास्ट स्टील बोल्स्टर; रु.1556530, **(15); 21251378ए;** आरडीएसओ के ड्रॉ. नं. एसके-62724 के अनुसार योक आदि; रु.2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 07.08.2025, **समय:** 13.30 बजे (क्रम सं. 12, 13, 14 एवं 15 हेतु), **(16); 14251031;** आईआरएसः एस-88-2004 के समरूप (नवीनतम तिथि तक संशोधन, यदि कोई है, के साथ) ट्रांसपैरेंट (पॉलिप्रॉपिलीन)/हार्ड रबर कन्टेनर में लेड एसिड सेल, लो मेन्टेनेंस, 2 वोल्ट का क्रय। सेल रबर बॉक्सों (या स्पेसिफिकेशन के अनुसार), ट्यूबुलर पॉजिटिव प्लेटों, पेस्टेड नेगेटिव प्लेटों, एसिड लेवल इंडिकेटिंग फ्लोट इंटर-सेल कनेक्टर के साथ बोल्ट और नट से परिपूर्ण होनी चाहिए। सेल शुष्क एवं बैगर चार्ज के होनी चाहिए। प्रत्येक सेल की क्षमता 27 डिग्री सेंटीग्रेड पर 1.85 वी प्रति सेल डिस्चार्ज करने के लिए 10 घंटे की दर पर 200/एएच होगी। बगैर टूल किट के, आदि; रु.385060, **निविदा खुलने की तिथि:** 08.08.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(17); 20251063;** ईएमयू कोचों के शाकू कपलर के लिए सेमी-परमानेंट कपलर एंड "बी" का क्रय आदि; रु. 230290, **(18); 21251027;** कैसनब 22 एच.एस. बोगी डिजाइन 'ए' आदि के लिए कॉन्स्टैंट कॉन्टैक्ट पॉलियूरिथेन (पीयू) साइड बेयरर पैड असेंबली; रु. 1241100, **(19); 21251146;** कैसनब बोगी के लिए स्प्रिंग प्लैंक आदि; रु. 238770, **(20); 21251390;** योक पिन सपोर्ट आदि; रु. 516460, **निविदा खुलने की तिथि:** 11.08.2025, **समय:** 13.30 बजे (क्रम सं. 17, 18, 19 एवं 20 हेतु), **(21); 05251099;** जर्नल बेयरिंग असेंबली आदि का क्रय; रु. 1165390, **(22); 11251124;** फिएट बोगी आदि के बोगी बोल्स्टर का क्रय; रु.429850, **(23); 11251385;** फिएट एसआईजी शिनफारजियूज आदि में सेंटरिंग डिस्क का क्रय; रु. 341730, **(24); 12251001;** आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी-4967 के तहत बीजी. 60 केजी 1 इन 8.5 के लिए सीएमएस क्रॉसिंग; रु. 1639040, **निविदा खुलने की तिथि:** 18.08.2025, **समय:** 13.30 बजे (क्रम सं. 21, 22, 23 एवं 24 हेतु), **(25); 10252427;** बगैर रोलर बेयरिंग के संपूर्ण एक्सल बॉक्स का सेट; रु.144810, **निविदा खुलने की तिथि:** 21.08.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(26); 11251130;** फ्रेश वाटर टैंक 450 लीटर आदि का क्रय; रु.235980, **(27); 11252633;** टॉप फ्लेंज; रु. 356080, **निविदा खुलने की तिथि:** 25.08.2025, **समय:** 13.30 बजे (क्रम सं. 26 एवं 27 हेतु), **(28); 08251615;** 6वी, 120 एएच कैपासिटी वीआरएलए बैटरी, सेट में; रु. 2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 26.08.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(29); 21251381ए;** कपलर बॉडी एवं शैंक वेयर प्लेट आदि; रु. 2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 01.09.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(30); 08251687;** 1100 एएच कैपासिटी वीआरएलए सेल, सेट में; रु.2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 02.09.2025, **समय:** 13.30 बजे। **निविदा मूल्य:** रु. 0 [क्रम सं. 1 से 30 के लिए]। **(ख) क्रम सं.; निविदा सं.; संक्षिप्त विवरण; अनुमानित निविदा मूल्य: (1); 12254005;** आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी-6902 के तहत इम्प्रूव्ड स्विच एक्सपैंशन जॉइंट के लिए आरजीसी; रु. 105706524, **निविदा की अंतिम तिथि:** 11.08.2025

(ग)-शुद्धिपत्र: क्रम सं.; निविदा सं.; संक्षिप्त विवरण; अनुमानित निविदा मूल्य: (1); 12254004; आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी-8746 के तहत आरजीसी वाइडर पीएससी स्लीपर; रु. 1754117237.30, **निविदा की अंतिम तिथि:** 09.07.2025 को स्थगित करते हुए 21.07.2025 किया जाता है।

(घ) क्रम सं.; निविदा सं.; संक्षिप्त विवरण; अनुमानित निविदा मूल्य: (1); 52256237; 25 केवीए थ्री फेज नैचुरल कूल्ड अंडरस्लंग इंवर्टर; रु. 15620250, **निविदा की अंतिम तिथि:** 08.08.2025 **(2); 52255549ए;** एयर स्प्रिंग असेंबली का एक कोच सेट (04 अदद से संलग्न); रु.5640400, **निविदा की अंतिम तिथि:** 08.08.2025

(ङ)-शुद्धिपत्र: क्रम सं.; निविदा सं.; संक्षिप्त विवरण; अनुमानित निविदा मूल्य: (1); 52255940; एलएफपी (लिथियम आयरन फास्फेट) बैटरी सेट की आपूर्ति, 125 एएच, 112वी; रु. 14303960, **निविदा की संशोधित अंतिम तिथि:** 21.07.2025

टिप्पणी: उपर्युक्त सभी निविदाएँ ई-निविदाएँ हैं एवं सभी निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि आईआरईपीएस की वेबसाइट **https:// www.ireps.gov.in** के माध्यम से अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। ऊपर उल्लिखित निविदाओं एवं अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में विस्तृत विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें। STORES-21/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

करया सामूहिक दुष्कर्म मामले में तीन आरोपी बरी

❑ **पुलिस जांच में लापरवाही का आरोप, घटना में इस्तेमाल कार नहीं कर सकी बरामद**

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर में 10 साल पहले हुए करया सामूहिक दुष्कर्म मामले में अदालत ने तीन आरोपियों को बरी कर दिया। सरकारी वकील ने कहा कि यह फैसला पुलिस की जांच में ला-परवाही के कारण आया है। उन्होंने खास तौर पर उस कार को बरामद न कर पाने का जिक्र किया जिसमें दुष्कर्म का आरोप लगाया गया था। उल्लेखनीय है कि 2014 में, करया थाना अंतर्गत बुंदेल गेट पर एक किशोरी ब्रेड खरीदने गई थी। कथित तौर पर, उसी दौरान तीन युवक उसे जबरन एक कार में ले गए। किशोरी ने दावा किया कि बंदूक की नोक पर कार के अंदर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। घटना के बाद पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ़्तार भी किया। आरोपी स्थानीय निवासी था। हालांकि उसे जमानत मिल गई थी, लेकिन आरोप है कि जमानत पर रिहा होने के बाद उसने पीड़िता की एक रिश्तेदार के साथ फिर से दुष्कर्म किया। उस मामले के मुख्य आरोपी को फिर से गिरफ़्तार किया गया और वह लंबे समय तक जेल में रहा। हालांकि, अदालत में सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि पुलिस जांच में कई लापरवाहियां थीं। मुख्य सबूत के तौर पर जिस कार का ज़िक्र किया गया था, वह बरामद नहीं हो पाई। जांच एजेंसी बंदूक के बारे में कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर पाई। परिणामस्वरूप, अदालत ने सबूतों के अभाव में तीनों आरोपियों को बरी कर दिया।

एसबीआई के प्रमुख परिचालन को कोलकाता से बाहर ले जाने से रोकने को ममता से हस्तक्षेप की अपील

कोलकाता, समाज्ञा

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को प्रमुख परिचालन कोलकाता से बाहर ले जाने से रोकने के लिए एक प्रमुख नागरिक संगठन ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से हस्तक्षेप का आग्रह किया है। बता दें कि एसबीआई ने वैश्विक बाजार इकाई (जीएमयू) और अन्य प्रमुख परिचालन को कोलकाता से मुंबई स्थानांतरित करने का फैसला किया है। नागरिक संगठन 'बैंक बचाओ, देश बचाओ मंच' ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में एसबीआई के जीएमयू और तीन केंद्रीकृत प्रसंस्करण प्रकोष्ठ – देयता केंद्रीय प्रसंस्करण प्रकोष्ठ (एलसीपीसी), केंद्रीकृत चेक प्रसंस्करण प्रकोष्ठ (सीसीपीसी), और केंद्रीकृत पेंशन प्रसंस्करण प्रकोष्ठ (सीपीपीसी) सहित प्रमुख कार्यों को कोलकाता से स्थानांतरित करने के कदम पर चिंता जताई है। संगठन ने आरोप लगाया कि इससे रोजगार और राज्य के राजस्व पर सीधा असर पड़ेगा।

पत्र में कहा गया कि यह मार्च, 2008 में बैंक प्रबंधन और अधिकारी तथा कर्मचारी संघों के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौते का उल्लंघन है, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि विदेशी मुद्रा कोष कोलकाता से संचालित होता रहेगा। वैश्विक बैंकिंग परिचालन में कोलकाता की भूमिका को मजबूत करने के लिए 2015 में जीएमयू कोलकाता में केंद्रीय वैश्विक बैक कार्यालय की स्थापना भी की गई थी। मंच के संयोजकों में से एक सौम्य दत्ता ने कहा कि इस फैसले से लगभग 150 स्थायी और 200 से ज्यादा अस्थायी कर्मचारी सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। करीब 600 से ज्यादा परिवारों को नुकसान होगा। इन इकाइयों के जाने से राज्य के खजाने को सालाना लगभग 25 करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व का नुकसान होगा। मंच ने मांग की कि मुख्यमंत्री इस फैसले को रोकने और बैंक की पिछली प्रतिबद्धता को लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। पत्र में कहा गया है कि हम मुख्यमंत्री से बंगाल के हितों की रक्षा करने और भारत के बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र में कोलकाता की उचित भूमिका सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-पीसी-टीओ-डेटालॉगर-25, दिनांक: 14.07.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, रेलवे स्टेशन के पास डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं.: एसडीएसटीई-पीसी-टीओ-डेटालॉगर-25 के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** स्टेशन मेन्टेनेंस स्टाफ द्वारा निगरानी के लिए स्टेशन पर डेटालॉगर में लोकल पीसी के प्रावधान सहित ईआई इंस्टॉलेशन में वीडीयू के साथ एम्बेडेड पीसी का प्रतिस्थापन। **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 3,84,05,964.58, **बयाना राशि:** रु. 3,42,000/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 0.00, **समापन अवधि:** 12 माह। **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 14.07.2025 को 17.41 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 25.07.2025, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 08.08.2025 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। HWH-193/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

तीन मिनट की भीषण आंधी में रायदिघी में दो गांवों के 30 घर हुए क्षतिग्रस्त

पूरे इलाके में बिजली सेवा हुई बाधित

कोलकाता, समाज्ञा

दक्षिण 24 परगना जिले में मंगलवार को मात्र तीन मिनट की भीषण आंधी ने रायदीघी विधानसभा क्षेत्र के दो गांवों को तहस-नहस कर दिया। तेज हवाओं की चपेट में आकर कई घर टूट गए, बड़े-बड़े पेड़ उखड़कर सड़कों और बिजली के तारों पर गिर गए, जिससे पूरे इलाके में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और पंचायत ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह लगभग 9 बजे रायदीघी के गायनेरघेड़ी और कुमड़ोपाड़ा गांवों में तेज तूफान आया। तीन मिनट की उस तेज आंधी ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया। कई घरों की छतें उड़ गईं और टिन, टालियों और एस्बेस्टस की चादरें टूटकर इधर-उधर बिखर गईं। कई मकानों की दीवारें ढह गईं। विशालकाय पेड़ तेज हवाओं से जड़ से उखड़ गए और कई जगहों पर बिजली के तारों पर गिर गए, जिससे बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। कई सड़कों पर पेड़ गिरने से रास्ते बंद हो गए और यातायात ठप हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद रायदीघी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। मथुरापुर-2 नंबर ब्लॉक के बीडीओ मोहम्मद साजिर हुसैन ने बताया कि इस तूफान से दो गांवों में करीब 30 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। राहत के तौर पर स्थानीय पंचायत को सूखा राशन, प्लास्टिक तिरपाल और अन्य आवश्यक सामग्री भेजी गई है। राहत वितरण का काम जारी है। बिजली विभाग की टीमें आपूर्ति बहाल करने में जुटी हैं। सड़क से पेड़ हटाकर यातायात व्यवस्था सामान्य करने का काम भी जारी है। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन तूफान के बाद इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

अभिजीत सरकार हत्याकांड में चार्जशीट में नाम, अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुँचे तृणमूल नेता

कोलकाता : बेलघरिया के भाजपा कार्यकर्ता अभिजीत सरकार की हत्या के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर चार्जशीट में नाम आने के बाद तृणमूल कांग्रेस के विधायक परेश पाल, कोलकाता नगर निगम के मेयर परिषद सदस्य स्वपन समाद्दार और 30 नंबर वार्ड की पार्षद पापिया घोष ने अग्रिम ज़मानत के लिए कोलकाता हाईकोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता की अदालत में होने की संभावना है।

सीबीआई ने पहले एक प्रारंभिक चार्जशीट दाखिल की थी, लेकिन आगे की जांच में नए सबूत सामने आने पर एक पूरक चार्जशीट दाखिल की गई। इस नई चार्जशीट में तृणमूल विधायक परेश पाल और दोनों पार्षदों सहित कुल 18 लोगों को आरोपी बनाया गया है।

तृणमूल कांग्रेस ने इस पूरे मामले को राजनीतिक साजिश करार दिया है। वहीं आरोपियों के वकीलों का दावा है कि उनके मुवक्किलों को राजनीति के तहत फंसाया गया है और वे जांच में सहयोग करने को तत्पर हैं, बावजूद इसके उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई।

सीबीआई ने तीनों नेताओं को 18 जुलाई तक पेश होने का नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई 16 जुलाई को होने वाली है।

समाज्ञा
www.samagya.in

NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION

- MATRIMONIAL
- PROPERTY
- RECRUITMENT
- EDUCATION
- NAME CHANGE
- PUBLIC NOTICE
- OBITUARY
- REMEMBRANCE
- DISPLAY

TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT

samagyaadvt@gmail.com | samagya.in

81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

'ऐसे चला तो इस बार संतोष मित्र स्क्वायर की पूजा बंद करनी पड़ेगी'

'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सजल घोष का पुलिस पर गंभीर आरोप

कोलकाता : कोलकाता की मशहूर और ऐतिहासिक दुर्गा पूजा संतोष मित्र स्क्वायर इस बार अपने घोषित थीम 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विवादों के घेरे में आ गई है। पूजा समिति के मुख्य आयोजक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सजल घोष ने आरोप लगाया है कि थीम की घोषणा के बाद कोलकाता पुलिस ने उन्हें लगातार तीन बार नोटिस भेजे हैं और तरह-तरह की बंदिशें लगाई जा रही हैं। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा, अगर यह सब ऐसे ही चलता रहा तो

इस बार हमें पूजा ही रद्द करनी पड़ सकती है।

सजल घोष ने दावा किया कि इस बार पूजा पंडाल की थीम 'ऑपरेशन सिंदूर' के ज़रिए वे भारतीय सेना को श्रद्धांजलि देना चाहते हैं, जिसमें लाइट और साउंड शो के माध्यम से सेना के वीर जवानों की शौर्यगाथा दिखाई जानी थी। लेकिन पुलिस की तरफ से भेजे गए नोटिस में साफ तौर पर शो पर रोक लगाने को कहा गया है। उनका आरोप है कि जानबूझकर उनकी पूजा को निशाना बनाया जा रहा है।

उन्होंने सवाल उठाया, क्या सिर्फ हमारी पूजा में भीड़ होती है? क्या सिर्फ हमारी पूजा में ही भीड़ नियंत्रण की ज़रूरत होती है? उन्होंने यह भी कहा, थीम का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' सुनते ही कुछ लोगों को सिंदूर से एलर्जी हो जाती है। वही लोग अब हमारी पूजा को रोकने की कोशिश कर रहे हैं और इसे राजनीति से जोड़ रहे हैं।

वहीं, कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार की ओर से दी गई जानकारी में कहा गया है कि यह नोटिस खास इस पूजा के लिए नहीं, बल्कि भीड़ नियंत्रण के मद्देनज़र एहतियाती कदम है। पुलिस के अनुसार, पिछले साल भारी भीड़ के कारण अफरा-तफरी की स्थिति बन गई थी, इसलिए इस बार पहले से ही सावधानी बरती जा रही है। पुलिस का कहना है कि पहली बार 14 जून को नोटिस भेजा गया था, लेकिन जब उसका जवाब नहीं मिला, तब दोबारा नोटिस जारी किया गया।

पूजा शुरू होने से पहले ही 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विवाद और राजनीतिक बयानबाज़ी शुरू हो चुकी है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार श्रद्धा की जीत होती है या राजनीति की।

आईआईएम कोलकाता दुष्कर्म : पीड़िता के दावों की जांच के लिए पुलिस ने परिसर की सीसीटीवी फुटेज मांगी

पुलिस का आरोप, पीड़िता जांच में नहीं कर रही सहयोग

कोलकाता, समाज्ञा : पुलिस ने छात्रावास के अंदर एक छात्र द्वारा एक महिला से कथित तौर पर दुष्कर्म किए जाने की घटना की जांच के तहत मंगलवार को आईआईएम-कोलकाता के पूरे परिसर की 11 जुलाई की सीसीटीवी फुटेज मांगी। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। बता दें कि पुलिस को महिला के दावे में विसंगतियां मिलीं और वह यह पता लगाना चाहती है कि कथित पीड़िता ने उस दिन वहां रहने के दौरान संस्थान के किन स्थानों का दौरा किया था। अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं ने भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) कलकत्ता के

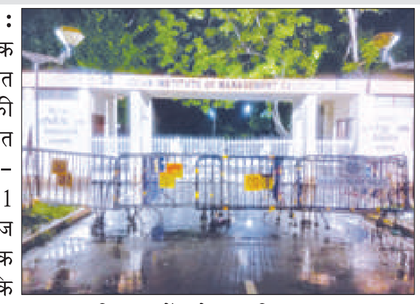

अधिकारियों को पत्र लिखकर उन तीन छात्रों से पूछताछ की अनुमति मांगी है जो अपराध के बाद आरोपियों के संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि हमने पूरे परिसर की 11 जुलाई की सीसीटीवी फुटेज मांगी है। हमें यह देखना है कि पीड़िता परिसर के अंदर किन-किन जगहों पर गई थी। हरिदेवपुर थाने के अधिकारी ने कहा कि आईआईएम-कलकत्ता परिसर में उसके ठहरने की अवधि के बारे में उसके दावों में कुछ विसंगतियां हैं। यही कारण है कि हमें सीसीटीवी फुटेज की जरूरत है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह परिसर में कब दाखिल हुई, वह किस स्थान पर गई और किस समय वहां से निकली। अधिकारी ने यह भी कहा कि कथित दुष्कर्म पीड़िता ने मामले की जांच के संबंध में अभी तक चिकित्सीय-कानूनी परीक्षण के लिए अपनी सहमति नहीं दी है। उन्होंने कहा कि वह संपर्क से बाहर है। हम उससे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं।

पानीहाटी में निजी डिलीवरी कंपनी के कर्मचारी की हत्या की कोशिश

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के पानीहाटी में दिनदहाड़े एक निजी डिलीवरी कंपनी के कर्मचारी की धारदार हथियार से हत्या का प्रयास किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार की दोपहर एक निजी डिलीवरी कंपनी का कर्मचारी काम के लिए पानीहाटी नगरपालिका के वार्ड 4 के धनकोल मोड़ इलाके में गया था। लगातार बारिश के कारण वहां पहले से ही जलभराव था। उस पानी से होकर बाइक चलाते समय जमा हुआ बारिश का पानी इलाके की एक अन्य फैक्ट्री के कर्मचारी पर पड़ गया। कथित तौर पर, इसके बाद फैक्ट्री के कर्मचारी ने उस निजी डिलीवरी कंपनी के कर्मचारी की बुरी तरह पिटाई की। यह भी आरोप लगाया गया है कि उस पर धारदार हथियार से हमला किया गया। घायल ने कहा कि वे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएंगे।

बोलपुर में फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

साइबर कैंफे की आड़ में चल रहे कारोबार, एसटीएफ ने मारा छापा

बीरभूम : जिले के बोलपुर से राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने साइबर कैफे की आड़ में बनाए जा रहे फर्जी दस्तावेज के गिरोह में शामिल होने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के नाम शेख मिराज हुसैन और अब्दुल कुद्दूस उर्फ मुन्ना है। जांचकर्ता इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या दोनों आरोपी किसी तरह से पाकिस्तान में सूचनाएं तस्करी कर रहे थे। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस पूरे गिरोह में और कौन-कौन शामिल है। पता चला है कि बीरभूम के सत्तोर और केंद्रडांगल समेत विभिन्न इलाकों में साइबर कैफे के आड़ में कई दिनों से फर्जी दस्तावेज बनाने का गिरोह चल रहा था। रविवार की रात एसटीएफ की चार सदस्यीय टीम एक आरोपी शेख मिराज का पीछा करते हुए ट्रेन से बोलपुर पहुंची। शेख मिराज और अब्दुल कुदुस को संदिग्ध पाए जाने पर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों को पहले ही विधाननगर अदालत में पेश किया जा चुका है, जहां न्यायाधीश ने उन्हें सात दिन की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया है।

आसनसोल में मां और तीन पालतू कुत्तों की हत्या कर युवक ने की आत्महत्या की कोशिश

भारी कर्ज में दबे होने के कारण युवक ने घटना को दिया अंजाम, एक व्यक्ति गिरफ्तार

घटना से पहले युवक ने अपने दोस्त को भेजा मैंसेज, तीन-चार लोगों के नाम उल्लेख

आसनसोल : आसनसोल दक्षिण थाना अंतर्गत रासडांगा इलाके में एक युवक ने अपनी मां और तीन पालतू कुत्तों को जहर खिलाकर 'हत्या' कर दियाऔर फिर खुद आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि मंगलवार की सुबह घर का दरवाजा तोड़कर युथिका दास (75) और तीन पालतू कुत्तों के शव बरामद किए गए। इसके साथ ही अरविंद दास उर्फ पुषान (45) के हाथ की नसें कटी हुई मिलीं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और पुषान को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला कि युवक ने कर्ज के चलते ऐसी घटना को अंजाम दिया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, युथिका और पुषान की आर्थिक स्थिति खराब थी और वे कर्ज के बोझ तले दबे थे। बताया गया है कि अरविंद ने बेंगलुरु से एमबीए किया था। लॉकडाउन के दौरान वह वापस लौट आया। उस समय अरविंद के पिता कर्ज में डूब गए थे और घर गिरवी रखकर कर्ज लिया था। पिता की मौत के बाद मां-बेटे कर्ज नहीं चुका पा रहे थे। फिर, उस कर्ज चुकाने के लिए उन्होंने कई जगहों से ऊंची ब्याज दरों पर पैसे लिए। कर्ज के चलते उन्होंने ग्राउंड फ्लोर के किरायेदार से भी काफी पैसा उधार लिया था। तब से किरायेदार उन पर घर के ग्राउंड फ्लोर को बट्टे खाते में डालने का दबाव बना रहा था। इस बीच, घटना से पहले पुषान ने अपने दोस्त को व्हाट्सएप पर एक मैसेज भेजा। उसमें उसने उक्त घटना की वजह बताई। बताया गया है कि मैसेज में उसने तीन-चार लोगों के नाम भी उल्लेख किए है। वह मैसेज पुलिस तक पहुंच गया है। जांच अधिकारियों ने बताया कि इसकी जांच की जा रही है। इस बीच, पुलिस ने इस घटना के बाद किरायेदार को गिरफ्तार कर लिया है। जांच अधिकारियों ने बताया कि उससे पूछताछ की जा रही है।

पश्चिम मेदिनीपुर के पुलिस अधीक्षक को कोलकाता हाई कोर्ट का आज पेश होने का आदेश

कोलकाता : पश्चिम मेदिनीपुर सहकारी बैंक चुनाव को लेकर पुलिस सुरक्षा में कथित लापरवाही के खिलाफ दाखिल याचिका पर कोलकाता हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। मंगलवार को न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया। मामले की शुरुआत उस समय हुई जब सहकारी चुनाव आयोग ने जिला प्रशासन से चुनाव के दौरान सुरक्षा की मांग की थी, लेकिन पुलिस ने वक्फ आंदोलन का हवाला देते हुए सुरक्षा देने में असमर्थता जताई। इस पर याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया और पुलिस की ला-परवाही पर सवाल उठाए। कोर्ट ने साफ कहा कि पुलिस का यह रुख सहकारी चुनाव आयोग के निर्देशों

के खिलाफ है। विशेष रूप से दासपुर के कृषक सहकारी बैंक चुनाव को लेकर पहले से ही क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई थी, ऐसे में सुरक्षा को लेकर पुलिस की अनदेखी गंभीर चिंता का विषय है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि पश्चिम मेदिनीपुर के एसपी को बुधवार को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होकर अपने फैसले और स्थिति पर स्पष्टीकरण देना होगा। मामले की अगली सुनवाई बुधवार को होगी।

भारी बारिश से पुरुलिया में मिट्टी का घर ढहने से तीन लोगों की मौत

पुरुलिया : राज्य में लगातार बारिश से लोग परेशानियों का सामना कर रहें है, तो कहीं बारिश मौत का कारण भी बन रही है। इसी क्रम में, पुरुलिया जिले के रामाइगढ़ा-1 ग्राम पंचायत के शबरटोला इलाके में भारी बरसात के कारण मिट्टी का घर ढह जाने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि घटना में तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय सूत्रों और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जिस घर में हादसा हुआ, उसमें कुल छह लोग रहते थे। बीते कई दिनों से इलाके में लगातार भारी बारिश हो रही थी, जिससे जमीन काफी नरम हो चुकी थी। सोमवार की रात अधिक बारिश के कारण मिट्टी का घर अचानक ढह गया। उस समय घर के सभी सदस्य अंदर ही सो रहे थे। घर के मलबे में दब जाने के कारण तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी तीन को गंभीर हालत में निकाला गया। हादसे की सूचना मिलने पर मंगलवार की सुबह टामना थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मलबा हटाकर शवों को बाहर निकाला। घायल लोगों को पहले स्थानीय चाकलतोड़ ग्रामीण अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें पुरुलिया मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में रेफर कर दिया गया। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। प्रशासन पूरे मामले की जांच कर रहा है।

मुर्शिदाबाद में भारत-बांग्लादेश सीमा इलाके से तीन बांग्लादेशी तस्कर गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद : जिले के रघुनाथगंज थाने की पुलिस ने भारत-बांग्लादेश सीमा इलाके से तीन बांग्लादेशी तस्करों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर रघुनाथगंज के ब्लॉक नंबर 2 के तेघरी ग्राम पंचायत के कुतुबपुर घाट इलाके में तीन व्यक्ति संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। पुलिस ने जब उनसे पूछताछ की तो उनकी बातचीत में विरोधाभास पाया गया। पूछताछ के दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि वे गायों की तस्करी के उद्देश्य से बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रहे थे। इसके बाद, पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों के नाम मोहम्मद मिस्बाहुल हक (55), मोहम्मद जहांगीर शेख (40) और मोहम्मद सैफुल इस्लाम (35) है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है कि क्या भारत का कोई व्यक्ति इस तस्करी में शामिल है, पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

श्रावणी मेले के दौरान कई ट्रेनों के लिए अतिरिक्त ठहराव की सुविधा

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल में श्रावणी मेले के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 15 जुलाई 2025 से 10 अगस्त 2025 तक फतुहा, आठमलगोला और करौता स्टेशनों पर कुछ ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव दिए जाएंगे। इस दौरान, 13331 धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस और 13332 पटना-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस फतुहा स्टेशन पर क्रमशः दोपहर 3:42 बजे और सुबह 8:53 बजे पहुंचेंगी और यहां दोनों ट्रेनें 2 मिनट के लिए रुकेंगी। इसी प्रकार, ये दोनों ट्रेनें आठमलगोला स्टेशन पर क्रमशः 3:04 बजे और 9:32 बजे पहुंचेंगी और 2 मिनट का ठहराव लेंगी। इसके अतिरिक्त,

18183 टाटानगर-आरा-बक्सर एक्सप्रेस और 18184 बक्सर-आरा-टाटानगर एक्सप्रेस आठमलगोला स्टेशन पर शाम 5:14 बजे और सुबह 7:09 बजे पहुंचेगी, जहां दोनों ट्रेनें 2 मिनट के लिए रुकेंगी। वहीं, करौता स्टेशन पर ये ट्रेनें क्रमशः शाम 5:38 बजे और सुबह 6:55 बजे पहुंचेंगी और 2 मिनट का ठहराव लेंगी। इस व्यवस्था से श्रावणी मेले के दौरान यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान की जाएगी।

बंधन एएमसी ने 25 वर्षों में निवेशकों के लिए नवाचार और समर्पण का जश्न मनाया

कोलकाता, समाज्ञा : बंधन एएमसी ने भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया है। कोलकाता में आयोजित इस उत्सव में कंपनी ने अपने निवेशकों और साझेदारों के साथ इस उपलब्धि को साझा किया। बंधन एएमसी ने इस अवसर पर 'राजू भैया की कहानी' नामक संगीतमय फिल्म भी पेश की, जो बचत से लेकर आत्मविश्वास के साथ निवेश तक के सफर को दर्शाती है। कंपनी के सीईओ विशाल कपूर ने कहा कि यह 25 वर्षों का सफर विश्वास, नवाचार और निवेशकों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस दौरान बंधन एएमसी ने कई नवीन उत्पाद और वित्तीय शिक्षा अभियान जैसे 'वन इडियट' और 'बी स्मार्ट - स्टे इनवेस्टेड' शुरू किए। कंपनी ने वित्तीय समावेशन और निवेश में नवाचार के क्षेत्र में कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं। 2025 में बंधन एएमसी नई शाखाएं और फंड लॉन्च कर अपनी पहुंच बढ़ाएगी, जिससे वह हर भारतीय के वित्तीय सफर में भरोसेमंद भागीदार बनी रहेगी।

बजाज फाइनेंस ने आयोजित किया 'नॉकआउट डिजिटल फ्रॉड' कार्यक्रम

कोलकाता : बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल), जो बजाज फिनसर्व का हिस्सा है और भारत की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है, ने सोमवार को कोलकाता के सॉल्टलेक में एक 'नॉकआउट डिजिटल फ्रॉड' साइबर धोखाधड़ी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें डिजिटल उपयोगकर्ताओं को विभिन्न प्रकार के खतरों और वित्त को सुरक्षित रखने के सर्वोत्तम तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। बजाज फाइनेंस के 'नॉकआउट डिजिटल फ्रॉड' जागरूकता अभियान के दौरान दर्शकों को संबोधित करते हुए, बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट आईपीएस - डीसीपी, डीडी कुलदीप सुरेश सोनवणे ने सतर्क रहने और सोशल मीडिया या अन्य प्लेटफार्मों पर प्रसारित होने वाली लुभावनी या अवास्तविक निवेश योजनाओं से बचने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा करने और आधुनिक धोखाधड़ी की युक्तियों जैसे कि डिजिटल अरेस्ट, नौकरी में धोखाधड़ी, सेक्सटॉर्शन, ओटीपी धोखाधड़ी आदि से सतर्क रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

भारत में शुरू हुई नथिंग फोन (3) और नथिंग हेडफोन (1) की बिक्री

कोलकाता, समाज्ञा : लंदन स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी नथिंग ने अपने दो प्रमुख उत्पाद - नथिंग फोन (3) और नथिंग हेडफोन (1) - को पूरे भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध कर दिया है। नथिंग फोन (3) कंपनी का पहला सच्चा प्रीमियम स्मार्टफोन है, जिसमें प्रोफेशनल ग्रेड ट्रिपल कैमरा, स्नैपड्रैगन 8एस जेन 4 प्रोसेसर, 6.67 इंच का एएमोएलईडी डिस्प्ले और नवीन ग्लिफ मैट्रिक्स जैसी विशेषताएं हैं। इसकी कीमत 62,999 रुपये (12 जीबी + 256 जीबी) और 72,999 रुपये (16 जीबी + 512 जीबी) से शुरू होती है। नथिंग हेडफोन (1), जो कंपनी का पहला ओवर-ईयर ऑडियो उत्पाद है, 21,999 रुपये की कीमत पर लॉन्च हुआ है, जिसे 15 जुलाई तक 19,999 रुपये की प्रारंभिक विशेष कीमत पर खरीदा जा सकता है। दोनों उत्पाद फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, क्रोमा और अन्य प्रमुख खुदरा स्टोरों पर उपलब्ध हैं।

नारी शक्ति और परंपरा का संगम बना सिंधारा उत्सव, महिलाओं की उमड़ी भीड़

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के न्यू टाउन स्थित शिवाना बैंक्वेट्स में 12 जुलाई को लेडीज सिंधारा कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। पारंपरिक रंगों और सांस्कृतिक उल्लास से सराबोर इस आयोजन में क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की मेजबानी समाजसेविका मीनू सिंह ने की, जिन्होंने अपने गरिमामय अंदाज में सभी अतिथियों का स्वागत किया। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर आयोजन को भव्यता प्रदान की। कार्यक्रम में सिंधारा गीतों की मनमोहक प्रस्तुति, लोकनृत्य और मनोरंजक खेलों ने सभी को भावविभोर कर दिया। पूरे आयोजन स्थल पर पारंपरिक लोक संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली। मीनू सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी विरासत को सहेजने के साथ-साथ समाज में प्रेम, सौहार्द और आपसी जुड़ाव को भी बढ़ाते हैं। समापन अवसर पर सभी महिलाओं को सुंदर उपहार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था ने सभी मेहमानों को आनंदित कर दिया। आयोजन को लेकर उपस्थितजन बेहद प्रसन्न और उत्साहित नजर आए।

पूर्व रेलवे की ऐतिहासिक पहल, नेताजी एक्सप्रेस अब एलएचबी कोचों के साथ दौड़ेगी

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने 14 जुलाई को एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में नेताजी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12311/12312) को आधुनिक स्वरूप में रवाना किया। पहले 'कालका मेल' के नाम से जानी जाने वाली यह ट्रेन, जो 160 वर्षों से अधिक समय से निरंतर संचालित होती आ रही है, अब अत्याधुनिक एलएचबी (लिंके हॉफमैन बुश) कोचों से सुसज्जित होकर यात्रियों को एक नया अनुभव देगी। यह परिवर्तन हावड़ा के मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार की प्रेरणा से संभव हुआ। नए कोचों में एयर स्प्रिंग्स, बेहतर आंतरिक सज्जा, अग्निसंवेदन प्रणाली, पहिया फिसलाव सुरक्षा और इलेक्ट्रॉनिक फ्लशिंग जैसी सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जो यात्रा को अधिक सुरक्षित और आरामदायक बनाती हैं। इस मौके पर हावड़ा स्टेशन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

हुआ, जिसमें सुसज्जित 22 डिब्बों की रेक का अनावरण किया गया। समारोह में एक बाल यात्री द्वारा केक काटा गया, जिससे भारतीय रेलवे की जन-केंद्रित सोच की झलक मिली।

इस अवसर पर वरिष्ठ रेलवे अधिकारी राहुल रंजन, अभिनव बंसल और पृथिवीश हलदर सहित अनेक कर्मचारी मौजूद थे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि स्वरूप एच1 कोच को विशेष रूप से सजाया गया, जिसमें नेताजी के जीवन और उनकी ऐतिहासिक यात्रा की झलक दिखाई गई। उल्लेखनीय है कि 23 जनवरी 2021 को इस ट्रेन का नाम बदलकर नेताजी एक्सप्रेस रखा गया था। यह पहल तकनीकी नवाचार के साथ-साथ ऐतिहासिक विरासत को भी जीवंत बनाती है।

मेट्रो कर्मचारियों के लिए 'स्ट्रेस मैनेजमेंट कैंप' का आयोजन, मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अनूठी पहल

कोलकाता : यात्रियों की सुरक्षा और विश्वसनीय सेवा सुनिश्चित करने के लिए मेट्रो रेलवे लगातार कई उपाय कर रहा है। इसी दिशा में एक नई पहल के तहत 14 जुलाई से 18 जुलाई 2025 तक नोआपाड़ा ट्रेनिंग सेंटर में मेट्रो कर्मचारियों के लिए 'स्ट्रेस मैनेजमेंट कैंप' का आयोजन किया गया है। महाप्रबंधक पी. उदय कुमार रेड्डी के निर्देश पर इस कैंप का उद्देश्य कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना, तनाव कम करना और उनकी कार्यकुशलता को बढ़ाना है। इस पांच दिवसीय कैंप में मोटरमैन, टेक्नीशियन, वरिष्ठ ट्रैफिक असिस्टेंट, ट्रैफिक असिस्टेंट, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता और सुरक्षा सलाहकार जैसे विभिन्न विभागों के कर्मचारी भाग ले रहे हैं। कैंप के दौरान 'आर्ट ऑफ लिविंग' संस्था के निर्देशों के अनुसार प्रतिभागियों को योग, ध्यान और 'सुदर्शन क्रिया' जैसी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में कर्मचारी तनावमुक्त रहने और आपातकालीन परिस्थितियों से शांतिपूर्वक निपटने के गुर सीख रहे हैं। यह प्रयास मेट्रो रेलवे की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें वह न केवल यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है, बल्कि अपने कर्मचारियों की मानसिक और भावनात्मक भलाई का भी पूरा ध्यान रखता है।

कालीगंज में बच्चे की मौत के विरोध में कृष्णनगर पुलिस मुख्यालय पर प्रदर्शन, झड़प में 4 घायल

कोलकाता : कालीगंज में उपचुनाव के दिन हुए बम विस्फोट में एक बच्चे की मौत के बाद, आरोपियों की गिरफ्तारी और सजा की मांग को लेकर एसएफआई और वामपंथी युवा कार्यकर्ताओं ने कृष्णनागर पुलिस सुपरींटेंडेंट कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस कार्यालय पर छापा

मारने की कोशिश की गई, जिससे तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने पुलिस की बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें तितर-बितर कर दिया। इस घटना से इलाके में व्यापक तनाव फैल गया। बताया गया कि मृत बच्चे की मां ने उसी दिन जिला पुलिस सुपरिटेंडेंट से मुलाकात कर आरोपियों की गिरफ्तारी और उचित सजा की मांग की थी, जिस पर पुलिस ने आश्वासन दिया था। वहीं, एसएफआई और डीवाईएफआई ने उसी दिन दोपहर कृष्णनागर पुलिस कार्यालय पर छापे के लिए आंदोलन का आह्वान किया, जिसमें कई छात्र और युवा संगठन के सदस्य शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। रैली को रोकने के लिए पहले से ही बांस और लोहे की बैरिकेडिंग की गई थी। बड़ी संख्या में पुलिस बल सड़क पर मौजूद था। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए कार्रवाई की। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर झंडा और लाठी से हमला किया, जबकि पुलिस ने भी आत्मरक्षा में लाठी उठाई। पुलिस पर ईंट के टुकड़े सहित कई वस्तुएं फेंकी गईं। पुलिस ने कुछ समय में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया। इस घटना में दोनों पक्षों के कुल चार लोग घायल हुए हैं।

बंगाल बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड 2025 से सम्मानित हुए मृगांक अग्रहरी

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल अग्रहरी वैश्य समाज के अध्यक्ष मृगांक अग्रहरी को उनके उल्लेखनीय व्यावसायिक योगदान और सामाजिक कार्यों के लिए बंगाल बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें एक भव्य समारोह में कोलकाता स्थित एक स्थानीय पांच सितारा होटल में प्रदान किया गया। समारोह में प्रसिद्ध अभिनेत्री श्राबंती चटर्जी ने मृगांक अग्रहरी को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर मृगांक ने कहा, व्यवसायी समाज को सशक्त और संगठित करना मेरा उद्देश्य है। समाज और व्यापार दोनों ही क्षेत्रों में संतुलित विकास के लिए मैं हमेशा प्रयासरत रहूंगा। इस अवसर पर उनकी पत्नी अर्चना अग्रहरी, इकोमैप के डायरेक्टर शिव कुमार शाव और ज्योति साव भी उपस्थित रहे।

आरपीएफ साइबर सेल ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से चोरी हुआ मोबाइल किया बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग के तहत एक और उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। आरपीएफ की जोनल साइबर सेल ने सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल के माध्यम से एक चोरी

हुआ मोबाइल फोन बरामद किया है। यह पहल डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में आरपीएफ की सक्रिय भूमिका और आधुनिक तकनीक के समन्वय का परिचायक है। यह मामला हावड़ा मंडल के खगराघाट रोड स्टेशन का है, जहां यात्री रिक कर्मकार ने 15 जून को अपने मोबाइल के चोरी हो जाने की शिकायत रेलवे हेल्पलाइन 139 और रेल मदद पोर्टल पर दर्ज कराई थी। सीईआईआर प्रशिक्षित आरपीएफ अधिकारियों के सहयोग से उन्होंने फोन ब्लॉक करने का अनुरोध किया। फोन के आईएमईआई नंबर के आधार पर साइबर निगरानी शुरू की गई, जिसके बाद डिवाइस की लोकेशन का पता चला और उसे सफलता पूर्वक बरामद कर लिया गया। संबंधित व्यक्ति ने सहयोगपूर्वक फोन लौटा दिया। फोन को आरपीएफ पोस्ट अंडाल के अंतर्गत पांडवेश्वर आउटपोस्ट में सुरक्षित जमा किया गया, जहां सभी औपचारिकताओं के बाद मोबाइल को उसके वास्तविक स्वामी श्री कर्मकार को सौंप दिया गया। उन्होंने आरपीएफ की त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया।

अब तक पूर्व रेलवे की आरपीएफ साइबर सेल ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से आठ मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह पहल न केवल यात्री सुरक्षा में तकनीक की भूमिका को मजबूत करती है, बल्कि साइबर अपराध की रोकथाम में आरपीएफ की बदलती और सशक्त होती भूमिका को भी दर्शाती है।

भांगड़ में तृणमूल नेता की हत्या के विरोध में रैली में भीड़ जुटाने पर इनाम की पेशकश

❑ तृणमूल नेता ने दी चेतावनी... 'जो बूथ अध्यक्ष लोगों को नहीं ला पाए वे इनाम से हो जाएंगे वंचित'

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ में हाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष रज्जाक खान की हत्या के विरोध में बुधवार को वहां निकाली जाने वाली रैली से पहले पार्टी नेता के बयान पर बहस छिड़ गई है। भांगड़ के स्थानीय तृणमूल नेता बहारुल इस्लाम का मंगलवार को एक वीडियो सामने आया जिसमें वह कह रहे हैं कि बुधवार की विरोध रैली में सबसे ज्यादा भीड़ जुटाने वाले बूथ को अलग से इनाम दिया जाएगा। उन्होंने साथ ही चेतावनी दी कि जो बूथ अध्यक्ष लोगों को नहीं ला पाए तो सजा के तौर पर वे इनाम से वंचित हो जाएंगे। इसको लेकर चर्चा शुरू हो गई है। बहारुल इस्लाम जिला परिषद के सदस्य हैं। सामने आए वीडियो में दिख रहा है कि तृणमूल नेता बहारुल इस्लाम एक सभा में बोल रहे हैं और उनके बगल में कैनिंग पूर्व से पार्टी के विधायक शौकत मोल्ला भी बैठे हैं। उन्होंने रज्जाक की हत्या के विरोध में होने वाली रैली में हर बूथ से अधिक से अधिक लोगों को लाने का आदेश दिया, चाहे बारिश ही क्यों न हो। बहारुल ने कहा, जो बूथ सबसे ज़्यादा लोगों को लाएगा, उसे तस्वीरें या वीडियो अपलोड कर यह दिखाना होगा। जिनके पास ज्यादा लोग होंगे, उन्हें मैं अलग से इनाम दूंगा। लोगों को सड़कों पर बनाए रखना नेता की ज़िम्मेदारी है। जो ऐसा नहीं कर पाएंगे, उन्हें इनाम से वंचित कर दिया जाएगा। इधर, इस इनाम को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या यह कोई आर्थिक मदद होगी? या कुछ और? स्वाभाविक रूप से, भाजपा ने इसको लेकर मजाक उड़ाते हुए निशाना साधा है। भाजपा नेता सजल घोष ने कहा कि अब तृणमूल के साथ जमीनी स्तर पर लोग नहीं हैं। इसलिए इनाम की पेशकश करनी पड़ रही है।

भांगड़ में तृणमूल नेता रज्जाक खां हत्याकांड में दो और आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस नेता रज्जाक खां की हत्या के मामले में पुलिस ने और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पहली गिरफ्तारी गत सोमवार की रात हसनाबाद के सदरपुर इलाके से किया गया। आरोपी का नाम रफीकुल खान है, जो दक्षिण 24 परगना जिला अंतर्गत चकमरिचा गांव का निवासी है। जबकि, दूसरी गिरफ्तारी मंगलवार को दक्षिण 24 परगना जिला के उत्तर काशीपुर थाना अंतर्गत झीलपार, नंगला पालपुर के पास से किया गया। आरोपी का नाम जकिरुद्दीन गाजी उर्फ जाकिर मोल्ला है। वह माधवपुर थाना क्षेत्र का निवासी है। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास एक बंदूक और एक चॉपर मिला। इस तरह इस मामले में कुल आरोपितों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। बता दें कि इससे पहले, रविवार को पुलिस ने

इस मामले के मुख्य साजिशकर्ता मोफज्जल मोल्ला को भी गिरफ्तार किया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रफीकुल इस हत्याकांड की साजिश में शुरू से शामिल था। वहीं, जकिरुद्दीन गाजी उर्फ जाकिर मोल्ला ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। बताया जा रहा है कि वह एक शातिर अपराधी है और पहले ही दो डकैती के मामलों में दोषी ठहराया जा

चुका है और 14 साल जेल में बिता चुका है। बताया जा रहा है कि घटना से करीब 15 दिन पहले ही रज्जाक को रास्ते से हटाने की योजना बनाई गई थी, लेकिन वह योजना असफल हो गई। दोबारा साजिश रची गई और सुनसान जगह पर रज्जाक की हत्या की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बाकी आरोपितों की तलाश में जुटी है।

खेजुरी में दो लोगों की मौत की घटना की स्वतंत्र जांच को हाई कोर्ट पहुंचे स्वजन

पूर्व मेदिनीपुर/कोलकाता : पूर्व मेदिनीपुर के खेजुरी में मेला देखने गए दो लोगों की मौत के मामले में अब मृतकों के परिवार हाई कोर्ट पहुंचे हैं। उन्होंने एक स्वतंत्र जांच एजेंसी से जांच की मांग की है। मृतक सुजीत दास और सुधीर पाइक के परिवारों ने मंगलवार को कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की पीठ में यह अर्जी दायर की। न्यायमूर्ति घोष ने मामला दायर करने की अनुमति दे दी है। मामले की सुनवाई आज होने की संभावना है। सुजीत और सुधीर के स्वजनों ने बताया कि वे पोस्टमार्टम रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि मौत करंट लगने से हुई बताई गई थी, लेकिन शव पर चोट के निशान थे। इसलिए, उन्होंने दोबारा पोस्टमार्टम का अनुरोध किया है।

कोलकाता हाई कोर्ट को मिले दो नए न्यायाधीश, कुल संख्या हुई 47

कोलकाता : कोलकाता हाई कोर्ट में दो नए न्यायाधीश की नियुक्ति की गई है। केंद्र सरकार ने अन्य राज्यों से इन दोनों न्यायाधीशों को स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने 26 मई को इन स्थानांतरणों की सिफारिश की थी।

तेलंगाना हाई कोर्ट में कार्यरत न्यायमूर्ति सुजॉय पाल को अब कोलकाता हाई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में वकालत की शुरुआत की थी और वर्ष 2011 में न्यायाधीश बने थे। बाद में 2024 में उन्हें तेलंगाना हाई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया था।

दूसरे न्यायाधीश लानुशुंगकुम जमिर, जिनका करियर गुवाहाटी हाई कोर्ट से शुरू हुआ था, उन्हें भी

कोलकाता हाई कोर्ट भेजने की सिफारिश की गई थी। वे 2013 में गुवाहाटी हाई कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त हुए थे। बाद में मणिपुर हाई कोर्ट में स्थानांतरित हुए और 2024 में वापस गुवाहाटी लौटे थे।

इन दोनों के कोलकाता हाई कोर्ट में शामिल होने के बाद अब इस उच्च न्यायालय में कुल न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 47 हो गई है। हालांकि, कोलकाता हाई कोर्ट में स्वीकृत न्यायाधीशों की कुल संख्या 72 है।

चंदननगर के स्कूल में शर्मनाक सनसनी, प्रधानाध्यापक पर अश्लीलता का आरोप, छात्रों में उबाल

हुगली : शिक्षा के मंदिर माने जाने वाले विद्यालय को शर्मसार करने वाला एक सनसनीखेज मामला चंदननगर नगर निगम द्वारा संचालित कन्हाई लाल विद्यालय (अंग्रेजी विभाग) से सामने आया है। आरोप है कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने कक्षा 1 के दो छात्रों से आपत्तिजनक और अश्लील हरकतें करवाईं। घटना के सामने आते ही छात्रों के परिजनों ने चंदननगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी को चंदननगर महकमा अदालत में पेश किया, जहां से उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। हालांकि गिरफ्तारी के बाद मामला और भी गरमा गया, जब विद्यालय के अन्य छात्रों ने आरोपी शिक्षक के समर्थन में थाने के बाहर प्रदर्शन किया और लगाए गए आरोपों को झूठा बताते हुए रिहाई की मांग की।

इस मामले पर भारतीय जनता पार्टी ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी की ओर से बयान जारी कर कहा गया कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और पुलिस को निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी प्रधानाध्यापक पर पूर्व में भी इसी प्रकार के आरोप लग चुके हैं, जो रिकॉर्ड में दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए बच्चों, विद्यालय स्टाफ और अभिभावकों से पूछताछ कर रही है। वहीं, शिक्षक के समर्थन में छात्रों व अभिभावकों का एक वर्ग षड्यंत्र की आशंका जताते हुए लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहा है। उनका कहना है कि आरोपी शिक्षक के कार्यकाल में विद्यालय में शिक्षा और अनुशासन का स्तर बेहतर हुआ है और उन्हें झूठे आरोप में फंसाया जा रहा है। पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर रही है।

अनुव्रत प्रकरण में बीरभूम पुलिस अधीक्षक को फिर से तलब

राष्ट्रीय महिला आयोग ने की कड़ी पूछताछ की तैंयारी

कोलकाता/दिल्ली : तृणमूल नेता अनुव्रत मंडल पर बोलपुर थाना प्रभारी (आईसी) को फोन कर आपत्तिजनक व अशोभनीय टिप्पणी करने के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने बीरभूम के पुलिस अधीक्षक अमनदीप सिंह को एक बार फिर तलब किया है। आयोग ने उन्हें आगामी 23 जुलाई (बुधवार) को सुबह 10:30 बजे नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में पहले भी एसपी अमनदीप सिंह से पूछताछ की गई थी, लेकिन आयोग पुलिस विभाग द्वारा भेजे गए एक्शन टेकन रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हुआ। आयोग अब और अधिक विस्तृत जानकारी चाहता है और इसी कारण से उन्हें दोबारा बुलाया गया है।

हालांकि, यदि किसी कारणवश अमनदीप सिंह स्वयं उपस्थित नहीं हो सकते, तो उनकी जगह बीरभूम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बोलपुर के एसडीपीओ या इस जांच से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े किसी अन्य वरिष्ठ अधिकारी को आयोग के समक्ष उपस्थित होने की अनुमति दी गई है।

इस तलब से यह स्पष्ट है कि आयोग इस मामले को लेकर पूरी तरह गंभीर व पारदर्शी जांच सुनिश्चित करना चाहता है।

बांग्लादेश में सत्यजित राय के पैतृक घर को तोड़े जाने पर ममता ने चिंता व्यक्त की

कोलकाता, समाज्ञा : बांग्लादेश के मैमनसिंह में मशहूर फिल्म निर्माता सत्यजित राय के पैतृक घर को तोड़े जाने पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चिंता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट में लिखा कि राय परिवार बंगाली संस्कृति के रखवालों और वाहकों में से एक है। सत्यजित राय के दादा साहित्यकार उपेंद्र किशोर रायचौधरी बंगाली पुनर्जागरण के एक स्तंभ थे। इसलिए मुझे लगता है कि यह घर बंगाल के सांस्कृतिक इतिहास से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। मैं बांग्लादेश सरकार और उस देश के सभी नेकदिल लोगों से इस विरासत घर की रक्षा करने की अपील करूंगी। भारत सरकार को इस मामले को देखना चाहिए।

राज्य के 34 मछुआरों को बांग्लादेशी अधिकारियों ने हिरासत में लिया, मछुआरों के संघ का दावा

कोलकाता, समाज्ञा : मछुआरों के एक संघ ने पश्चिम बंगाल के 34 मछुआरों को बांग्लादेशी अधिकारियों द्वारा समुद्री सीमा पर हिरासत में लिए जाने का दावा किया है। सुंदरवन सामुद्रिक मत्स्यजीवी श्रमिक संघ के सचिव सतीनाथ पात्रा ने बताया कि दक्षिण 24 परगना जिले के अधिकारियों को नामखाना से मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं (ट्रॉलर) पर सवार होकर समुद्र में गए मछुआरों को हिरासत में लिए जाने के बारे में सूचित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दो ट्रॉलर (एफबी झार और एफबी मंगलचंदी) पर सवार होकर गए मछुआरों को 13 जुलाई को हिरासत में लिया गया था। पात्रा ने कहा कि दोनों देशों के मछुआरे समुद्री सीमा के आसपास एक ही क्षेत्र में मछली पकड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि हमारी सरकार मछुआरों को वापस लाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि इस घटना की अभी पुष्टि नहीं हो सकी है।

बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में एक्सिओम 4 मिशन में शामिल अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की वापसी का सीधा प्रसारण देखते हुए उत्साहित छात्र।

महुआ मोइत्रा ने प्रवासी श्रमिकों को जबरन बंगाल वापस भेजने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस की आलोचना की

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ पुलिस ने राज्य के नौ प्रवासी श्रमिकों को हिरासत से रिहा करने के बाद उन्हें राज्य छोड़ने के लिए 'मजबूर' करके संविधान का उल्लंघन किया। ये प्रवासी श्रमिक नदिया जिले में स्थित महुआ के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र कृष्णानगर के निवासी बताए जा रहे हैं। इन्हें छत्तीसगढ़ के कोंडागांव से गिरफ्तार किया गया था। इस दिन, महुआ ने 'एक्स' पर जारी एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि हिरासत से रिहा किए जाने के बावजूद श्रमिकों को बसों में 'जबरन' चढ़ाया गया और पश्चिम बंगाल लौटने के लिए 'मजबूर' किया गया। उन्होंने कथित

घटना को भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों का 'घोर उल्लंघन' करार दिया, जो नागरिकों की आवाजाही की स्वतंत्रता और किसी भी पेशे को अपनाने के अधिकार की रक्षा करता है।

तृणमूल सांसद ने 'एक्स' पर लिखा कि छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री कार्यालय, कोंडागांव जिला प्रशासन और छत्तीसगढ़ पुलिस कृपया ध्यान दें, आप मेरे श्रमिकों को वापस भेजने के लिए उन्हें जबरन बसों में धकेल रहे हैं! अनुच्छेद 19(1) (डी) और (जी) में प्रदत्त मौलिक अधिकार-लोगों की स्वतंत्र आवाजाही को रोकने का आपको कोई अधिकार नहीं है। (ऐसा) बंद करें। महुआ ने दावा किया कि नौ प्रवासी श्रमिकों की प्रारंभिक गिरफ्तारी 'झूठे' आरोपों पर आधारित थी। उन्होंने संबंधित कार्रवाई को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित छत्तीसगढ़ में सरकार और पुलिस की ओर से रची गई 'अपहरण' की साजिश करार दिया।

तृणमूल नेता ने कहा कि मैं छत्तीसगढ़ के डीजीपी (पुलिस महानिदेशक) से पूछना चाहती हूं-क्या आपको पता है कि आपकी पुलिस क्या कर रही है? वे लोग अपराधी नहीं हैं; वे वहां काम करने गए थे। आप उन्हें जबरदस्ती बस में नहीं बैठा सकते और इस तरह वापस नहीं भेज सकते। उन्हें देश के किसी भी हिस्से में रहने और काम करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि वह अधिकार छीना जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि आपको (डीजीपी को) इसका एहसास होगा, क्योंकि अगर आपको (एहसास) नहीं हुआ, तो मैं आपको अदालत में ले जाऊंगी। महुआ ने दावा किया कि उन्हें जानकारी मिली है कि सभी नौ श्रमिकों को रिहा कर दिया गया, लेकिन बाद में उन्हें छत्तीसगढ़ छोड़ने के लिए मजबूर किया गया।

बाजार से लौटते समय ट्रक से टकराई बाइक, दो युवकों की मौके पर मौत व एक गंभीर

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के बसीरहाट उपमंडल अंतर्गत मटिया थाना क्षेत्र में मंगलवार को भयावह सड़क हादसे में दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसे तत्काल इलाज के लिए कोलकाता रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस दिन, समुबह में हाड़ोआ क्षेत्र के तीन युवक बाइक पर सवार होकर स्थानीय बाजार करने निकले थे। बाजार की खरीदारी पूरी कर जब वे टाकी रोड होते हुए अपने घर लौट रहे थे, तभी नेहालपुर के समीप अचानक सामने आया एक तेज रफ्तार दस चक्का ट्रक और सीधे बाइक से भिड़ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों युवक उछलकर दूर जा गिरे। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और तीनों को धान्यकुड़िया ग्रामीण अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने भक्ति पद मंडल (35) और विश्वजीत दास (30) को मृत घोषित कर दिया। तीसरे युवक की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बताई जा रही है जिसे बेहतर इलाज के लिए आरजी कर अस्पताल, कोलकाता में भर्ती कराया गया है। हादसे की खबर मिलते ही मटिया थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले का जायजा लिया। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए बसीरहाट स्वास्थ्य जिला पुलिस मुर्दाघर भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि बाइक सवार युवकों ने हेलमेट नहीं पहना हुआ था, जिससे सिर पर गंभीर चोटें आईं और जान बचाई नहीं जा सकी। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश की जा रही है।

रोज वैली घोटाला: शेठ कमेटी की कार्यशैली पर हाईकोर्ट का सवाल, लोग जानना चाहते हैं असली सच

कोलकाता : रोज वैली चिटफंड घोटाले में निवेशकों के पैसे लौटाने के लिए हाइकोर्ट द्वारा नियुक्त जस्टिस (सेवानिवृत्त) दिलीप शेठ की अध्यक्षता वाली कमेटी की कार्यप्रणाली पर अब कोलकाता हाईकोर्ट ने गंभीर सवाल उठाए हैं। मंगलवार को जस्टिस राजर्षि भट्टाचार्य और जस्टिस अपूर्व सिन्हा रॉय की डिवीजन बेंच ने कमेटी की रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए आश्चर्य और नाराज़गी जताई।

हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि पिछले 10 वर्षों के वित्तीय लेन-देन का कोई ऑडिट नहीं किया गया है, जो अत्यंत चिंताजनक है। अदालत ने यह भी पाया कि वर्ष 2015 से अब तक कमेटी ने ऑफिस खर्च के नाम पर केवल 10 लाख रुपये खर्च किए हैं। इसके बाद यह सवाल उठा कि फिर कमेटी के चेयरमैन जस्टिस शेठ का वेतन किसने दिया?

जवाब में बताया गया कि 'चॉकलेट ग्रुप' नामक एक संस्था ने यह खर्च उठाया। इस पर नाराज़ हाईकोर्ट ने पूछा, ये चॉकलेट ग्रुप कौन है? किस आदेश से उसे इस प्रक्रिया में शामिल किया गया, जब उसका कोई अस्तित्व ही साबित नहीं है? अदालत ने कहा कि शेठ कमेटी के कामकाज की गहन जांच के लिए अब एक जांच समिति गठित करनी होगी।

जजों ने यह भी कहा, अगर यह कमेटी हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त है, तो इसकी रिपोर्ट सिर्फ एक विवरण क्यों है? पूर्ण ऑडिट रिपोर्ट क्यों नहीं दी गई? अदालत ने रोज़ वैली को निर्देश दिया कि वह अपनी रिपोर्ट की एक प्रति सभी पक्षों को दे ताकि पारदर्शिता बनी रहे। लोगों को पता चलना चाहिए कि वास्तव में क्या हो रहा है, कोर्ट ने कहा।

सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील भी मौजूद थे क्योंकि ईडी का एक प्रतिनिधि इस कमेटी का सदस्य है। कोर्ट ने ईडी को इस मामले में बुधवार तक अपनी प्रतिक्रिया देने का निर्देश दिया है। चॉकलेट ग्रुप के वकील भी अदालत में मौजूद थे, जिन्हें कोर्ट ने कहा कि अगली सुनवाई में वे अपनी स्थिति स्पष्ट करें।

सुनवाई के दौरान एमपीएस नामक एक और चिटफंड घोटाले का जिक्र भी आया। हाईकोर्ट ने इस मामले में भी सीबीआई को निर्देश दिया है कि एमपीएस से संबंधित सभी दस्तावेज बुधवार तक अदालत में प्रस्तुत किए जाएं। उसी दिन इस मामले की सुनवाई भी होगी।

पुलिस ने राजन्या हलदर से करीब एक घंटे की पूछताछ

कोलकाता, समाज्ञा

तृणमूल छात्र परिषद की निलंबित नेता राजन्या हलदर से मंगलवार को करीब एक घंटे तक पूछताछ की गई। बता दें कि राजन्या ने खुद सोनारपुर पुलिस स्टेशन में मेल के जरिए लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उस शिकायत के आधार पर पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए कानूनी नोटिस भेजा था। इस दिन, वह तय समय पर सोनारपुर पुलिस स्टेशन पहुंची। पुलिस स्टेशन की एक महिला अधिकारी ने उनसे पूछताछ की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, राजन्या की शिकायत के आधार पर उनसे कई अहम सवाल पूछे गए। खास तौर पर, पुलिस ने उनकी चार्जशीट में दर्ज तस्वीरों का

स्रोत और उन्हें ये तस्वीर कैसे मिलीं, यह जानने की कोशिश की। उनसे एक खास यूआरएल लिंक भी मांगा गया। पुलिस का दावा है कि यह जानकारी जांच के लिए बेहद अहम है। हालांकि, पूछताछ खत्म होने के बाद, राजन्या पुलिस स्टेशन के बाहर मीडिया के सामने मुंह खोलने से कतरा रही थी। उसने संक्षेप में कहा कि मैं अभी कुछ नहीं कहना चाहती। बाद में, सब कुछ बताऊंगी।

इछामती नदी किनारे अवैध निर्माण पर कानूनी पेंच! कोलकाता हाई कोर्ट में दाखिल होगा जनहित याचिका

कोलकाता : पर्यावरण और नगरपालिका कानून की खुली अनदेखी कर इछामती नदी के किनारे टाकी में उग आया है एक भव्य होटल-रेस्तरां। हाल ही में इस अवैध निर्माण को लेकर पर्यावरणप्रेमियों ने विरोध दर्ज कराया था। एक वकील ने इस मुद्दे को लेकर विभिन्न विभागों में शिकायत भी की थी। अब इस आरोप को पश्चिम बंगाल सिंचाई विभाग (सिचाई विभाग) ने भी सही माना है। मामले को लेकर अब कोलकाता हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल होने जा रही है।

सिंचाई विभाग के सूत्रों के अनुसार, इछामती नदी के बांध के किनारे जो निर्माण हुआ है, उसके लिए विभाग से कोई एनओसी

(अनापत्ति प्रमाणपत्र) नहीं लिया गया है। इसके अलावा यह निर्माण नदी की सीमा को पार कर गया है, जो गंभीर उल्लंघन है।

आरोप है कि जिस नगर पालिका से साइट प्लान और स्वीकृत नक्शा मिला था, उस अनुरूप तय स्थान पर कोई निर्माण नहीं किया गया है। इतना ही नहीं, मालिकाना हक के बाहर अतिरिक्त 1 शतक (लगभग 720 वर्ग फीट) जमीन पर भी अवैध कब्जा कर निर्माण किया गया है।

इसके अलावा नगरपालिका अधिनियम के अनुसार बहुमंजिला इमारत बनाने के लिए जो खुली जगह छोड़नी होती है, वह भी नहीं छोड़ी गई है। यह सब 1993 के पश्चिम बंगाल नगर पालिका अधिनियम की धारा 118 का स्पष्ट उल्लंघन है।

इस अवैध निर्माण के खिलाफ स्थानीय जागरूक नागरिकों और पर्यावरण संगठनों की ओर से जनहित याचिका दायर कर न्याय की मांग की जा रही है। अदालत के हस्तक्षेप से अब इस मामले में जल्द कोई कानूनी कार्रवाई संभव हो सकती है।

विशिष्ट कानून के अभाव में की गई नियुक्तियां अवैध नहीं : हाई कोर्ट

❑ अदालत ने पालिका कर्मचारियों को तुरंत दीर्घकालिक और स्थायी नौकरी का दिया आदेश

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के नगरपालिका कर्मचारियों के एक समूह की नियुक्तियों से जुड़े एक मामले पर अपना फैसला सुनाते हुए, कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज ने कहा कि अगर नियुक्तियां किसी विशिष्ट कानून के अभाव में की जाती हैं और कर्मचारी अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करते हैं, तो उन नियुक्तियों को अवैध नहीं कहा जा सकता। न्यायमूर्ति भारद्वाज ने यह भी आदेश दिया कि नगरपालिका कर्मचारियों को तुरंत स्थायी नौकरी दी जाए।

वादी पक्ष की वकील सुष्मिता साहा दत्ता ने कहा कि उनके मुवक्किल 2006 में 1,700 रुपये मासिक वेतन पर उत्तर दिनाजपुर के रायगंज नगरपालिका में शामिल हुए थे। लंबे समय तक सेवा देने के बाद नगरपालिका ने राज्य के स्थानीय निकाय निदेशक (डीएलबी) को नौकरी को स्थायी करने के लिए एक आवेदन भेजा, लेकिन डीएलबी ने उस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की। उसने आवेदन को अस्वीकार भी नहीं किया। बाद में उन्हीं कर्मचारियों के लिए एक नई नियुक्ति सूचना जारी की गई। 2020 में न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने नियुक्ति पर रोक लगा दी। राज्य ने उस आदेश के खिलाफ खंडपीठ में कोई आवेदन दायर नहीं किया। सुष्मिता ने कहा कि उन कर्मचारियों की नियुक्ति में भ्रष्टाचार या भाई-भतीजावाद का कोई आरोप नहीं था। वे लगातार अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे थे। हालांकि, राज्य और डीएलबी के वकीलों ने अदालत में दावा किया कि मामला स्वीकार्य नहीं है। वादियों को स्थायी नौकरी मांगने का अधिकार नहीं है। कर्मचारियों को राज्य सरकार और डीएलबी की अनुमति के बिना नियुक्त किया गया था। नगरपालिका के वकील ने दावा किया कि प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए मामला दायर किया गया था। मामले के फैसले में न्यायमूर्ति भारद्वाज की टिप्पणी थी कि वादी लंबे समय तक सेवा देने के बाद स्थायी पदों के लिए पात्र हैं या नहीं, यही मामले का मुख्य मुद्दा है। न्यायाधीश ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति गुप्त या अवैध रूप से नहीं की गई थी। उस नियुक्ति के समय सिविल सेवक नियुक्ति नियम (2005) लागू नहीं थे। उन्होंने फैसले में यह भी बताया कि किन मामलों में नियुक्ति अवैध हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए न्यायाधीश ने कहा कि अगर किसी की आवश्यक सेवाओं में औपचारिक रूप से नियुक्ति नहीं हुई है, तब भी लंबे समय तक सेवा देने के बाद उसकी नियुक्ति रद नहीं की जा सकती। वकीलों के एक वर्ग ने कहा कि राज्य की विभिन्न नगरपालिकाओं में कई संविदा कर्मचारी हैं जिन्हें लगभग दो दशकों से सेवा देने के बावजूद स्थायी नौकरी नहीं मिली है। यह फैसला उन्हें भविष्य में उम्मीद का किरण दिखा सकता है।

न्यूज इन ब्रीफ

उप्र: गाजीपुर में ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत

गाजीपुर (उप्र) : गाजीपुर शहर कोतवाली क्षेत्र में बक्सूपुर गांव के पास मंगलवार को एक ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बिरनो थाना क्षेत्र का भरसर गांव निवासी अभिषेक (20) अपने दोस्त किशन प्रजापति (19) के साथ मोटरसाइकिल से राजदेपुर देहाती स्थित एक अस्पताल जा रहा था लेकिन रास्ते में बक्सूपुर के पास उसकी मोटरसाइकिल एक ट्रक से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में दोनों युवकों की मौत हो गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मेरठ के मंदिर में भगवान शिव की मूर्ति खंडित करने का आरोपी गिरफ्तार

मेरठ (उप्र) : मेरठ जिले के एक मंदिर में भगवान शिव की मूर्ति खंडित करने के आरोप में एक व्यक्ति को मंगलवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि परीक्षितगढ़ थाने की पुलिस ने सचिन नामक व्यक्ति को उसके पैतृक गांव सिखेड़ा से गिरफ्तार किया। उसने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 353(3) (सार्वजनिक रूप से शरारतपूर्ण बयान देना) और 299 (किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

सड़क जाम करने के पुराने मामले में दो विधायकों सहित नौ लोगों की सजा स्थगित

जयपुर : जयपुर की एक अदालत ने राजस्थान विश्वविद्यालय के बाहर सड़क जाम करने के 11 साल पुराने मामले में कांग्रेस के दो विधायकों और सात अन्य की सजा मंगलवार को स्थगित कर दी। दोषियों ने 17 जून 2025 को सुनाई गई सजा के खिलाफ जयपुर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-9, प्रेम प्रकाश ओझा के समक्ष अपील दायर की थी। अपीलकर्ताओं के वकील ने दलील दी कि अपील के निपटारे में समय लगेगा और अगर सजा स्थगित नहीं की गई तो अपीलकर्ता अपने विधिक अधिकारों से वंचित हो जाएंगे। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने अपीलकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत याचिका स्वीकार कर ली।

कुशल युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि कुशल युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत हैं और ''डबल इंजन'' सरकार युवाओं को रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय कौशल मेले और प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के 75 जनपदों के कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। योगी ने इस अवसर पर अपने संविधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तीकरण पर जोर देते हुए कहा, कुशल युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत हैं। उन्होंने कहा, डबल इंजन (केंद्र और राज्य) सरकार युवाओं को रोज-गार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। योगी ने प्रदेश के युवाओं को

विश्व युवा कौशल दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को उनकी प्रतिभा के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया है तथा दो करोड़ युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनमें से 50 लाख युवा अब तक लाभान्वित हो चुके हैं। योगी ने उत्तर प्रदेश में निवेश के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी जिक्र करते हुए कहा कि पिछले आठ वर्षों में कानून-व्यवस्था में सुधार और सरकार की सकारात्मक नीति के कारण 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये निवेश लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) और 'मुख्यमंत्री विश्वकर्मा श्रम सम्मान' जैसी योजन-ाओं के माध्यम से परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया गया है। उन्होंने बताया कि ओडीओपी के तहत डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है, जबकि विश्वकर्मा योजना के तहत एक लाख से अधिक हस्तशिल्पियों और कारीगरों को प्रशिक्षण और टूलकिट प्रदान की गई हैं। उन्होंने युवाओं से हताश न होने और निरंतर प्रयास करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हताशा और निराशा में जीवन नहीं है तथा सही प्रशिक्षण और मेहनत से आप सफलता की नयी कहानी लिख सकते हैं।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के चार न्यायाधीशों का स्थानांतरण

प्रयागराज (उप्र) : केंद्र सरकार ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के चार न्यायाधीशों का अन्य उच्च न्यायालयों में स्थानांतरण की अधिसूचना जारी की है। इससे पूर्व, 26 मई को उच्चतम न्यायालय के कोलेजियम ने इन न्यायाधीशों के स्थानांतरण की अनुशंसा की थी जिसके आलोक में केंद्र सरकार ने सोमवार (14 जुलाई) को यह अधिसूचना जारी की। इन चार में से दो न्यायाधीशों का स्थानांतरण दिल्ली उच्च न्यायालय किया गया है, जबकि एक न्यायाधीश का कर्नाटक उच्च न्यायालय और एक न्यायाधीश का स्थानांतरण पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय किया गया है। अधिसूचना के मुताबिक, न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा का स्थानांतरण पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय किया गया है, जबकि न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला का स्थानांतरण दिल्ली उच्च न्यायालय किया गया है।

न्यूज अपडेट

कानून से ऊपर कोई नहीं, पुलिस बिना दबाव सख्त कार्रवाई करे: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि भ्रष्टाचार एक ऐसी बुराई है जो योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने से रोकती है और समाज में असमानता बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर चलते हुए भ्रष्टाचार मुक्त राजस्थान के संकल्प पर मजबूती से आगे बढ़ रही है। शर्मा यहां भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के 68वें स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है, इसलिए पुलिस बिना किसी के दबाव में आए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे। उन्होंने आश्वस्त किया कि वह राज्य की आठ करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने तथा उनकी सभी समस्याओं के समाधान के लिए हर समय उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ निरंतर अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन आवश्यक है, ऐसे में एसीबी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने राज्य में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासरत रहने का दावा करते हुए कहा, 'हमने 'एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स' का गठन किया। पुलिस में 10 हजार पदों पर भर्ती, नए आठ जिलों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालयों की स्वीकृति, तीन महिला पुलिस बटालियनों की स्थापना जैसे निर्णय लिये गये हैं।'

उप्र : फिर बहने लगी नून नदी, लौटी हरियाली और पहचान

लखनऊ/कानपुर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल से कानपुर में सूख चुकी नून नदी अब फिर से बहने लगी है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि एक समय कानपुर की नून नदी का अस्तित्व पूरी तरह खत्म हो चुका था, यह नक्शे से गायब हो गई थी, गाद से भरी रहती थी, अतिक्रमण की जद में थी लेकिन अब इसकी जलधारा फिर से बहने लगी है। इसमें कहा गया, 'उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता के कारण ऐसा हुआ है जिन्होंने 'एक जिला-एक नदी' पहल के माध्यम से राज्य की मृतप्राय नदियों को पुनर्जीवित करने के लिये अभियान शुरू कराया।' बयान के मुताबिक नून नदी न केवल कानपुर नगर के लिए, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक आदर्श बन चुकी है। इसमें कहा गया, 'नून नदी कभी बिल्हौर, शिवराजपुर और चौबेपुर के खेतों को सींचती थी, ग्रामीण संस्कृति का अभिन्न हिस्सा थी लेकिन उपेक्षा की शिकार इस नदी में न तो पानी बचा था, न कोई पहचान रह गई थी। अतिक्रमण और गाद ने जलधारा को पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया था।' मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर नून नदी को 'एक जिला-एक नदी' योजना में शामिल किया गया। कानपुर के जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह और मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन के नेतृत्व में इस कार्य को एक सरकारी योजना से अधिक जनभागीदारी अभियान बनाया गया।

संभल से सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ अवैध निर्माण मामले की सुनवाई 22 जुलाई तक स्थगित

संभल (उप्र) : संभल से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जियाउर्रहमान बर्क द्वारा कथित अवैध निर्माण से संबंधित मामले की सुनवाई मंगलवार को वकीलों के न्यायिक कार्य से विरत रहने के कारण अब 22 जुलाई को होगी। यह मामला सपा सांसद द्वारा दीपा सराय इलाके में कथित तौर पर नक्शा स्वीकृत कराये बगैर एक मकान का निर्माण करने से संबंधित है। अधिकारियों ने बताया कि विनियमित क्षेत्र के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) विकास चंद्र ने पिछले साल पांच दिसंबर को सांसद को एक नोटिस जारी किया था। चंद्र के अनुसार सांसद को संशोधित भवन मानचित्र प्रस्तुत करने के कई अवसर दिए गए थे। सांसद को आठ जुलाई को हुई पिछली सुनवाई में संशोधित मानचित्र कथित तौर पर प्रदान किया गया था। हालांकि संसद ने दावा किया कि उन्हें यह प्राप्त नहीं हुआ लेकिन अदालत ने उनके इस जवाब को असंतो-षजनक माना था। उप जिलाधिकारी की अदालत ने सांसद पर एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया था, जिसे जमा कर दिया गया है। चंद्रा ने संवाददाताओं से कहा कि मंगलवार को इस मामले में सुनवाई होनी थी लेकिन अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य से विरत रहने के कारण यह नहीं हो सकी। मामले की अगली सुनवाई अब 22 जुलाई को होगी।

अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन का वार्षिक बैठक

पटना : समाज्ञा : कोलकाता निवासी प्रख्यात भोजपुरी उपन्यासकार हरेन्द्र पाण्डेय के पटना आवास राहुल सदन पर अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन का वार्षिक बैठक हुई। जिसमें भोजपुरी साहित्य के गणमान्य साहित्यकार लोग शामिल हुए। सम्मेलन के अगले अध्यक्ष का चयन और आगामी अक्टूबर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सम्मेलन की रूपरेखा तैयार की गई। वर्तमान अध्यक्ष डॉ ब्रजमोहन मिश्र सचिव डॉ जय नंदन सिंह जय के अलावा भोजपुरी के हर बिधा में कार्यरत हस्तियाँ उपस्थित रहीं। हरेंद्र पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए भोजपुरी को आधुनिक समय के अनुरूप प्रस्तुति पर जोर दिया, ताकि वर्तमान और आने वाली पीढ़ी अपने भोजपुरिया होने पर गर्व महसूस करे। डॉ बृजभूषण मिश्र लिखित भोजपुरी साहित्य के इतिहास पर विस्तृत आलोचना हुई। साथ ही अन्तोन मकारेंको के मशहूर पुस्तक- बुक फार पेरेन्ट्स के भोजपुरी अनुवाद रंजन विकास के किताब **एगो किताब मतारी-बाप ख़ातिर** का लोकार्पण हुआ। ज्ञात हो कि भोजपुरी साहित्य सम्मेलन संस्थान भोजपुरी साहित्य के क्षेत्र में सबसे पुरानी संस्था है जो भोजपुरी भाषा के मानकीकरण और शुचिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देती रही है। प्रोफेसर डॉ जयकांत सिंह, डॉ ब्रजभूषण मिश्र, सौरभ पांडेय के साथ हरेंद्र कुमार पाण्डेय पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में उपस्थित थे।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे, परिवार खुशी से झूमा

लखनऊ : अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन के गहन वैज्ञानिक प्रयोगों के बाद शुभांशु शुक्ला की पृथ्वी पर सकुशल वापसी हो गई, जिसके लिए लखनऊ में उनके पिता अपने परिवार समेत लगातार पूजा अर्चना करते रहे। शुक्ला की वापसी मंगलवार को हो गई। इसके पहले परिजनों ने हवन-पूजन और रुद्राभिषेक कर प्रार्थना की कि शुभांशु बिना किसी परेशानी के पृथ्वी पर वापस लौट आएं। राजधानी के त्रिवेणी नगर इलाके में स्थित शुभांशु के पैतृक घर को रोशनी से सजाया गया है और घर के बाहर उनके उपनाम शक्स के पोस्टर लगे हैं। घर में शुभांशु के आने पर जश्न की तैयारी हो रही है। उनकी माँ आशा शुक्ला और बहन सुचि शुक्ला शुभांशु की अंतरिक्ष यात्रा पर बधाई देने वाले फ़ोन कॉल्स का लगातार जवाब दे रही हैं। मंगलवार को पीटीआई-वीडियोज़ से बात करते हुए, शुभांशु के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने कहा, आज हमारे लिए बहुत खुशी का दिन है। हम ईश्वर से उसकी सुरक्षित लैंडिंग के लिए

प्रार्थना करते रहे हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि वह अपना मिशन सफलतापूर्वक पूरा करके वापस लौटा है। उन्होंने परिवार की गहरी सम्मान और संतुष्टि की भावना व्यक्त करते हुए कहा, यह हमारे और देश के लिए बेहद गर्व का क्षण है कि उसने इतना महत्वपूर्ण मिशन पूरा किया है। अब हम अपने परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों के साथ यहां उत्सव मनाएँगे। शुभांशु की पत्नी कामना अभी लखनऊ में नहीं हैं। उनके बारे में शंभू दयाल ने कहा अभी कामना फ्लोरिडा में हैं। उन्होंने कहा कि दोनों लखनऊ में एक साथ पढ़ते थे और परिवार की सहमति से दोनों का विवाह हुआ। उनका छह साल का बेटा कियाश हैं। शुभांशु इस अक्टूबर में 40 साल के हो जाएँगे। उनकी बहन, सुचि ने बताया कि शुभांशु अपने साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 'गाजर का हलवा और मूंग दाल का हलवा' जैसी भारतीय मिठाइयाँ ले गए थे क्योंकि उन्हें ये बहुत पसंद हैं। सुचि ने कहा कि वह चाहते थे कि उनकी अंतरिक्ष यात्रा पर उनके सह-यात्री भी इसका स्वाद चखें।

राजस्थान के ऊर्जा मंत्री का दो लाख रुपये से अधिक का बिजली बिल बकाया : बेनीवाल

जयपुर : अपने घर एवं पार्टी कार्यालय का बिजली कनेक्शन काट दिये जाने के बाद नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल ने आरोप लगाया है कि राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर पर दो लाख रुपये से ज़्यादा का बिजली बिल बकाया है। उन्होंने नागर पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने के ठेकों में रिश्वतखोरी की भरमार है और रिश्वत की रकम मंत्री और अन्य लोगों तक पहुंच रही थी। दूसरी ओर मंत्री नागर ने कहा कि उनका कोई बिल बकाया नहीं है तथा उनके मासिक बिल की अंतिम तिथि 17 जुलाई है। स्मार्ट मीटर लगाने के मुद्दे पर नागर का कहना था कि यह योजना पिछली कांग्रेस

सरकार ने शुरू की थी। उसने निविदा जारी की थी। मौजूदा भाजपा सरकार ने इसे आगे बढ़ाया और अंतिम आदेश जारी कर दिया। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के नेता बेनीवाल ने पत्रकारों के साथ कुछ कतिपय दस्तावेज साझा करते हुए दावा किया कि ये मंत्री के अस्पताल रोड स्थित सरकारी आवास का 2.17 लाख रुपये का बिजली बिल बकाया होने के सबूत हैं। उन्होंने पूछा कि क्या उस बिजली कनेक्शन को भी काटा जाएगा? बेनीवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सवाल किया, 'सरकार ने मुझे आवंटित सरकारी आवास के बारे में नोटिस भेजे और नागौर स्थित मेरे सांसद कार्यालय की बिजली काट दी।

समाज्ञा मनोरंजन

बेरी का बड़ा काम

अंडे से प्यूपा और प्यूपा से बने मच्छर बेरी ने जब अपने आसपास दृष्टि दौड़ाई तो उस की तरह अनेक मच्छर इधर उधर बैठे दिखाई दिए। कई मच्छर तो अभी प्यूपा की ही स्थिति में थे।

वह भी धीरे-धीरे चल कर अपने साथियों के पास बैठ गया। अभी बेरी उड़ने में पूरी तरह समर्थ नहीं था। उस ने अपने साथियों की बातचीत सुनी तो उसे पता लगा कि उसे भी दूसरे मच्छरों की तरह सब का खून चूस कर अपने को जीवित रखना है।

बेरी ने अपने पास बैठे मच्छर से पूछा, 'क्या तुम भी सब प्राणियों को तंग करोगे, सभी का खून चूसोगे?

'हमें तो यही पता है। तुम बताओ तुम क्या सब से कुछ अलग ही करने वाले हो,' उस के साथी ने कहा।

बेरी ने कहा, 'हां, मैं तो सब की तरह नहीं बनना चाहता। देखना, मैं कुछ अलग ही कर के दिखाऊंगा। पहले मैं खूब घूमूंगा, उस के बाद मैं तुम्हें बताऊंगा कि मैंने क्या अलग से किया।'

बेरी की बात सुन कर कुछ और मच्छर उस के पास आ गए परंतु उस की बात किसी की समझ में नहीं आई।

जब अनोखी समझ वाले बेरी मच्छर ने देखा कि अब वह पूरी तरह से उड़ सकता है तो वह घूमने के लिए निकल पड़ा।

बेरी बहुत जगह गया और उस ने उनेक दृश्य देखे। नदियां, पर्वत, जंगल, इंसानी बस्तियां, पशु पक्षियों के रहने की जगह आदि परंतु कुछ दृश्य उस के मन को छू गए और तब उसे समझ में आया अब उस का क्या काम है।

उस ने सोचा, 'जहां कहीं भी अत्याचार हो रहा है, उस स्थान के अत्याचारियों को मैं सताऊंगा। मैं उन्हीं का खून चूस कर जीवित रहूंगा।

बेरी एक ऐसी जगह गया जहां उस ने देखा था, बहुत से जवान लोग आराम से बैठे गपशप मार रहे थे और बूढ़े, कमजोर व्यक्ति दिनभर काम कर रहे थे। उसे बहुत बुरा लगा।

बेरी ने 4-5 व्यक्तियों को बड़े जोर से काटा और तुरंत वहां से उड़ गया।

उड़ते-उड़ते बेरी जब एक घर के पास से गुजर रहा था तो उस ने देखा कि एक घर में खडे. घर के सदस्यों पर कुछ भयानक से दिखने वाले लोग बंदूकें ताने खड़े हैं। 2-3 व्यक्तियों को तो उन्होंने मार भी दिया है। सभी डरे और सहमे हुए से खड़े हैं। एक बच्चा चीखा तो उन्होंने उसे भी वहीं खत्म कर दिया।

उस समय बेरी को बहुत क्रोध आया। बेरी अब उस बंदूकधारी को काटने के लिए जाने लगा तो उसे लगा कि वह अकेला कुछ नहीं कर सकता। वे लोग तो अधिक थे। बेरी ने इधर-उधर दृष्टि दौड़ाई तो उसे सामने पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता दिखाई दिया।

बेरी तुरंत उड़ कर मधुमक्खियों के पास पहुंचा। उसने उन्हें सारी बात बताई और अपनी योजना भी उन्हें समझाई। मधुमक्खियों को भी योजना पसंद आई। वे तुरंत बेरी के साथ चल पड़ीं। उन्होंने अपने और साथियों को भी अपने साथ ले लिया।

देखते ही देखते मधुमक्खियों के झुंड उन बंदूकधारियों के पीछे पड़ गए। मधुमक्खियों ने उन बंदूकधारियों के सारे शरीर पर काटना शुरू किया। अब उन के शरीर बुरी तरह सूज गए थे और लाल हो गए थे। उन की आंखों पर भी मधुमक्खियों ने काट लिया था।

अब कुछ साहसी पुरूषों ने अपने सिर पर कपड़ा डाल कर उन बंदूकधारियों से बंदूकें छीन ली और उन्हें बांध कर सीधा नजदीक के पुलिस थाने में ले गए और पुलिस को सौंप दिया।

मधुमक्खियां खुश थीं और बेरी मच्छर का धन्यवाद कर रही थी कि उसने उन से अच्छा काम करवाया।

मधुमक्खियों ने सुना कि सब लोग उन का धन्यवाद कर रहे थे। लोगों को क्या पता था कि यह साहस सब से पहले बेरी ने किया और उन से अच्छा काम करवाया नहीं तो वे स्वभाववश सभी को काटती थीं। वे सोचती थी, वे तो छोटी सी हैं, कैसे किसी की मदद कर सकती हैं परंतु एक छोटे से मच्छर बेरी ने वह काम कर दिखाया जो एक बड़ा आदमी भी मुश्किल से कर पाता।

यह किस्सा बेरी के साथी मच्छरों के कानों में भी पड़ा। वे भी भन्न भन्न करते आ गए और बेरी को शाबाशी देने लगे। उन्होंने यह संकल्प किया कि आगे से वे भी उस के भलाई के अभियान में उस के साथ काम करेंगे।

उस के बाद से बेरी मच्छरों का नेता बन गया और उन सब ने मिल कर गलत काम करने वाले अनेक लोगों को सबक सिखाया और यह बताया कि एक निर्बल प्राणी भी यदि संकल्प कर ले तो वह बड़े से बड़ा काम कर सकता है। (उर्वशी)

इंजन के माता-पिता

एक छोटे से स्टेशन पर एक छोटा सा इंजन नजर आता था। जब वह किसी बच्चे को अपनी मां की गोद में देखता तो उदास हो जाता, क्योंकि उसकी तो कोई मां ही नहीं थी। वह और भी दुखी हो जाता, जब किसी बच्चे को अपने पापा की उंगली पकड़ कर घूमते देखता। छोटे इंजन ने एक बार अपने साथ रहने वाले एक बड़े इंजन से पूछा, 'मेरे पिता कौन हैं?'

'जेम्स वाट।' उसे जवाब मिला।

'क्या मैं उनसे मिल सकता हूं?' उसने फिर प्रश्न किया।

उत्तर मिला, 'नहीं, क्योंकि वे तुम्हें सैंकड़ों साल पहले जन्म दे कर चल बसे। अब तुम उनसे नहीं मिल सकते।'

छोटा इंजन निराश हो गया। एक दिन फिर उसने किसी और बड़े इंजन के सामने जा कर पूछा, 'क्या आप बता सकते हैं, मेरे पिता कौन हैं?'

'स्टीफेंसन ।' बड़े इंजन ने जवाब दिया।

'वह कहां रहते हैं? क्या मैं उनसे मिल सकता हूं?' छोटे इंजन ने प्रश्न किया।

'नहीं, वह तुम्हें पृथ्वी पर चलता-फिरता छोड़ कर चल बसे। तुम उनसे नहीं मिल सकते।'

अब छोटे इंजन के सब्र का बांध टूट गया। वह फूट-फूट कर रोने लगा। तब रेलगाड़ी का बूढ़ा डिब्बा जो पास ही खड़ा था, उसके पास आया और पीठ थपथपा कर बोला, 'क्यों रो रहे हो?'

छोटे इंजन ने रोते-रोते बड़े भोलेपन से वही प्रश्न इस डिब्बे से किया। डिब्बे ने उत्तर देते हुए कहा, 'तुम्हारे पिता पानी और आग मां हैं। इन्हीं दोनों की शक्ति से तुम चलते हो। कोयला तुम्हारा भाई है। चाहो तो तुम अपना और उसका रंग मिला कर देख लो। वह भी तुम्हारे जैसा ही काला है। वैसे तुम्हारा जन्म लोहे की खान में हुआ था। तुम जमीन के अंदर दबे थे। तुम्हें वहां से निकाल कर, सफाई कर, गला कर कारखाने में लाया गया जहां तुम्हें इंजन की शक्ल दे कर पटरियों पर चलने-फिरने के लिए छोड़ दिया गया।' बूढ़े डिब्बे की बात सुन कर छोटा इंजन खुश हो गया।

कुछ दिनों बाद स्टेशन पर बाहर से एक और छोटा इंजन आया। हमउम्र होने के कारण दोनों छोटे इंजन पास-पास खड़े थे। तब पहले इंजन ने दूसरे इंजन से पूछा, 'तुम्हारे मां-बाप कहां हैं?'

दूसरा इंजन जोर-जोर से हंसने लगा कि इंजनों के भी कहीं मां-बाप होते हैं। यह सुन कर छोटा इंजन दुखी हो गया। पास खड़े एक बूढ़े इंजन से रहा न गया। वह उसके पास गया और बोला, 'तुम अपने पिता को देखना चाहते हो?'

छोटे इंजन ने आश्चर्य से भर कर कहा, 'हां।'

'तुम जानते हो, पानी कहां से आता है?' बूढ़े इंजन ने पूछा।

'आकाश से।' छोटे इंजन ने सोचते हुए जवाब दिया।

'तुम्हारे पिता आकाश हैं और जिसने तुम्हें जन्म दिया, वह है तुम्हारी धरती मां। इनकी गोद में तुम सदियों तक खेलते रहोगे। यह धरती हम सबकी मां है।' बूढ़े इंजन ने जवाब दिया।

बूढ़े इंजन की बात सुन कर, छोटा इंजन बहुत खुश हुआ। अब उसे पता चल चुका था उसके माता-पिता कौन हैं। अब वह किसी से अपने माता-पिता के बारे में नहीं पूछता था। (उर्वशी)

गिद्ध और गौरैया

नरेंद्र देवांगन

बहुत समय पहले की बात है उन दिनों सभी पक्षियों की आपस में गहरी दोस्ती थी। गिद्ध गौरैय्या को देख कर उस पर झपटता नहीं था।

एक दिन सवेरे सवेरे गिद्ध उड़ रहा था। उसी समय उसे जमीन पर हिलती हुई एक पीले रंग की वस्तु दिखाई दी। पहले तो वह डर गया। फिर हिम्मत कर के उस के करीब गया।

गिद्ध ने ऐसी रंगीन वस्तु पहले कभी नहीं देखी थी। वह उस के और करीब गया। उस में कोई हरकत न होती देख उस की हिम्मत बंधी। पास जा कर उस ने उस में बंधी रस्सी को अपने पंजे से छुआ। फिर भी उस में कोई हरकत नहीं हुई।

गिद्ध में रस्सी को अपनी चोंच में दबा कर उस वस्तु को उठा लिया। जैसे ही वह उड़ा, उसे सामने के पेड़ पर गौरैया दिखाई दी।

गौरैया बोली, 'नमस्कार, गिद्ध भाई यह सवेरे सवेरे गुब्बारा लिए कहा जा रहे हो?

'गुब्बारा? यह गुब्बारा क्या होता है?'

'तुम नहीं जानते कि गुब्बारा क्या होता है?'

'नहीं तो,' गिद्ध ने गरदन हिलाते हुए कहा।

'तो फिर यह तुम्हारी चोंच में क्या है?' गौरैया ने पीले रंग की वस्तु की ओर इशारा करते हुए पूछा।

'हो हो हो', गिद्ध जोर जोर से हंसने लगा, मैं नहीं जानता कि यह क्या है? मुझे तो यह जमीन पर पड़ी मिली। मैंने सोचा कि कोई नया पक्षी है परंतु इस में कोई हरकत न होती देख उत्सुकतावश मैं इस साथ ही उठा लाया।

गिद्ध की बात सुन कर गौरैया भी जोर जोर से हंसने लगी। उस ने गुब्बारे को सहलाते हुए बताया, 'इसे गुब्बारा कहते हैं। इस में हवा भरी होती है। इस में लगे धागे के सिरे को पकड़ लो तो यह इधर उधर हवा में नाचता है।

'कैसे?' बुद्धु की तरह गिद्ध गुब्बारे को एकटक निहारता हुआ उत्सुकता से पूछा।

गौरैया बोली, 'जाओ, मैं तुम्हें बताऊं कि गुब्बारा कैसे नाचता है।'

गौरैया ने झट से गुब्बारे की रस्सी के सिरे को अपनी चोंच में दबा लिया गुब्बारा हवा में इधर उधर उड़ने लगा। गुब्बारे को हवा में नाचता देख कर गिद्ध बेहद प्रसन्न हुआ।

गुब्बारे से होती हुई गिद्ध की नजर जब धरती पर पड़ी तो उसे दूर मांस और हड्डियां चमकती नजर आईं गुब्बारे की बात भूल कर गिद्ध उस मांस की हड्डी की ओर लपका। जाते जाते बोला, 'बहिन, गुब्बारे का ध्यान रखना, इसे मेरे बच्चे खेलेंगे।

'अच्छा, गौरैया बोली।

गौरैया कुछ देर तक गुब्बारे से खेलती रही। फिर थक कर उसे पकड़े बैठी रही। काफी देर हो गई लेकिन गिद्ध नहीं आया।

गुब्बारे को पकड़े पकड़े गौरैया परेशान हो गई। अचानक उसे ध्यान आया कि उसे बहुत जोर से भूख भी लगी है। उस ने गुस्से में गुब्बारे पर चोंच मार दी। गुब्बारा फूट गया।

अब क्या होगा?

गौरैया डर गई।

फूटे गुब्बारे को वहीं पर छोड़ कर वह चुपचाप अपने घोंसले में घुस गई।

कुछ देर पश्चात मांस और हड्डी से जूझते-जूझते थक कर गिद्ध को अपने गुब्बारे की याद आई। वह झट भाग कर गुब्बारे के स्थान पर गया। वहां गौरैया को न पा कर और फूटे गुब्बारे को पेड़ की डाल पर लटका देख कर उसे बहुत क्रोध आया।

गौरैया को गुब्बारे के बारे में पूछने के लिए वह उस के घोंसले के पास गया। उस ने गौरैया को बहुत आवाजें दी परंतु गौरैया घोंसले से बाहर नहीं निकली। घोंसले में ही दुबकी रही।

गिद्ध बहुत देर तक गौरैया के निकलने का इंतजार करता रहा। जब वह न निकली तो थक कर वहां से चला गया।

गिद्ध के जाने के बाद ही गौरैया घोंसले से बाहर आई। इस घटना के बाद से गौरैया गिद्ध से डरने लगी और गिद्ध भी उसे पकड़ने की फिराक में रहने लगा।

कहते हैं, तभी से गिद्ध और गौरैया में दुश्मनी हो गई। गिद्ध गौरैया को झपटने के लिए तैयार रहता है, मानो कह रहा हो,

न्यूज इन ब्रीफ

गुजरात: साबर डेयरी के बाहर पुलिस से झड़प को लेकर 1,000 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी, 47 गिरफ्तार

हिम्मतनगर : गुजरात के साबरकांठा जिले में साबर डेयरी के बाहर डेयरी किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर हमला करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में एक पूर्व विधायक समेत 1,000 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक ए.के. पटेल ने बताया कि पुलिस ने सोमवार के हिंसक विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में अब तक 47 लोगों को गिरफ्तार किया है और कांग्रेस के पूर्व विधायक जशुभाई पटेल सहित अन्य की तलाश जारी है। जशुभाई पटेल साबरकांठा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ या साबर डेयरी के निदेशक भी हैं। उन्होंने कहा कि कई डेयरी किसान हिम्मतनगर कस्बे के निकट परिसर के बाहर एकत्र हुए और दूध खरीद मूल्य में वृद्धि की मांग की।

खरगे, राहुल बुधवार को असम के दौरे पर, कांग्रेस पदाधिकारियों से करेंगे संवाद

गुवाहाटी : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बुधवार को असम का दौरा करेंगे, जहां वे राज्य के पार्टी पदाधिकारियों के साथ संवाद करेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि पार्टी के जिला, ब्लॉक और मंडल अध्यक्ष, कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेताओं की यात्रा के दौरान उनके समक्ष अपने विचार रख सकेंगे। गोगोई ने एक्स पर पोस्ट किया, मैं कल असम में खरगे जी और राहुल गांधी जी का स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं। उनकी यात्रा असम के लोगों के साथ एकजुटता का एक शक्तिशाली प्रदर्शन है। उन्होंने कहा, यह यात्रा न्याय, सद्भाव और सभी के लिए समावेशी प्रगति के प्रति कांग्रेस पार्टी की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है । लोकसभा में पार्टी के उपनेता ने यह भी कहा, इस चुनौतीपूर्ण समय में, उनकी उपस्थिति बेहतर भविष्य का सपना देखने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता और नागरिक को ताकत देगी।

राष्ट्रपति मुर्मू 17 जुलाई को 'स्वच्छ सर्वेक्षण' पुरस्कार प्रदान करेंगी

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 17 जुलाई को 'स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2024-25' प्रदान करेंगी। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह हर साल आयोजित होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण का नौवां संस्करण होगा। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने कहा कि इस कार्यक्रम में भारत के सबसे स्वच्छ शहरों को सम्मानित किया जाएगा और स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम-यू) के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के अथक प्रयासों को मान्यता दी जाएगी। इस वर्ष चार श्रेणियों में कुल 78 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जिसमें सुपर स्वच्छ लीग शहर; पांच जनसंख्या श्रेणियों में शीर्ष तीन स्वच्छ शहर; विशेष श्रेणी: गंगा शहर, छावनी बोर्ड, सफाई मित्र सुरक्षा, महाकुंभ; और राज्य स्तरीय पुरस्कार- किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश का स्वच्छ शहर है, दिया जाएगा।

मणिपुर में बड़ी कार्रवाई के तहत 86 हथियार और 974 गोला-बारूद बरामद

इंफाल : मणिपुर के घाटी के पांच जिलों में मंगलवार को सुरक्षा बलों ने एक साथ चलाए गए समन्वित अभियान में 86 हथियार और 974 गोला-बारूद बरामद किए। पुलिस महानिरीक्षक (जोन-2) के. कबीब ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व, काकचिंग, इंफाल पश्चिम, थौबल और बिष्णुपुर जिलों में अभियान चलाया। उन्होंने कहा, ''मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीम द्वारा कई स्थानों पर एक साथ समन्वित अभियान चलाया गया।'' उन्होंने बताया कि बरामद हथियारों में पांच एके राइफल, तीन इंसास राइफल, 16 एसएलआर, पांच प्वॉइंट 303 राइफल, 19 पिस्तौलें, दो कार्बाइन, नौ अन्य प्रकार की राइफल और 16 सिंगल बैरल बंदूक शामिल हैं।

'एक धर्म के लोगों के हमले' से असम में जनसांख्यिकी बदल रही है: हिमंत

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को दावा किया कि राज्य के मूल समुदाय के लोग ''एक धर्म'' के लोगों से ''खतरे'' का सामना कर रहे हैं, जो कथित तौर पर उन क्षेत्रों की जनसांख्यिकी को बदलने के लिए विभिन्न हिस्सों में भूमि पर अतिक्रमण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के बेदखली अभियान के जरिए 2021 से अब तक 1.19 लाख बीघा से अधिक जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया जा चुका है। उन्होंने इसे असमिया-बहुल इलाकों में प्रवासियों द्वारा राजनीतिक रूप से पांव जमाने की इस कथित कोशिश को रोकने की दिशा में एक बड़ा

कदम बताया है। मुख्यमंत्री ने यह नहीं बताया कि यह कथित कोशिश कौन कर रहा था, लेकिन बेदखल किए गए अधिकतर लोग बांग्ला भाषी मुसलमान हैं। शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बेदखली अभियान के दौरान यह पाया गया है कि अतिक्रमणकारी अधिकतर वे लोग हैं जिनकी अपने मूल जिलों में जमीन है, फिर भी वे राज्य के दूर-दराज के इलाकों में अवैध रूप से बसने के लिए चले जाते हैं। उन्होंने दावा किया, ''वन विनाश एक समस्या है। ये लोग उस जगह की जनसांख्यिकी बदलने के लिए पलायन करते हैं।'' शर्मा ने कहा कि जैसे ही ये लोग राज्य के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में बसते हैं, वे नए इलाके में मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराते हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जब उनकी संख्या हजारों में हो जाती है, तो वे एक बड़ा वोट बैंक बन जाते हैं और राजनीतिक दलों के नेता जंगल या सरकारी जमीन पर उनके शुरुआती अतिक्रमण के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते।

लोगों के जीवन को बदल रही है आधुनिक प्रौद्योगिकी, दुरुपयोग से सावधान रहें: राष्ट्रपति मुर्मू

कटक : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से लोगों की सोच और कार्यशैली में व्यापक बदलाव आने का उल्लेख करते हुए मंगलवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के दुरुपयोग के प्रति सावधान रहने की सलाह भी दी। मुर्मू ने यहां रेवेनशॉ विश्वविद्यालय के 13वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि विश्वविद्यालय इन प्रौद्योगिकियों का अच्छा उपयोग कर रहा है। उन्होंने कहा, ''यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, 3डी प्रिंटिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग ने हमारी सोच और कार्यशैली में व्यापक बदलाव ला दिया है।'' हालांकि, मुर्मू ने ''सभी को इन उन्नत प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग के प्रति

सावधान रहने की सलाह दी।'' मुर्मू ने छात्राओं के बढ़ते शैक्षणिक प्रदर्शन का उल्लेख किया, जिन्होंने इस वर्ष विश्वविद्यालय के 27 विभागों में से 21 में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कहा, ''पिछले पांच वर्षों में, संस्थान में छात्राओं ने पढ़ाई के मामले में लगातार छात्रों से बेहतर प्रदर्शन किया है। स्नातकोत्तर स्तर पर, टॉप करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों की तुलना में साढ़े तीन गुना से भी अधिक है। यह दर्शाता है कि भारत महिला सशक्तीकरण से महिला-नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ रहा है।'' उन्होंने विश्वविद्यालय में जनजातीय छात्रों, वंचित और दिव्यांग छात्रों के नामांकन में लगातार हो रही वृद्धि पर भी संतोष जताया। स्नातक छात्रों से भविष्य में और अधिक ईमानदार और मेहनती बनने का आह्वान करते हुए, मुर्मू ने कहा, ''आज से, आपका जीवन एक नया मोड़ लेगा। आप शैक्षणिक विश्वविद्यालय से बाहर निकलकर जीवन और समाज के एक बड़े विश्वविद्यालय में कदम रखेंगे। मुझे आशा है कि आप जीवन और समाज के विश्वविद्यालय में भी सफलता और सम्मान प्राप्त करेंगे।''

पांच साल से छोटे बच्चों का 'आधार' सात साल पर अद्यतन करना अनिवार्य, अमान्य होने का खतरा

नयी दिल्ली : पांच साल से कम उम्र में आधार कार्ड बनवाने वाले बच्चों के लिए सात साल की उम्र पार करने के बाद अपने बायोमेट्रिक्स को अद्यतन करवाना जरूरी है। ऐसा न करने पर उनकी विशिष्ट पहचान संख्या को निष्क्रिय किया जा सकता है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने 'बायोमेट्रिक को अनिवार्य रूप से अद्यतन करने' (एमबीयू) की प्रक्रिया पूरी करने के लिए बच्चों के आधार में दर्ज मोबाइल नंबर पर एसएमएस संदेश भेजना शुरू कर दिया है। बयान के मुताबिक, ''बच्चों के बायोमेट्रिक आंकड़ों की सटीकता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए एमबीयू का समय पर पूरा होना एक आवश्यक शर्त है। यदि सात वर्ष की आयु के बाद भी एमबीयू को पूरा नहीं किया जाता है, तो मौजूदा नियमों के अनुरूप आधार संख्या निष्क्रिय हो सकती है।'' यूआईडीएआई के एक अधिकारी ने कहा कि अगर बच्चे अपनी उंगलियों के निशान और आंखों की पुतली के ब्योरे को अद्यतन नहीं कराते हैं, तो उन्हें आधार से जुड़ी विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, पांच साल से कम उम्र के बच्चों के आधार नामांकन के लिए उनकी उंगलियों के निशान और आंखों की पुतलियों के बायोमेट्रिक्स नहीं लिए जाते हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चे की तस्वीर, नाम, जन्मतिथि, लिंग, पता और प्रमाण के दस्तावेज से ही आधार के लिए नामांकन होता है।

चार इंजन वाली सरकार पूरी तरह नाकाम: केजरीवाल

नयी दिल्ली : आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि ''चार इंजन वाली सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है।'' उन्होंने लगातार दो दिन शैक्षणिक संस्थानों को मिली बम की धमकियों के बाद दिल्ली की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताई। द्वारका के एक स्कूल और प्रतिष्ठित सेंट स्टीफंस कॉलेज को मंगलवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की और गहन तलाशी अभियान चलाया। सोमवार को भी इसी तरह तीन विद्यालयों को धमकी मिली थीं लेकिन बाद में यह अफवाह साबित हुईं। इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''दिल्ली में ये क्या हो रहा है? कल दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली और आज एक और स्कूल तथा कॉलेज को धमकी मिली है। बच्चे डरे हुए हैं, अभिभावक बेहद चिंतित हैं। भाजपा की चार-चार इंजन वाली सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है।'' आप की एक अन्य नेता आतिशी ने आरोप लगाया कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है और उन्होंने कटाक्ष करते हुए सवाल उठाया कि क्या भाजपा सरकार के लिए छात्रों की सुरक्षा कोई मायने नहीं रखती?

न्यायालय ने विवाह के पूरी तरह टूटने के आधार पर दंपति को तलाक की अनुमति दी

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने अलग रह रहे एक दंपति को विवाह के पूरी तरह टूटने के आधार पर तलाक की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि यह निर्णय पक्षकारों और उनके बच्चे के ''सर्वोत्तम हित'' में है, ताकि वे स्वतंत्र और शांतिपूर्ण जीवन जी सकें, जो ''लंबी और निरर्थक कानूनी लड़ाई की छाया से मुक्त'' हो। शीर्ष अदालत ने कहा कि विवाह संस्था ''गरिमा, आपसी सम्मान और साझा साहचर्य'' पर आधारित है तथा जब ये आधारभूत पहलू पूरी तरह से नष्ट हो जाते हैं, तो जोड़े को कानूनी रूप से बाध्य रखने से कोई लाभकारी उद्देश्य पूरा नहीं होता। फैसले में कहा गया, ''पक्षों के बीच विवाह विच्छेद हो गया है और इस न्यायालय द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए उनके पक्ष में तलाक का आदेश दिया जाता है।''

भाजपा के भ्रष्टचार के कारण बर्बाद हो रही है सार्वजनिक व्यवस्था : राहुल

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मानसून में हुए कुछ पुल हादसों तथा अन्य बड़ी दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ''भ्रष्टाचार'' के कारण बर्बाद होती सार्वजनिक व्यवस्था का दंश झेल रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ''मानसून आया और साथ ही आपके टैक्स के पैसे भी बहा ले गया, भाजपा के भ्रष्टाचार की गंदगी में। हर बार जब कोई पुल गिरता है, हर बार जब कोई सड़क बह जाती है, हर बार जब कोई ट्रेन पटरी से उतरती है समझ लीजिए, ये सिर्फ़ निर्माण की असफलता नहीं, ये आपकी जेब से एक संगठित लूट है।'' उन्होंने कहा कि हर बार जब हादसे में किसी के प्रिय की जान जाती है और कोई ज़िम्मेदार नहीं

ठहराया जाता, तो वो दुर्घटना नहीं, हत्या होती है। उन्होंने हाल की कुछ प्रमुख दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए कहा, ''हर दिन, हर साल भारत के छोटे गांव से लेकर बड़े शहर तक लोग इस बर्बाद होती सार्वजनिक व्यवस्था का दंश झेल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''अब सरकार से जवाब मांगने का वक्त आ गया है। इनकी नाकामी की जवाबदेही तय करने का और उसके नतीजों की ज़िम्मेदारी लेने को मजबूर करने का समय है।''

शुक्ला ने भारत का गौरव बढ़ाया, वैज्ञानिकों में फिर से विश्वास जगाया: अमित शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के बाद पृथ्वी पर सफलतापूर्वक लौटने पर मंगलवार को बधाई दी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि शुक्ला ने एक ऐसी ''विजय गाथा'' लिखी है, जिसने न केवल देश का गौरव बढ़ाया है, बल्कि भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों एवं वैज्ञानिकों में अपनी प्रतिभा और साहस को लेकर विश्वास भी जगाया है। ड्रैगन अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार अपराह्न तीन बजकर एक मिनट पर अमेरिका में दक्षिणी कैलिफोर्निया के सैन डिएगो के पास समुद्र में उतरा। इस तरह

शुक्ला (39), कमांडर पैगी व्हिटसन और मिशन विशेषज्ञ पोलैंड के स्लावोज़ उज्नान्स्की-विस्नीवस्की तथा हंगरी के टिबोर कापू की 20 दिन की अंतरिक्ष यात्रा पूरी हो गई, जिसमें 18 दिन उन्होंने आईएसएस पर बिताए। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा के बाद पृथ्वी पर उनकी सफल वापसी पर हार्दिक बधाई। भारत की महानता की खोज में उन्होंने विजय की एक ऐसी गाथा लिखी है, जिसने न केवल हमारा गौरव बढ़ाया है, बल्कि भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों और वैज्ञानिकों में अपनी प्रतिभा और साहस के प्रति विश्वास भी जगाया है।'' गृह मंत्री ने कहा कि इस यात्रा के दौरान अर्जित ज्ञान और अनुभव भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों में भारत के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाना होगा : विदेश मंत्री जयशंकर

बीजिंग : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को चीन के तिआनजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का मुद्दा उठाया और कहा कि सदस्य देशों को संगठन के मूल उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए और आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरतनी चाहिए। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा है। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला जानबूझकर जम्मू-कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और धार्मिक तनाव पैदा करने के मकसद से किया गया था। इस हमले में 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने इस हमले की कड़ी निंदा की थी। सुरक्षा परिषद ने यह भी कहा था कि इस निंदनीय आतंकी हमले के अपराधियों, साजिशकर्ताओं, फंडिंग करने वालों और समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि भारत ने ठीक ऐसा ही किया है और आगे भी करता रहेगा। जयशंकर ने कहा कि शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ से मुकाबले के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने कहा कि ये तीनों समस्याएं अक्सर एक साथ देखने को मिलती हैं।

दिग्गज अभिनेता-निर्माता धीरज कुमार का निधन

मुंबई : मनोज कुमार की फिल्म 'रोटी कपड़ा और मकान' में अभिनय करने और हिट टेलीविजन शो 'ओम नमः शिवाय' और 'अदालत' के निर्माण के लिए पहचाने जाने वाले दिग्गज अभिनेता-निर्माता धीरज कुमार का यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके एक पारिवारिक मित्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वह 79 वर्ष के थे। कुमार निमोनिया से गंभीर रूप से पीड़ित थे और उन्हें कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल की गहन चिकित्सा यूनिट में भर्ती कराया गया था। कुमार के करीबी सहयोगी और पारिवारिक मित्र अजय शुक्ला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आज सुबह 11 बजे कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में निमोनिया के कारण उनका निधन हो गया। वह कुछ समय से अस्वस्थ थे और शनिवार को बुखार, सर्दी और खांसी की शिकायत के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उम्र संबंधी जटिलताओं के कारण उन्हें आईसीयू में रखा गया था। शुक्ला ने बताया कि कुमार का अंतिम संस्कार बुधवार को पवन हंस श्मशान घाट पर किया जाएगा। कुमार के परिवार ने एक बयान में उनके निधन की पुष्टि की।

दिल्ली: सेंट स्टीफंस कॉलेज और द्वारका स्थित स्कूल को बम की धमकी

नयी दिल्ली : दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज और सेंट थॉमस स्कूल को मंगलवार को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद दोनों परिसरों में आपातकालीन सेवाएं तुरंत पहुंचीं और अधिकारियों द्वारा पूरे परिसरों में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, श्वान दस्ता और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और परिसरों की गहन तलाशी ली। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बंथिया ने कहा कि सेंट स्टीफन कॉलेज की ओर से कहा गया है कि कॉलेज को सुबह सवा सात बजे बम की धमकी मिली थी। पुलिस के एक बयान में बंथिया के हवाले से कहा गया, मेल में कहा गया कि कॉलेज परिसर और पुस्तकालय में चार परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) और दो आरडीएक्स (विस्फोटक) लगाए गए हैं और अपराह्न दो बजे तक ये फट जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि मौरिस नगर पुलिस थाने और अन्य एजेंसियों की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और पूरे परिसर की घेराबंदी कर दी गई है तथा गहन जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। अग्निशमन विभाग को सुबह आठ बजकर 50 मिनट पर सेंट स्टीफन कॉलेज में बम होने की सूचना मिली, जबकि सेंट थॉमस स्कूल से भी आठ बजकर एक मिनट पर बम की धमकी की एक और सूचना मिली।

ओडिशा : आत्मदाह करने वाली छात्रा की मौत, मुख्यमंत्री ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही

भुवनेश्वर : एक शिक्षक द्वारा कथित तौर पर ''यौन उत्पीड़न'' किए जाने के मामले में न्याय न मिलने पर आत्मदाह करने वाली 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा ने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में दम तोड़ दिया। अस्पताल ने यह जानकारी दी। बालासोर के फकीर मोहन (स्वायत्त) महाविद्यालय की एकीकृत बीएड पाठ्यक्रम की द्वितीय वर्ष की छात्रा ने तीन दिन तक जिंदगी और मौत से लड़ने के बाद सोमवार रात दम तोड़ दिया। शिक्षक के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से आहत छात्रा ने शनिवार को यह कदम उठाया और वह 95 प्रतिशत तक झुलस गई थी। छात्रा की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि मामले में सभी दोषियों को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। छात्रा को पहले बालासोर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था और फिर बेहतर उपचार के लिए भुवनेश्वर स्थित एम्स भेज दिया गया। अधिकारियों के अनुसार 'बर्न सेंटर' विभाग की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में उसका उपचार किया जा रहा था। 'बर्न सेंटर' ने एक बयान में कहा, ''मरीज को 'फ्लूइड्स' (अंतरशिरा तरल) और 'एंटीबायोटिक्स' (संक्रमण को खत्म करने वाली दवा) दी गईं, उसे वेंटिलेटर पर रखा गया। विभाग के आईसीयू में उपचार किया गया और गुर्दे की 'रिप्लेसमेंट थेरेपी' सहित सभी संभव सहायक उपायों के बावजूद, उसे बचाया नहीं जा सका और 14 जुलाई की रात 11 बजकर 46 मिनट पर उसे मृत घोषित कर दिया गया।'' मुख्यमंत्री माझी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''फकीर मोहन (स्वायत्त) महाविद्यालय की छात्रा की मृत्यु की खबर सुनकर बेहद दुखी हूं। सरकार द्वारा सभी जिम्मेदारियों को निभाने और विशेषज्ञ चिकित्सा दल के अथक प्रयासों के बावजूद, छात्रा को नहीं बचाया जा सका।''

संसद सत्र की तैयारी में जुटी कांग्रेस, वरिष्ठ नेताओं के साथ रणनीति पर मंथन करेंगी सोनिया गांधी

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने मंगलवार को फैसला किया कि 21 जुलाई से आरंभ हो रहे संसद के मानसून सत्र के दौरान वह पहलगाम हमले के आतंकियों के बारे में अब तक पता नहीं चलने, ऑपरेशन सिंदूर को रोके जाने और बिहार में जारी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी। पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस के संसदीय रणनीतिक समूह की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक के बाद राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी ने संवाददाताओं से कहा कि देश यह पूछ रहा है कि पहलगाम में 26 महिलाओं के मांग का सिंदूर उजाड़ने वाले आतंकी कहां हैं। उन्होंने कहा कि यह भी मुद्दा है कि अमेरिका के दबाव में ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया। तिवारी ने कहा कि संसद में पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता इन दोनों मामलों पर सरकार से जवाब मांगने की होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी पुनरीक्षण के विषय को भी उठाएगी। उनका कहना था कि निर्वाचन आयोग जिस तरह से पुनरीक्षण कर रहा है उससे लोकतंत्र को खतरा है। तिवारी ने बताया कि जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग इस सत्र में उठाई जाएगी। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई को आरंभ होगा और 21 अगस्त तक चलेगा।

एएआईबी की रिपोर्ट अपनी प्रकृति के अनुसार ही कई सवाल उठाती है, जवाब नहीं मुहैया कराती: पायलट फेडरेशन

नयी दिल्ली : इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन (इफाल्पा) ने कहा है कि एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट अपनी प्रकृति के अनुसार ही कई सवाल उठाती है लेकिन जवाब मुहैया नहीं कराती। संगठन ने इस मामले में सभी पक्षों से अटकलों से बचने का आग्रह किया है। गत 12 जून को अहमदाबाद में एअर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान की दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने शनिवार को कहा था कि उड़ान भरने के तुरंत बाद 1 सेकंड के अंतराल में इंजन के ईंधन स्विच बंद हो गए,

जिससे विमान के कॉकपिट में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई और फिर विमान एक इमारत से टकरा गया। उड़ान संख्या एआई 171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। कॉकपिट के अंदर की आवाज की रिकॉर्डिंग का हवाला देते हुए, शनिवार को जारी 15-पृष्ठ की प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि एक पायलट ने पूछा कि स्विच क्यों बंद हुआ और दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया। हालांकि प्रारंभिक रिपोर्ट में कोई निष्कर्ष नहीं निकाला गया है, लेकिन कुछ हलकों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि पायलट की संभावित गलती दुर्घटना का एक कारण हो सकती है। इफाल्पा ने 14 जुलाई को एक बयान में कहा, ''हालांकि यह प्रारंभिक रिपोर्ट अपने आप में कई सवाल उठाती है, लेकिन इसमें कोई जवाब नहीं है, और इसकी सामग्री का कोई भी अनुमान केवल अनुमान ही माना जा सकता है, जो जांच के सुचारू संचालन के लिए उपयुक्त नहीं है।'' संगठन के अनुसार, रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि इस स्तर पर कोई सुरक्षा सुझाव नहीं दिए जा रहे हैं और इस बात पर जोर दिया गया है कि फेडरेशन भारत के एएआईबी के प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि वे दुर्घटना के लिए जिम्मेदार कारकों का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं। इफाल्पा का दावा है कि 100 देशों के 1 लाख पायलट इसके सदस्य हैं। शनिवार को, इफाल्पा के सदस्य संगठन 'एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (एएलपीए) ने कहा कि जांच की दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का संकेत देती है।

कोविड के बाद घर के लिए जमीन की मांग बढ़ी

साढे तीन साल में 2.44 लाख करोड़ रु. के भूखंड पेश

नयी दिल्ली : कोविड महामारी के बाद देश में घर बनाने के लिए जमीन की मांग बढ़ी है। इस मांग को पूरा करने के लिए पिछले साढ़े तीन साल में 2.44 लाख करोड़ रुपये के आवासीय भूखंड पेश किए गए हैं। प्रॉपइक्विटी की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। जमीन, मकान से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी प्रॉपइक्विटी के अनुसार, जनवरी, 2022 से मई, 2025 के बीच बेंगलुरु और रायपुर समेत 10 महानगरों और मझोले (टियर-1 और टियर-2) शहरों में रियल एस्टेट कंपनियों ने लगभग 4.7 लाख आवासीय भूखंड पेश किए हैं। ये 10 शहर हैं... हैदराबाद, इंदौर, बेंगलुरु, चेन्नई, नागपुर, जयपुर, कोयंबटूर, मैसूर, रायपुर और सूरत। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) समीर जसूजा ने मंगलवार को बयान में कहा, ''2022 से 2025 (मई) के बीच 10 महानगरों और मझोले शहरों में पेश किए गए आवासीय भूखंड का अनुमानित मूल्य लगभग 2.44 लाख करोड़ रुपये है।'' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में आवास के लिए जमीन की मांग बढ़ी है। इसका कारण अपार्टमेंट की तुलना में जमीन की कीमत बढ़ने की संभावना अधिक होती है। साथ इसे बेचना भी आसान होता है।

जसूजा ने कहा कि कई संभावित ग्राहक जमीन पसंद करते हैं क्योंकि वे अपने रहने की जगह को अपने हिसाब से बनाना पसंद करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, इन 10 शहरों में रिहायशी भूखंड की आपूर्ति 2024 में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत घटकर 1,26,556 भूखंड रह गई, जो पिछले वर्ष 1,63,529 भूखंड थी। प्रॉपइक्विटी ने कहा कि 2025 के पहले पांच महीनों के दौरान 45,591 आवासीय भूखंड पेश किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ''कंपनियों के लिए, भूखंड जल्दी नकदी सृजित करते हैं। इसका कारण इनमें अपार्टमेंट की तुलना में बिक्री तेज होती है और शुरुआती निवेश कम होता है।'' इस बारे में बेंगलुरु की रियल एस्टेट कंपनी संजीवनी ग्रुप के चेयरमैन और संस्थापक उमेशा गौड़ा एच.ए ने कहा, ''घर के लिए जमीन की बढ़ती मांग, घर खरीदारों की प्रकृति से निकटता, निजता और अपने हिसाब से मकान बनाने की बढ़ती प्राथमिकता को दर्शाती है। इसके अलावा, उपनगरों के विकास और संपर्क बुनियादी ढांचे के मजबूत होने से घर खरीदारों के लिए विकल्प मिल गये हैं और वे इसे तरजीह देने लगे हैं।''

भारतीय बल्लेबाज देवदत्त पडिक्क केएससीए टी20 के पहले नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बनें

बेंगलुरु : भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने मंगलवार को यहां महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 से पहले हुई खिलाड़ियों की नीलामी में सर्वाधिक 13.20 लाख रुपये की बोली हासिल की। देवदत्त के लिए 11 से 27 अगस्त तक दर्शकों के बिना आयोजित होने वाली लीग के लिए हुबली टाइगर्स ने सबसे बड़ी बोली लगाई। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले अभिनव मनोहर और पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनीष पांडे को दूसरी सबसे ऊंची बोली मिली, दोनों के लिए क्रमशः हुबली टाइगर्स और मैसूर वॉरियर्स ने एक समान 12.20 लाख रुपये खर्च किये। गेंदबाजों में शिवमोग्गा लायंस ने कर्नाटक के तेज गेंदबाज विद्वथ कावेरप्पा के लिए 10.80 लाख रुपये की बड़ी बोली लगाई, जबकि बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने तेज गेंदबाज विद्याधर पाटिल के लिए 8.30 लाख रुपये खर्च किए। शिवमोगा लायंस ने भारत ए के बल्लेबाज अनीश्वर गौतम को 8.20 लाख रुपये में अपनी टीम से जोड़ा, जबकि मैंगलोर ड्रैगन्स ने अनुभवी श्रेयस गोपाल के लिए 8.60 लाख रुपये की बोली लगाई। प्रत्येक टीम अपने संबंधित क्षेत्र से दो और खिलाड़ियों को अपने दल में शामिल करेगी।

शेफाली टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंची

दुबई : भारत की आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रही। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 158.56 के स्ट्राइक रेट से 176 रन बनाने वाली शेफाली इस रैंकिंग में 655 अंकों के साथ चार स्थान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गयी है। उप-कप्तान स्मृति मंधाना तीसरे नंबर के साथ इस सूची में शीर्ष भारतीय खिलाड़ी है। मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान नीचे 14वें स्थान पर खिसक गयी। भारत की ऐतिहासिक 3-2 से श्रृंखला जीत में अहम योगदान देने वाली अरुंधति रेड्डी गेंदबाजी रैंकिंग में चार स्थान की सुधार के साथ 39वें स्थान पर और हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में 26 स्थान की छलांग लगाकर 80वें स्थान पर पहुंच गयी। अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा को गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह तीसरे पायदान पर खिसक गयी है। राधा यादव तीन पायदान के सुधार के साथ रैंकिंग में 15वें स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 27 रन पर ढेर किया, श्रृंखला 3-0 से जीती

किंग्स्टन (जमैका): मिशेल स्टार्क ने नौ रन देकर छह विकेट लिए और स्कॉट बोलैंड ने हैट्रिक ली जिससे ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को टेस्ट क्रिकेट के दूसरे न्यूनतम स्कोर 27 रन पर आउट कर दिया तथा तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच 176 रन से जीत कर श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। वेस्टइंडीज पर एक समय टेस्ट क्रिकेट में न्यूनतम स्कोर पर आउट होने का खतरा मंडरा रहा था लेकिन खराब फील्डिंग का फायदा उठाकर वह न्यूजीलैंड के 26 रन के विश्व रिकॉर्ड से एक रन आगे निकलने में सफल रहा। अपना 100वां टेस्ट मैच खेल रहे स्टार्क ने अपनी पहली 15 गेंद पर पांच विकेट लिए जो टेस्ट इतिहास में सबसे तेज पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने करियर में 15वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट लिए। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने इस दौरान टेस्ट क्रिकेट में 400 विकेट भी पूरे किए। उन्होंने वेस्टइंडीज़ की दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर एक विकेट और पहले ही ओवर में तीन विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया को सबीना पार्क में पहले दिन-रात्रि टेस्ट में 204 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे वेस्टइंडीज को हराने और श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप करने में केवल 14.3 ओवर लगे। यह मैच केवल ढाई दिन में समाप्त हो गया।

भारत के पास जिस तरह की प्रतिभा है, उसे लॉर्ड्स टेस्ट जीतना चाहिए था: गांगुली

मुंबई : पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारत की हार पर निराशा व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि इस टीम में असाधारण प्रतिभा होने के बावजूद उसे गलत नतीजे का सामना करना पड़ा। गांगुली का मानना है कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का बेहतर प्रदर्शन भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में बढ़त दिला देता। भारतीय टीम तीसरे टेस्ट में जीत के लिए 193 रन का पीछा करते हुए लक्ष्य से 22 रन दूर रह गयी। इस हार के साथ ही टीम पांच मैचों की श्रृंखला में 1-2 से पिछड़ गयी। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के बाद रविंद्र जडेजा (नाबाद 61) की अगुवाई में निचले क्रम के बल्लेबाजों से जिस तरह का संघर्ष दिखाया वह काबिले तारीफ था। गंगुली ने इंडियन रेसिंग लीग और एफ 4 इंडिया चैम्पियनशिप कार्यक्रम के इतर कहा, 'इस श्रृंखला में भारत के बल्लेबाजी के तरीके से थोड़ी निराशा हुई, उन्हें यह 190 रन बनाने चाहिए थे।' उन्होंने कहा, 'जब आप जडेजा को इस तरह से संघर्ष करते हुए देखते है तो मुझे लगता है कि इस टीम में जो प्रतिभा है उससे खिलाड़ी मुझसे ज्यादा निराश होंगे। यह इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में 2-1 की बढ़त लेने का मौका था। मुझे यकीन है कि वे 190 तक नहीं पहुंच पाने से निराश होंगे, खासकर उनके ड्रेसिंग रूम में बल्लेबाजी की गुणवत्ता को देखते हुए।' गांगुली ने कहा कि अगर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज थोड़ा बेहतर खेलते, तो परिणाम अलग होता। यशस्वी जायसवाल अपना खाता नहीं खोल पाए, जबकि शुभमन गिल (छह) और ऋषभ पंत (नौ) दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाए। केएल राहुल ने पारी का आगाज करते हुए 39 रनों की पारी खेली, लेकिन आखिर में जडेजा (61 रन नाबाद) अकेले पड़ गये।

आईजीपीएल का पहला टूर्नामेंट 2026 में, युवराज सिंह सह मालिक और ब्रांड दूत बने

गुरुग्राम : पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को मंगलवार को इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) का सह मालिक और ब्रांड दूत घोषित किया गया जिसमें पहले साल खिताब के लिए छह टीम चुनौती पेश करेंगी। आयोजकों ने यहां एक कार्यक्रम में बताया कि शहर आधारित फ्रेंचाइजी लीग में छह टीम हिस्सा लेंगी और इसके अनूठे प्रारूप के तहत पुरुष और महिला पेशेवर गोल्फ खिलाड़ी एक साथ खेलेंगे। यह लीग अगले साल जनवरी-फरवरी में खेली जाएगी और चार सप्ताह तक चलेगी। लीग के आयोजक भारत गोल्फ प्राइवेट लिमिटेड के प्रमुख मानव जैनी ने संवाददाताओं से कहा, 'यह लीग चार सप्ताह तक चलने वाला एक शानदार गोल्फ टूर्नामेंट होगा जो फ्रेंचाइजी प्रारूप पर आधारित होगा। पहले साल में हम छह फ्रेंचाइजी के साथ शुरुआत कर रहे।' हालांकि युवराज इस कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे लेकिन उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए अपनी खुशी जाहिर की। युवराज ने कहा, 'आईजीपीएल टीम में शामिल होना और इस शानदार खेल को एक नए रूप में प्रचारित करने का अवसर मिलना बेहद उत्साहजनक है।' उन्होंने कहा, 'विश्व स्तर पर सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक होने के बावजूद गोल्फ को भारत में अब भी एक विशिष्ट खेल माना जाता है। अधिक दर्शकों और खिलाड़ियों तक इसकी पहुंच बढ़ाने और गोल्फ को दर्शकों के लिए और भी अधिक अनुकूल बनाने के लिए एक तेज प्रारूप की आवश्यकता है।'

जडेजा बशीर के खिलाफ जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेल सकते थे: कुंबले

नयी दिल्ली : भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा को स्पिनर शोएब बशीर के खिलाफ मोहम्मद सिराज को स्ट्राइक देने की जगह खुद जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेलना चाहिए था। जडेजा के साथ पुछल्ले बल्लेबाजों के संघर्ष सेभारत मैच में वापसी करने में काफी हद तक सफल रहा लेकिन उसे 22 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा। कुंबले को इस मैच ने चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट की याद दिला दी जिसमें सचिन तेंदुलकर ने पीठ दर्द के बावजूद 136 रन की पारी खेली लेकिन भारतीय टीम को 12 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में ऑफ स्पिनर सकलैन मुश्ताक द्वारा जवागल श्रीनाथ का आउट होना सोमवार को सिराज के स्टंप्स की गिल्लियों को गिराने वाली गेंद के समान था। चेन्नई में जनवरी 1999 में खेले गये उस टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा रहे कुंबले ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा, 'मुझे इस मैच को देखकर चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया टेस्ट मैच याद आ गया, जिसमें हम 12 रन से हार गये थे। (सिराज का आउट होना) कुछ वैसा ही था। टीम लक्ष्य से सिर्फ 22 रन दूर थी। जडेजा एक छोर पर बस खड़े रहे। मेरा मतलब है, वह भारत को जीत के इतने करीब लाने की योजना में सफल रहे लेकिन इंग्लैंड ने कोई ढिलाई नहीं बरती।' जडेजा ज्यादातर ओवर की चौथी या पांचवीं गेंद पर एक रन चुरा रहे थे, लेकिन कुंबले का मानना है कि उन्हें कम गति के गेंदबाजों के खिलाफ जोखिम उठाना चाहिए था। कुंबले ने कहा, 'उन्हें उन गेंदबाजों का चयन करना चाहिये थे जिसके खिलाफ वह आक्रामक रूख अपना सकते थे। क्रिस वोक्स, जो रूट और बशीर ऐसे गेंदबाज थे। बशीर और रूट भले ही ऑफ स्पिनर है लेकिन उनकी गेंद बहुत ज्यादा टर्न नहीं ले रही थी।' उन्होंने कहा, 'अगर किसी को जोखिम उठाना था तो वह जडेजा ही थे जिन्हें ऐसा करना चाहिये था।

महिला विश्व कप से पहले इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा भारत

दुबई : भारत इस साल सितंबर-अक्टूबर में अपनी और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले महिला एकदिवसीय विश्व कप से पहले बेंगलुरु में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। पाकिस्तान अपने अभ्यास मैच और विश्व कप मैच दोनों श्रीलंका में खेलेगा। यह भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आपसी सहमति से तय किया है। भारत 25 सितंबर को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एक मैदान पर पहले अभ्यास मैच में इंग्लैंड से भिड़ेगा और 30 सितंबर को चिन्नास्वामी स्टेडियम में टूर्नामेंट शुरू होने से तीन दिन पहले 27 सितंबर को न्यूजीलैंड से उसी स्थान पर खेलेगा। पाकिस्तान 25 और 28 सितंबर को कोलंबो के कोलंबो क्रिकेट क्लब में क्रमशः श्रीलंका और श्रीलंका 'ए' टीम के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में कहा, '25 से 28 सितंबर तक एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एक मैदान (दोनों बेंगलुरु), आर प्रेमदासा स्टेडियम और कोलंबो क्रिकेट क्लब (दोनों कोलंबो) में कुल नौ दिन-रात्रि मैच खेले जाएंगे।' बेंगलुरु और कोलंबो के चार स्थानों पर होने वाले अभ्यास मैचों में आठ टीमें प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। गत विजेता ऑस्ट्रेलिया पहले दिन अभ्यास नहीं करने वाली एकमात्र टीम है। टीम 27 सितंबर को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एक मैदान पर चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच से शुरुआत करेगी। पचास ओवरों के विश्व कप की 12 साल बाद उपमहाद्वीप में वापसी हो रही है। यह टूर्नामेंट 30 सितंबर से दो नवंबर तक पांच स्थानों - एम चिन्नास्वामी स्टेडियम (बेंगलुरु), एसीए स्टेडियम (गुवाहाटी), होल्कर स्टेडियम (इंदौर), एसीए-वीडीसीए स्टेडियम (विशाखा-पत्तनम) और आर प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो) में खेला जाएगा।

अभ्यास मैचों का कार्यक्रम:

25 सितंबर: भारत बनाम इंग्लैंड, बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम श्रीलंका बनाम पाकिस्तान, कोलंबो क्रिकेट क्लब बांग्लादेश बनाम श्रीलंका 'ए', आर प्रेमदासा स्टेडियम 27 सितंबर: ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान भारत बनाम न्यूजीलैंड, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम श्रीलंका बनाम बांग्लादेश, कोलंबो क्रिकेट क्लब 28 सितंबर: दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत 'ए', बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पाकिस्तान बनाम श्रीलंका 'ए', कोलंबो क्रिकेट क्लब।

एआई से कई पुरानी नौकरियां जाएंगी, पर नया रोजगार भी पैदा होगा : डेलॉयट अधिकारी

नयी दिल्ली : वैश्विक पेशेवर सेव-प्रदाता डेलॉयट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) उद्योगों और रोजमर्रा की जिंदगी को नया रूप देने वाली एक बदलावकारी प्रौद्योगिकी ताकत है, जो खत्म होने वाली नौकरियों से कहीं अधिक नए अवसरों को जन्म देगी। डेलॉयट के दक्षिण एशिया क्षेत्र के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोमल शेट्टी ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि अधिक उन्नत चरणों में एआई एक बेहद मददगार और जरूरी साधन के तौर पर काम कर सकता है और यह मानवीय प्रतिभा की जगह लेने के बजाय उसकी मदद करता है। उनका यह बयान एमआईटी के मीडिया लैब के हाल में आए एक शोध नतीजों की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन से पता चला कि एआई उपकरण दक्षता में सुधार कर सकते हैं, लेकिन जेनरेटिव एआई पर अत्यधिक निर्भर लोगों की याद्दाश्त समय के साथ कम होने लगी है। उन्होंने नौकरियों पर एआई के प्रभाव के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कहा कि एआई के आने से कुछ तरह की नौकरियां भले ही गायब हो जाएं लेकिन इतिहास बताता है कि नई तरह की भूमिकाएं और व्यावसायिक मॉडल उभरकर सामने आएंगे। शेट्टी ने एक हालिया अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि हर एक नौकरी के नुकसान पर लगभग दो नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह सिलसिला पिछली प्रौद्योगिकी क्रांतियों के रुझानों की भी पुष्टि करता है। शेट्टी ने कहा, 'एआई शायद हमारे जीवनकाल में घटने वाली सबसे विघटनकारी चीज है। कम-से-कम इस दशक की यह सबसे बदलावकारी चीज है।

लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस, एको भारत में टेस्ला के बीमा भागीदार

नयी दिल्ली : टेस्ला के मंगलवार को भारतीय बाजार में प्रवेश करने के साथ ही लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस और एको ने कहा कि वे भारत में अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी के बीमा भागीदार बने हैं। लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस ने कहा कि उसने बेहतरीन सुरक्षा योजनाएं तैयार की हैं, जो टेस्ला की इंजीनियरिंग और प्रदर्शन उत्कृष्टता के साथ जुड़कर ग्राहकों की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करेंगी। लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और पूर्णकालिक निदेशक पराग वेद ने बयान में कहा, 'हम भारतीय बाजार के लिए टेस्ला के पसंदीदा बीमा प्रदाताओं में शामिल होने पर बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हम इसे बदलाव के एक बड़े अवसर के रूप में देखते हैं। यह बदलाव सिर्फ वाहन चलाने के तरीके के बारे में नहीं है, बल्कि अगली पीढ़ी के वाहन चालकों की सुरक्षा, सेवा और उनकी जरूरतों का अनुमान लगाने के बारे में भी है।' एको ने भी कहा कि उसे भारत में टेस्ला के पसंदीदा बीमा भागीदार के रूप में चुना गया है। एको जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनिमेष दास ने कहा, 'टेस्ला ने वाहन उद्योग में क्रांति ला दी है। हमारी महत्वाकांक्षा इस नवोन्मेषण के संबंध में सुरक्षा के तरीके को फिर से परिभाषित करना है।'

बाजार में चार दिन से जारी गिरावट थमी; वाहन, औषधि शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 317 अंक चढ़ा

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को पिछले चार दिन से जारी गिरावट पर विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 317 अंक चढ़ गया। वहीं एनएसई निफ्टी में 113 अंक की तेजी रही। खुदरा महंगाई दर के छह साल के निचले स्तर पर आने के साथ वाहन और औषधि शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 317.45 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,570.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 490.16 अंक तक चढ़ गया था। पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 113.50 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,195.80 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले, पिछले चार कारोबारी सत्रों में, सेंसेक्स 1,459.05 अंक यानी 1.74 प्रतिशत और निफ्टी 440 अंक यानी 1.72 प्रतिशत टूटा था। सेंसेक्स की कंपनियों में सन फार्मा, ट्रेंट, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फाइनेंस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, आईटी सेवा कंपनी एचसीएल टेक का शेयर 3.31 प्रतिशत के नुकसान में रहा। जून तिमाही में कंपनी के एकीकृत शुद्ध लाभ में 9.7 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे इसका शेयर नीचे आया। इसके अलावा, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे। अच्छे मानसून के कारण सब्जियों सहित खाने का सामान सस्ता होने खुदरा मुद्रास्फीति जून में छह साल के निचले स्तर 2.1 प्रतिशत पर आ गई। यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संतो-षजनक स्तर (दो प्रतिशत से छह प्रतिशत) के करीब है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में 2.82 प्रतिशत और जून, 2024 में 5.08 प्रतिशत थी। पिछले साल नवंबर से मुद्रास्फीति में गिरावट आ रही है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'वैश्विक और घरेलू घटनाक्रमों से बाजार धारणा में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका के साथ एक अंतरिम व्यापार समझौते की संभावना को लेकर उम्मीद बढ़ रही है। इससे शुल्क से जुड़े जोखिमों में कमी आ सकती है।'

50,000 रुपये मासिक से कम कमाने वाले 93 प्रतिशत वेतनभोगी करते हैं क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल

मुंबई : कम आय वर्ग के लोगों में क्रेडिट कार्ड पर निर्भरता बढ़ रही है। 'थिंक 360 डॉट एआई' के एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। अध्ययन में कहा गया है कि 50,000 रुपये मासिक से कम कमाने वाले लगभग 93 प्रतिशत वेतनभोगी इस 'प्लास्टिक मनी' पर निर्भर हैं। इस अध्ययन के तहत 12 महीने के दौरान भारत में 20,000 से अधिक वेतनभोगी और स्वरोजगार वाले व्यक्तियों के वित्तीय व्यवहार का विश्-लेषण किया गया। इसके मुताबिक, 85 प्रतिशत स्वरोजगार वाले व्यक्ति क्रेडिट कार्ड पर निर्भर हैं। मंगलवार को जारी अध्ययन में कहा गया कि 'अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें' (बीएनप-ीएल) सेवाओं का इस्तेमाल 18 प्रतिशत स्वरोजगार व्यक्ति और 15 प्रतिशत वेतनभोगी व्यक्ति करते हैं। 'थिंक 360 डॉट एआई' के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित दास ने कहा, 'भारत के विकसित होते कर्ज परिदृश्य में, क्रेडिट कार्ड और बीएनपीएल अब वेतनभोगी पेशेवरों से लेकर अस्थायी कर्मियों तक, सभी के लिए जरूरत बन गए हैं।'

अमेरिका को भारत का निर्यात जून में 23 प्रतिशत बढ़ा, आयात घटा

नयी दिल्ली : अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात जून में 23.53 प्रतिशत बढ़कर 8.3 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान आयात 10.61 प्रतिशत घटकर लगभग चार अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून के दौरान अमेरिका को भारत से निर्यात 22.18 प्रतिशत बढ़कर 25.51 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान आयात 11.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 12.86 अरब डॉलर रहा। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। भारत और अमेरिका एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। भारतीय दल इस समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता के लिए वाशिंगटन में है। भारत के एक अन्य प्रमुख व्यापारिक साझेदार चीन को भारत का निर्यात जून में 17.18 प्रतिशत बढ़कर 1.38 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। अप्रैल-जून में यह आंकड़ा 17.87 प्रतिशत बढ़कर 4.4 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन माह में चीन से आयात 2.48 प्रतिशत बढ़कर 9.51 अरब डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यह आंकड़ा 16.33 प्रतिशत बढ़कर 29.74 अरब डॉलर हो गया।

करीब 1,000 सरकारी आईटीआई को उन्नत बनाने का कार्यक्रम जल्द शुरू होगा

नयी दिल्ली : सरकार देश भर में मौजूद 3,000 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में से करीब 1,000 संस्थानों को उन्नत बनाने के लिए जल्द ही एक कार्यक्रम शुरू करेगी। यह कार्यक्रम मई में अनुमोदित 60,000 करोड़ रुपये की केंद्र प्रायोजित योजना का हिस्सा है। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी ने मंगलवार को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर आईटीआई को अपनी गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान देने के साथ उनके नवनिर्माण के लिए किए जा रहे विभिन्न उपायों को रेखांकित किया। इस अवसर पर कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सचिव रजित पुन्हानी ने कहा, 'हम जल्द ही सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) में आईटीआई को उन्नत करने का एक कार्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं। अगले दौर में कदम रखने के साथ हमारा ध्यान गुणवत्ता, प्रासंगिकता, समावेश और नवाचार पर बने रहना चाहिए।' चौधरी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आईटीआई के उन्नयन के पीछे का विचार भारत की प्रतिस्पर्धी भावना को उभारना है। इस क्रम में कई आईटीआई को लाखों खाली सीटें होने के कारण गैर-संबद्ध कर दिया गया है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास ऐसे गैर-संबद्ध आईटीआई हैं जिनमें 2018 का दिशानिर्देश जारी होने के छह साल बाद 4.5 लाख से अधिक सीटें खाली थीं। अब हम उन आईटीआई के खिलाफ भी कार्रवाई कर रहे हैं जिनमें पिछले दो वर्षों से 99,000 सीटें खाली पड़ी हैं। इससे 2024 में आईटीआई संस्थानों में प्रवेश 11 प्रतिशत बढ़ गया। हम गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'सिस्टम' को साफ कर रहे हैं।'

सरकार वैज्ञानिक अनुमति के बिना जैव-उत्प्रेरक पदार्थों की बिक्री की अनुमति नहीं देगी: चौहान

नयी दिल्ली : जैव-उत्प्रेरक (बायोस्टिमुलेंट) पदार्थों के बाजार में अनियमितताओं से चिंतित कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि सरकार वैज्ञानिक अनुमति के बिना ऐसे उत्पादों की बिक्री की अनुमति नहीं देगी। एक समीक्षा बैठक में, चौहान ने मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अधिकारियों की किसानों द्वारा जैव-उत्प्रेरक पदार्थों की गुणवत्ता और उनके प्रभावी नहीं होने की शिकायतों के बावजूद उनकी बढ़ती बिक्री पर 'आंख मूंदकर' नज़र रखने के लिए आलोचना की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों को उन जैव-उत्प्रेरक पदार्थों की बिक्री की अनुमति देने का निर्देश दिया जो कृषि क्षेत्र में प्रभावी हैं और गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं। उन्होंने मंत्रालय के अधिकारियों को नियम और विनियम निर्धारित करके एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'अब वैज्ञानिक रूप से अनुमोदित होने के बाद ही अनुमति दी जाएगी और इसकी पूरी ज़िम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी।' बायोस्टिमुलेंट या जैव-उत्प्रेरक ऐसे पदार्थ या सूक्ष्मजीव (जैसे लाभकारी बैक्टीरिया, कवक या पौधों के अर्क) होते हैं जो बीजों, पौधों या मिट्टी पर डालने पर प्राकृतिक पादप प्रक्रियाओं को उत्तेजित करते हैं।

रिलायंस और जियो के ट्रेडमार्क उल्लंघन वाले उत्पादों को सूची से हटायें अमेजन, फ्लिपकार्ट: अदालत

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने अमेजन और फ्लिपकार्ट समेत ई-कॉमर्स मंचों को 'रिलायंस' और 'जियो' ट्रेडमार्क का उल्लंघन करने वाले उत्पादों को नहीं बेचने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने 10 जुलाई को पारित एक अंतरिम आदेश में याचिकाकर्ता रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (आरआईएल) की दलील को प्रथम दृष्टया में सही पाया और ई-कॉमर्स मंचों को ट्रेडमार्क का उल्लंघन करने वाले उत्पादों को सूची से हटाने का आदेश दिया। अदालत का यह आदेश आरआईएल की याचिका पर आया है। कंपनी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि ई-कॉमर्स मंचों पर कई विक्रेता रिलायंस के ट्रेडमार्क का उपयोग करके रोजमर्रा के उपयोग का सामान (एफएमसीजी) बेच रहे हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि बिना अनुमति के रिलायंस और जियो ट्रेडमार्क का उपयोग करना, व्यापार जगत और आम जनता को धोखा देना और भ्रमित करना है। अदालत ने रिलायंस की दलीलों से सहमति जताते हुए कहा कि ऑनलाइन अथवा ई-कॉमर्स मंच के माध्यम से बेचे जाने वाली उपभोक्ता वस्तुओं की पहचान के लिए ग्राहक ब्रांड नाम और कंपनी-लोगो पर निर्भर करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में, यदि उत्प-ादों के बीच किसी भी प्रकार का भ्रम है, तो इससे उपभोक्ता सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

वर्ष 10, पूर्णांक 3298 अंक 108, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in